# हरियाणा विधान सभा

# की

# कार्यवाही

11 मार्च, 1997

द्वितीय बैठक

खण्ड - 1, अंक - 5

अधिकृत विवरण

विषय सूची

मंगलवार, 11 मार्च, 1997


| | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (5)1 |
| वैयक्तिक स्पष्टीकरण- | |
| मुख्यमंत्री, श्री बंसी लाल द्वारा | (5)8 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (5)8 |
| वैयक्तिक स्पष्टीकरण- | |
| मुख्यमंत्री, श्री बंसी लाल द्वारा | (5)13 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (5)13 |
| वैयक्तिक स्पष्टीकरण- | |
| मुख्यमंत्री, श्री बंसी लाल द्वारा | (5)16 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (5)16 |
| वैयक्तिक स्पष्टीकरण- | |
| विकिसा शिक्षा राज्य मंत्री, श्री विनोद कुमार भंडिया द्वारा | (5)35 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (5)36 |
| वाक आउट | (5)37 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (5)37 |
| वाक आउट | (5)44 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (5)45 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान | (5)53 |


मूल्य :

58 00

## हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 11 मार्च, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

---

## राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

**श्री अध्यक्ष** : अब श्री कैलाश चन्द्र शर्मा अपनी स्पीच रिज्यूम करेंगे।

**श्री कैलाश चन्द्र शर्मा** (नारनौल) : अध्यक्ष महोदय, अब मैं आपके माध्यम से अपने हल्के की समस्याओं के बारे में सरकार को बताना चाहता हूं। जैसा कि मैंने पहले भी एक सुझाव रखा था कि रोहतक में फ्लड बहुत आता है और वहां पर पानी खड़ा रहता है जबकि महेन्द्रगढ़ जिले में दोहन नदी और कृष्णावती नदी सूखी रहती हैं। रोहतक तक जो नहर बनी हुई है यदि उसको थोड़ा और आगे बढ़ा कर इन नदियों में मिला दिया जाये तो बारिश के समय का पानी वहां जा सकता है और वहां का जल स्तर ऊपर आ सकता है। दूसरे रोहतक शहर भी बाढ़ के प्रकोप से बच सकता है। हमीदपुर में बांध बना कर और इसी प्रकार से 4-5 और बांध बनाकर पानी डाला जाये तो हमारे इलाके का जल स्तर ऊपर आ सकता है। ऐसा होने पर वहां पर 150 गांवों को फायदा हो सकता है। इससे जल स्तर ऊपर आयेगा साथ ही साथ पीने के पानी की समस्या भी हल होगी और किसानों को भी उसका फायदा होगा। मैं आपके जरिये सरकार से सिफारिश करता हूं कि रोहतक साईड में बाढ़ के दिनों में जो बाढ़ आती है उस पानी को दोहन नदी व कृष्णावती में डाला जाये तो हमारे इलाके की पानी की समस्या काफी हद तक पूरी हो सकती है। इसी के साथ-साथ मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा कि मांदी और कोचिंदा में बोरिंग की हुई है। वहां पर 10 फुट गहरी डिग्गी है। मैं चाहूंगा कि उसको 5 फुट और गहरी करके एक जोहड़ की शक्ल में बदल दिया जाये और उसमें 2-4 महीने पानी भर दिया जाये तो बहुत ठीक रहेगा। इसी तरह से मैंने 14 पहाड़ियों का जिक्र किया था। मैंने बताया था कि वहां पर गर्मियों में पानी नीचे चला जाता है और ज्यों ही बरसात होती है 5-6 फुट पर पानी आ जाता है और गर्मियों में 100-150 फुट नीचे चला जाता है। मेरे इलाके में वाटर टैंक की स्कीम के लिए 15 लाख रुपये एडवांस पहुंच चुके हैं लेकिन उस पर अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है। यदि उस पर काम शुरू कर दिया जाये तो गर्मियों तक यह काम पूरा हो सकता है या दो चार महीने बाद में पूरा हो सकता है इसलिए मेरी प्रार्थना है कि नांगल दर्गु की जो स्कीम है इसे जल्दी से जल्दी पूरा किया जाये। इसके साथ-साथ मैं विशेष तौर पर बहुत ही जरूरी बात आपके नोटिस में लाना चाहता हूं कि मेरे हल्के में 11 जगहों पर बोरिंग हुई है। उसमें बिजली के कुनैक्शंज की कमी है। मोसनूता नदी में बोरिंग कर रखी है। बूढवाल में भी बोरिंग हुई है। दंताल में बोरिंग हुई है, मोहर में भी की हुई है। इसी प्रकार से निजामपुर में भी बोरिंग पर मोटर रखी हुई है। धानोता में भी बोरिंग हुई है और मोटर भी है। इसी प्रकार से ढाकोड़ा में मोटर रखी हुई और बोरिंग हुई है। पांचनोता में भी काम पूरा है। बायल में भी बोरिंग हुई है। उसको थोड़ा गहरा और करवाया जाये। यहां पर पानी की

[श्री कैलाश चन्द्र शर्मा]

समस्या ज्यादा है। मोसन्द में भी पूरा काम है मोटर भी रखी हुई है। थनवास में भी काम पूरा है। मेरे कहने का मतलब यह है कि इन जगहों पर बिजली के कनैक्शंज जल्दी से जल्दी दिए जाएं ताकि इनसे पानी लिया जा सके और लोगों की समस्या दूर हो सके। इससे हमारे वहां पर 22 गांवों की समस्या दूर हो सकती है। वहां पर इस काम के लिए 80 परसेंट पैसा खर्च हो चुका है। सिर्फ 20 परसेंट खर्चा होना बाकी है। इसलिए मेरी मांग है कि इसकी तरफ विशेष ध्यान दिया जाए। इन शब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया और उम्मीद करता हूं कि आने वाले समय में हमारी सरकार ज्यादा से ज्यादा कार्य करेगी।

**श्री अध्यक्ष** : सदन की इत्तलाह के लिए मैं सदस्यों को बताना चाहूंगा कि जो टाईम एलॉट किया गया था उसके मुताबिक एच०वी०पी० 38 मिनट, बी०जे०पी० 50 मिनट बोल चुके हैं। समता पार्टी का 110 मिनट का समय बनता था लेकिन वे 150 मिनट, इण्डियन नैशनल कांग्रेस का समय 60 मिनट बनता था वे 93 मिनट तथा इण्डिपैंडेंटस 71 मिनट बोल चुके हैं।

**श्री सोमबीर सिंह** (लोहारू) : आदर के योग्य अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अन्दर हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने हुए मात्र 9 महीने का समय हुआ। इस 9 महीने के समय के दौरान में हरियाणा के लोगों के लिए, किसानों की सहूलियत के लिए बिजली और पानी के ऊपर क्या-क्या काम किया गया उसके ऊपर अपने विचार व्यक्त करना चाहूंगा। स्पीकर सर, सन 1995 में हरियाणा के अन्दर भीषण बाढ़ आई थी तथा भिवानी, दादरी शहर और उसके आस-पास के गांव उसके भुक्तभोगी रहे हैं। वहां पर काफी नुक्सान हुआ था सोनीपत ऐरिया में भी बहुत ज्यादा नुक्सान हुआ लेकिन आज की सरकार ने सत्ता में आते ही सबसे पहले इस समस्या की तरफ ध्यान दिया। पिछले वर्ष 1996 में सबसे पहला काम यह किया कि नहरों और ड्रेनों की सफाई की गई। खासतौर से मैं अपनी कान्स्टीच्यूऐंसी के बारे में तो इतना बता सकता हूं कि वे माईनर्ज़ और नहरें जो कि करीब 20 साल से बुरी हालत में थीं उनकी सफाई वर्तमान सरकार ने करवाई है। मेरे इलाके के अन्दर 90 टेल्ज़ पड़ती हैं जिनमें 1989 के बाद पानी इस साल आया और इतना पानी आया पिछले किसी भी समय में नहीं आया जितना पानी पहले आता था इस साल कम से कम 5 गुना अधिक पानी आया है। मेरे हल्के लोहारू के अन्दर इस सरकार के आने के बाद टेल तक पानी पहुंचा है जबकि इससे पहले कभी भी टेल तक पानी नहीं पहुंचा करता था। टेल तक पानी पहुंचने का कारण यही है कि नहरों की सफाई का काम हुआ है जिसके कारण लोगों को फायदा हुआ है और इससे आम आदमी और आम जमींदार को लाभ पहुंचा है। इससे पहले तो सारा पानी हिसार या सिरसा में जाता था और उन इलाकों को विशेष महत्व दिया जाता था लेकिन हरियाणा की वर्तमान सरकार ने उनको भी बराबर सुविधाएं दी हैं और सभी के साथ पूरा इन्साफ किया है। अध्यक्ष महोदय, एक दूसरी समस्या उठाई गई वह बिजली की समस्या है। इस सरकार को सत्ता में आए हुए अभी 8-9 महीने का समय ही हुआ है। बिजली की समस्या पिछले काफी समय से चली आ रही है। इस समस्या के कई कारण हैं जिनमें से कुछ का जिक्र मैं करना चाहूंगा। सन् 1975 में चौधरी बंसी लाल जी सैंटर में मिनिस्टर बन कर गए थे और उससे पहले हरियाणा के मुख्य मन्त्री थे आज उनको फिर से सरकार बनाने का मौका मिला है। जब वे सैंटर में गए थे उस बात को 21 साल हो गये। इस अवधि के दौरान जो सरकारें आई बिजली के लिए उन्होंने क्या-क्या काम किया है वह आपके सामने है। पिछले 10 साल में बिजली पैदा करने के लिए कोई भी कदम नहीं उठाया गया है। वर्ष 1986 में जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री बन कर आए थे उस समय उन्होंने जिस काम को जहां छोड़ा था वह वहीं का वहीं है और उसमें कोई डिवैल्पमैंट नहीं हुई है। यमुनानगर में करीब 600 एकड़

जमीन थर्मल प्लांट लगवाने के लिए एक्वायर की थी। इसके बाद आने वाली सरकारों ने वहां पर थर्मल प्लांट तो क्या लगाना था उस जमीन पर सफेदे के पेड़ लगा दिए। वहां पर सफेदे के पेड़ लगाने से क्या फायदा है। क्या सफेदों से बिजली पैदा होगी ? अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से पानीपत थर्मल प्लांट में छठे यूनिट को ये मन्जूर करके गए थे। अगर वह यूनिट भी चालू हो गया होता तो कम से कम बिजली की स्थिति में सुधार होता। जो लगातार लाईन लॉसिस हो रहे हैं उनको रोकने का प्रयास किया होता तो स्थिति कुछ भिन्न होती। बिजली बोर्ड लगातार घाटे के अन्दर चल रहा है और ये लोग कहते हैं कि इतने करोड़ का घाटा है इसे कैसे पूरा करेंगे लेकिन जब इनकी अपनी सरकार थी तो इस घाटे को पूरा करने के लिए इन्होंने कोई कदम क्यों नहीं उठाया। करोड़ों रुपये का नुकसान और घाटा हर साल बढ़ता ही रहा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनको भी सरकार चलाने का मौका मिला था और इन्होंने भी कुछ साल सरकार चलाई है पिछले सालों में इनकी भी सरकार रही है। (विघ्न) 1986-87 में जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मन्त्री थे तो उस समय जितने ट्यूबवैल्ज़ को बिजली के कनैक्शंज दिए गए थे उसके बाद वह बैकलॉग बढ़ा ही है जितना बैकलॉग उन्होंने छोड़ा था उसमें बढ़ौतरी हुई है कोई कमी उसमें नहीं आई है। 1987 से लेकर 1991 तक ओम प्रकाश चौटाला और इनकी पार्टी का राज रहा था ये 29 हजार 6 सौ ट्यूबवैल्ज़ के कनैक्शन पैंडिंग छोड़ कर गए थे। चौधरी भजन लाल की सरकार 39 हजार 6 सौ पैंडिंग कनैक्शन छोड़ कर गई थी। (विघ्न) ये पैंडिंग कनैक्शन इससे ज्यादा भी हो सकते हैं। हमें दूसरी स्टेट भी बिजली देने को तैयार है। हमारे बिजली बोर्ड में लाईनों की कमी है, पावर हाऊस की कमी है। वह सब आप लोगों की मेहरबानी से ही है। ये जो लाईनें बिछा हुई हैं अगर उसमें आप लोगों ने सुधार भी किया होता तो भी बात बन जाती। आज हम पैसा लेने की बात करते हैं तो शोर मचाते हैं। अरे पैसा तो आपने भी लिया था भजन लाल सरकार ने भी लिया था। इस बारे में विस्तार से तो सी०एम०साहब ही आपको बताएंगे। आज हम बिजली बोर्ड का थोड़ा सा काम प्राईवेट हाथों में देने की सोच रहे हैं तो आपने शोर मचा दिया कि बाहर की कम्पनियां आ जाएंगी तो हमारा देश फिर से गुलाम हो जाएगा। इस तरह की आप बातें करते हैं। आप इस तरह से सदन को, पब्लिक को गुमराह करने वाली बात मत करें। मुख्य मंत्री जी ने और मंत्री जी ने बार-बार कहा कि बिजली के रेटों में कोई बढ़ौतरी नहीं होगी। किसान को 50 पैसे सबसीडी रेट के हिसाब से बिजली देते हैं, उसी रेट पर ही देंगे। आप लोगों को बार बार सदन को गुमराह करने वाली बात नहीं करनी चाहिए।

इसके साथ ही यहां पर ला एंड आर्डर की बात कर रहे थे। मैं मानता हूं कि क्राईम होते हैं, इस बात से मैं मना नहीं कर रहा। जो रूटिन के क्राईम हैं वह बंद तो नहीं हो सकते लेकिन उनको कम किया जा सकता है। शराब बंदी से जो लड़ाई झगड़े और एक्सीडैंटस में मौतें होती थी उनमें कमी हो गई है। यह सरकार सबको बराबर दृष्टि से देखती है। डिप्टी कमिशनर से ले कर आम आदमी तक सब को एक नजर से देखती है किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करती है। मैं पिछली सरकारों का जिक्र करूंगा कि उनके टाईम में क्या क्या होता था। मेहम में क्या हुआ यह सब जानते हैं। 1989 में चुनावों में क्या हुआ, वहां पर गोलियां चलाई गई। पुलिस की गोली से एक लड़का मारा गया। जब हम उस बारे में एफ० आइ० आर० दर्ज करवाने गए तो एफ० आई०आर० दर्ज नहीं की गई। पुलिस का आदमी उसमें इन्वालव्ड था। जब हमने एफ० आई०आर० दर्ज करवाई तो पुलिस ने उसमें मनघड़त कहानी लिख दी। ऐसा काम होता था इनके समय में 1 आज भजन लाल जी भी ला एंड आर्डर की बात करते हैं। ये अपने समय को भूल गये। कादमा के अन्दर और नीसिंग के अन्दर क्या हुआ था। वहां पर किसान बिजली मांग रहे थे तो उन पर सरेआम गोलियां चला दी थीं। इनको अपना अपना टाईम याद रखना चाहिए। लोहारू के अन्दर मिनी सैक्रेटेरियट है। वहां पर इनके समय में एक भी कमरा नहीं बना था अगर बना था तो ये

[श्री सोमवीर सिंह]

खता दें और जो सजा मुझे देंगे मैं उसको भुगतने के लिए तैयार हूं। हमारी इस सरकार ने आते ही यहां पर मिनी सैक्रेटेरियेट बनाने का काम शुरू करवाया है। भजन लाल जी तो पत्थर लगाने का काम करते थे। स्पीकर सर, यह तो मैं अपने हल्के का ही जिक्र कर रहा हूं क्योंकि मैं वहां से रिप्रेजेन्ट करता हूं। इसके अलावा ये रोजगार की बात कर रहे थे, भ्रष्टाचार की बात कर रहे थे। मैं इनको बताना चाहूंगा कि आज सिपाही की भर्ती से लेकर बड़े अफसरों की भर्ती मैरिट के आधार पर होती है जबकि इनके समय में इन भर्तियों में रिश्वत ली जाती थी। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों को आज एक ही बात का डर है कि चौधरी बंसी लाल जी को अगर थोड़ा सा भी मौका मिल गया तो बिजली की समस्या हल कर देंगे, पानी की समस्या हल कर देंगे। जैसे हमारी सरकार ने पहले नहरों की सफाई करवायी है, अब सारी नहरों में पानी टेल तक पहुंच रहा है। इनको डर है कि अगर आने वाले चार साल का मौका हमको मिल गया तो फिर उसके बाद लोग इनको गांव में घुसने नहीं देंगे। लॉ एंड आर्डर की बात, बिजली की बात, पानी की बात को कहना तो इनका एक बहाना है। अध्यक्ष महोदय, इतना ही कहकर मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

**श्री हर्ष कुमार** (हथीन) : अध्यक्ष महोदय, पांच मार्च को यहां पर राज्यपाल महोदय ने आकर अपना अभिभाषण पढ़ा। इस अभिभाषण पर कल भी और आज भी काफी चर्चा चल रही है। जहां तक आज की सरकार का सवाल है यह सब को पता है कि चौधरी बंसी लाल जैसे आदर्श व्यक्ति को हरियाणा का ढांचा किस शक्ल में मिला है। यह हरियाणा की जनता, हर राजनैतिक पार्टी और यहां पर बैठे हुए सदन के मैम्बर्ज भी जानते हैं और उनसे यह बात छिपी हुई नहीं है। आज इस सरकार को करीब साढ़े नौ महीने सत्ता सम्भाले हुए हो गए हैं लेकिन जिस तरह से पहली सरकार ने जनता के हितों के साथ अनदेखी की है, हरियाणा के खजाने को जिस तरह से लूटा, यह कोई छिपी बात नहीं है। यह तो जगजाहिर मसला है। अध्यक्ष महोदय, अभी बिजली का जिक्र आया। यह ठीक है कि पिछली सरकार ने कोई थर्मल प्लांट नहीं लगाया, कोई बिजली की बढ़ौतरी नहीं की एवं कोई नया बिजली कनैक्शन नहीं दिया। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने बिजली के मामले में काफी काम किया है और करने जा रही है। आज कोई नहीं कह सकता कि मेरे गांव का ट्रांसफार्मर जल गया और वह नया नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, यह तो एक रिकार्ड की बात है। आज एक भी रिकार्ड ऐसा नहीं मिलेगा। (विघ्न) चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी, बिजली तो जरूर आएगी। ऐसी बात नहीं है कि वह न आए। (विघ्न)

**कृषि मंत्री** (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, जगन्नाथ जी कह रहे हैं कि बिजली जरूर आएगी और यह कांग्रेसियों पर पड़ेगी। (हंसी)

**श्री बीरेन्द्र सिंह** : हमारे ऊपर तो पड़ गयी।

**श्री हर्ष कुमार** : जहां तक चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी का सवाल है इनके ऊपर तो बिजली पड़ ली। अब तो चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की पार्टी पर पड़नी है। (हंसी)

**श्री बीरेन्द्र सिंह** : इनकी पार्टी तो सोलर से चलती है। (हंसी)

**श्री हर्ष कुमार** : जहां तक लॉ एण्ड आर्डर के मसले का सवाल है दो तरह के औफैंस हैं। एक जो स्वाभाविक है वह यह है कि हमारे देहातों में लोग बिना किसी मसले के लट्ठ बजाते थे, आपस में बिना मुद्दे के गोलियां चलती थीं, थाने और तहसीलों में बिना मसले के किसान घूमते थे। शराबबंदी से एक तो वे झगड़े बंद हो गए हैं। जहां तक छोटी-मोटी घटनाओं का सवाल है, यह कोई नयी बात नहीं है। हर सरकार में यह क्राईम होते रहे हैं। यह एक मनोवृति रही है। हजारों साल से इस किस्म की

मनोवृति चली आ रही है कि जो शक्तिशाली था उसने कमजोर रजवाड़ों को लूटा और वे माल लूटकर विदेशों में ले गए। बहरहाल हमारी सरकार आने के बाद इस मनोवृति पर अंकुश लगा है। पहले जो सरकारें आईं उन्होंने इस मनोवृति को बढ़ाया था। जहां तक सिंचाई की बात है, आज भजन लाल जी हैं नहीं कोई भाई बता रहे थे कि उनके बहुत चहेते से कांग्रेस अध्यक्ष पद चला गया और बीरेन्द्र सिंह जी के चहेते के पास आ गया। शायद वे उस सदमे को बर्दाश्त न कर सके होंगे और दिल्ली चले गए होंगे। वे कल नहरों के बारे में चर्चा कर रहे थे। उनके साहबजादे बैठे हैं और वे भी इस हाऊस के सम्मानित सदस्य हैं। वे बता दें कि नहर क्या होती है, टेल क्या होती हैं, कुलाबे कहां होते हैं, खालें क्या होती हैं और सिंचाई कहां होती है। सिंचाई के बारे में जैसा कि मैंने पहले भी सदन में जिक्र किया था कि जिस इलाके में पिछले 20 साल से पानी नाम की चीज खत्म हो गई थी। जमीन में खारा पानी था, टेल तक पानी नहीं पहुंचता था और वहां के लोग एक फसल से भी वंचित हो गए थे। वहां आज चौधरी बंसी लाल जी की स्कीम से वाटर लेबल 15 फुट बढ़ा है और वहां लगभग 20 साल के बाद सिंचाई हुई है। इस सदन में इतनी चर्चा चली है लेकिन विपक्ष ने किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं की है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर सदन में काफी चर्चा हो चुकी है और अब विपक्ष का मन भी मान रहा है इसलिए अब राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को इस सदन में मुख्यमंत्री जी के जवाब के बाद पास किया जाए ताकि हमारा ज्यादा टाइम न लगे। इन शब्दों के साथ मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। (धन्यवाद)

**श्री रामजी लाल** (सढौरा, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं चाहूंगा कि हरियाणा सरकार कभी तो कान्डी प्रौजैक्ट के नाम पर, कभी शिवालिक बोर्ड के नाम पर कालका से लेकर और ताजेवाला तक हर किस्म का बोर्ड बनाकर पैसा तो ले लेती है लेकिन इस एरिया में न तो एजूकेशन की व्यवस्था है न लोगों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था है। लोगों को पीने का पानी और खेतीबाड़ी के लिए सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं है। केवल एच०एस०एम०आई०टी०सी० के कुछ ट्यूबवैल्ज लगे हुए हैं जो 1970 में चौधरी बंसीलाल जी ने लगवाये थे। जिनसे सिंचाई की सुविधा मुहैया कराई गई थी और आज वे ट्यूबवैल्ज भी सारे के सारे डैड पड़े हुए हैं और जो मोटर लगी हुई हैं वे भी ज्यादातर खराब समझकर निकाल दी जाती हैं। इसके अलावा जहां तक एज्यूकेशन का सवाल है मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से और शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि सढौरा म्यूनिसिपल कमेटी 1881 से बनी हुई है लेकिन आज तक वहां न तो कोई लड़कों का और न ही लड़कियों का हाई स्कूल है। न कोई गर्ल्ज कालेज है और न ही कोई दूसरा कालेज। शिक्षा मंत्री जी से एक बात ओर कहना चाहूंगा कि जो शिक्षा विभाग के ट्रांस्फर होते हैं प्राईमरी स्कूल और मिडिल स्कूल के वे अधिकारियों या दूसरे आदमियों की मिलीभगत से डैप्यूटेशन पर पंचकूला कर दिये जाते हैं और उन टीचरों की तनख्वाह हमारे स्कूलों के द्वारा दी जाती है। मैंने इस बारे लिखकर भी दिया था लेकिन उसका जवाब आज तक नहीं मिला मैं अनुरोध करूंगा कि इन टीचरों को दोबारा हमारे स्कूलों में भेजा जाये। इसके अलावा बिजली के बारे में मैं मुख्यमंत्री जी के ध्यान में एक बात लाना चाहूंगा कि यमुनानगर से आज भी हमारे क्षेत्र के गावों सढौरा, छछरौली, नारायणगढ़, शहजादपुर, मदनपुर के गावों में जो लाइट की लाईनें जा रही हैं उनको एस०इ० महोदय बीच में ही बन्द करवा देते हैं कि लाईट का लोड बढ़ रहा है। इन गावों के लोग सारी रात बैठे रहते हैं लेकिन लाईट नहीं आती। मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि इस बारे उचित कदम उठायें। जहां तक शराब बंदी का सवाल है। श्री अनिल विज जी ने कहा था कि गाड़ियों के नम्बर दो तो मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय के ध्यान में एक बात लाना चाहता हूं कि एक गाड़ी नं० एच०एन०ई० 110, 15 दिन से बिलासपुर थाने में खड़ी है जिसमें शराब ले जायी जा रही थी। उस

[श्री रामजी लाल]
शराब को तो बेच दिया गया और उसमें जो आदमी थे उनको भगा दिया गया और उस गाड़ी को लावारिस घोषित कर दिया। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बताना चाहता हूं कि शराब की तस्करी चाहे किसी भी पार्टी के सदस्यों की मिलीभगत से चल रही है या दूसरे पदाधिकारियों की मिलीभगत से, उसको रोका जाये। धन्यवाद।

**श्री अध्यक्ष** : बीरेन्द्र सिंह जी अब आप बोलिये।

**श्री बीरेन्द्र सिंह** (उचाना कलां) : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा सदन के सभी पार्टियों के सदस्यों ने अपने-अपने नजरिये से की है। मैं भी अपनी बात रखने से पहले यह कहूंगा कि जो अभिभाषण महामहिम राज्यपाल महोदय ने सदन में पढ़ा, उसकी शुरूआत उन्होंने नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की सौंवीं जन्मशती के उपलक्ष में और भारत को आजाद हुए पचास साल हो गये हैं, इन दो पक्षों को मिला कर की । 1938 में जब नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने एक कमेटी का गठन किया था तो उसका नाम था 'नेशनल प्लानिंग कमेटी' जिसके अध्यक्ष पंडित जवाहर लाल नेहरू थे। यह बात मैं इसलिए कह रहा हूं कि योजनाबद्ध तरीके से राज्य का विकास होना चाहिए। 1966 तक जब हमारा प्रदेश पंजाब का हिस्सा था तो हमें कभी भी इन्साफ नहीं मिला। जब 1966 से पहले मैं कॉलेज में पढ़ा करता था तो उस समय चौ० देवी लाल जी कहा करते थे कि 40 करोड़ रुपये से ज्यादा हरियाणा से टैक्सों के रूप में सरकार इक्ट्ठा करती थी और उसका सिर्फ 15 करोड़ रू० हरियाणा के भू-भाग के लोगों पर खर्च होता था। बाकि हमारा ही पैसा पंजाब में खर्च होता था। लेकिन एक आंदोलन चला और उसमें हम भाग्यशाली रहे कि जिस कारण हम एक अपना खुद का राज्य बनाने में कामयाब हुए। उसके बाद सत्ता का स्थायित्व नहीं हो सका। सरकार की स्टेबिलाइजेशन नहीं हुई। 1968 में चौ० बंसी लाल जी को मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला और वे जब मुख्यमंत्री बने तो सरकार में स्थायित्व आया। इनकी सरकार एक बार 4 साल और एक बार 5 साल चली और उस समय जो विकास की गति थी वह तेज हुई। इसकी वजह सिर्फ यह थी कि बंसी लाल जी को एक संज्ञा दी गई कि ये राज्य के डिवैल्पमैंट ओरिएंटिड चीफ मिनिस्टर हैं। राज्य में योजनाबद्ध तरीके से, जिसकी कि मैंने अभी चर्चा की है, काम करते हैं। मेरे दिल में भी बंसी लाल जी के लिए बड़ा मान और सम्मान है और उसकी वजह यह है कि मेरा राजनीति में पदार्पण भी इन्हीं की वजह से ही हुआ है वरना मैं राजनीति में शायद आता या नहीं आता, इस बात का पता नहीं है। 1972 में जब ये हमारी पार्टी के मुख्यमंत्री थे तो मुझे भी उस समय चुनाव में कूदने का मौका मिला। लेकिन अब जब ये 1996 में मुख्यमंत्री बने हैं तो हमारे दिमाग में, हमारे जहन में यह बात थी कि बंसी लाल जी राज्य की प्रगति की गति को तेज करेंगे और विकास पर कंसैंट्रेट करेंगे। लेकिन कई चीजें बड़े अफसोस के साथ कहनी पड़ती हैं। आज लोगों से भी हम पूछ सकते हैं। वे कहते हैं कि अब की बार वे बंसी लाल जी नहीं हैं जो पहले थे। वे ठीक कहते हैं क्योंकि उस समय वे 40 साल के बंसी लाल थे और आज 70 साल के बंसी लाल है। लेकिन मुझे इस बात में भी कोई फर्क नजर नहीं आता है क्योंकि 70 और 40 में कोई ज्यादा फर्क नहीं होता है। फर्क तो सिर्फ इस बात का है कि आज ये किसके पार्टनर हैं, किस का सहारा लेकर यह सरकार चल रही है। पहले सरकार इंदिरा गांधी जी के आशीर्वाद से नेहरू जी के आशीर्वाद से और कांग्रेस की विचारधारा के साथ चलती थी। आज इनकी सरकार बी०जे०पी० के रहमोकरम पर चलती है। मुझे बड़ी खुशी हुई थी जब डायरैक्टर इंडस्ट्रीज को सस्पैंड कर दिया गया था जो कि 55 लीज पर साईन करके चला गया था । मैंने कहा कि यह मुख्यमंत्री तो परोम्पट एक्शन लेते हैं लेकिन वह परोम्पट एक्शन भी रिवर्स हो गया और वह भी 4 दिन में हुआ। (विघ्न) महीने में हुआ क्या। तो उसमें भी कहीं बी०जे०पी० आड़े आ गई। कल मैं

चौटाला साहब का भाषण सुन रहा था तो मुझे बड़ी खुशी हुई जब बी०जे०पी० के बारे में अपनी बात इन्होंने खुलकर सामने रखी और मुझे मालूम हुआ कि कम से कम भविष्य में ये बी०जे०पी० से समझौता नहीं करेंगे। (हंसी)

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बहुत अच्छे वक्ता हैं। ये नए-नए कांग्रेस में आये हैं और बार-बार बी०जे०पी० को कोस रहे हैं। उनके भाषण से ऐसा लगता है कि पूरे देश में कांग्रेस को चुनावों में बी०जे०पी० ने जो करारी मात दी है इसलिए ये बार-बार बी०जे०पी० को कोस रहे हैं।

**श्री अध्यक्ष** : इस समय भी वे कांग्रेस का कोई समर्थन नहीं कर रहे हैं।

**स्थानीय शासन मंत्री** (डॉ० कमला वर्मा) : अध्यक्ष महोदय, पंजाब, जम्मू कश्मीर और हरियाणा में बी०जे०पी० ने कांग्रेस पार्टी को चुनावों में करारी मात दी है इसलिए इनको उसकी पीड़ा होना स्वाभाविक है।

**मुख्य मंत्री** (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं बीच में एक बात सबमिट कर दूं। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे हैं कि बी०जे०पी० की वजह से काम नहीं हो रहा है। मैं कहता हूं काम हो रहे हैं। पिछले 20-21 साल से बिगड़ा हुआ ढांचा मुझे सुधारना पड़ रहा है जो ये भाई बिगाड़ कर गए थे। ये बिगाड़ कर गये थे हम क्या करें। जहां तक रही बी०जे०पी० की बात। यह बात ठीक है कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह के मस्तिष्क में कहीं न कहीं बी०जे०पी० का खौफ जमा हुआ है। वह खौफ उनके दिमाग से निकल नहीं रहा है। चौटाला साहब बी०जे०पी० को खुश करने में लगे हुए हैं। चौटाला साहब कभी तो यह भी कह देते थे, जब बी०जे०पी० के साथ इनका समझौता नहीं हुआ था। उससे पहले इनका कम से कम दस बार ब्यान आया होगा कि बी०जे०पी० से इनका समझौता हो गया। आज भी जब ये स्टेट में या कहीं बाहर जाते हैं तो यह तकरीर करते हैं कि बी०जे०पी० को अपना समर्थन वापिस ले लेना चाहिए जैसे चौटाला साहब की सलाह पर ही बी०जे०पी० चलेगी।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रयास शायद इतने कारगर साबित न हों लेकिन चौधरी बंसी लाल जी का एटीच्यूड हमारा काम चला देगा। (हंसी)

**शिक्षा मंत्री** (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर साहब, मुसीबत इसी बात की है कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को, जो जनादेश है, वह हज्म नहीं हो रहा है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी घुमा फिरा कर अपनी बात कह रहे थे इनकी बात को सुन कर मुझे गांव में सुनी हुई एक बात याद आ गई। एक कमजोर सा आदमी था और उसकी जनानी ठाडी थी लेकिन वह आदमी समाज में अपनी प्रतिष्ठा बना कर रखना चाहता था। स्पीकर साहब, वह जनानी रोज सुबह शाम उस आदमी पर बेलन परेड करती थी और वह नीचे पड़ा पड़ा कहता कि तू न्यू मानेगी तू न्यू मानेगी। स्पीकर साहब, एक दिन आप जैसा एक मातबर उसके घर चला गया उसने यह देखा कि यह आदमी रोज क्या करता है अपनी जनानी को पीटता है यह क्या तमाशा है ? उस आदमी ने वहां जा कर देखा तो जो आदमी न्यूं कह रहा था कि तूं न्यूं मानेगी तूं न्यूं मानेगी उस पर बेलन की मार पड़ रही थी इसी तरह से चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए दर्द होना स्वाभाविक है। जब ये यहां पर थे तब इनको वह अवसर नहीं मिला। कांग्रेस पार्टी को जो मार पड़ी है वह कुदरती पड़ी है। भारतीय जनता पार्टी के आन्दोलन से देश राम राज्य की तरफ बढ़ रहा है। हिन्दुस्तान में राम राज्य की जो कल्पना महात्मा गांधी जी ने की थी वह यह थी कि -

न दैहिक संतापा,
न भौतिक तापा

[श्री राम बिलास शर्मा]

वह राम राज्य जिसमें सुख बरसे। सभी को सुख से रखे। हम लोक और परलोक दोनों की चिन्ता करेंगे।

**श्री अध्यक्ष** : चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप अपनी स्पीच 15 मिनट में समाप्त करें।

**श्री बीरेन्द्र सिंह** : स्पीकर साहब, मुझे एक कवि की दो लाइनें याद हैं।

वक्ष पे युग बाहू बांधे, मैं खड़ा सागर किनारे,
आज लहरों का निमंत्रण, मैं क्यों तुफां से डरूं।।

आप मेरी चिन्ता मत कीजिए। मैं आपको इशारा करके एक बात बताना चाहता हूँ कि उस राम राज में घुटन होगी या वहां पर स्वतंत्रता होगी जिसमें विचारों को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता होगी, चलने फिरने की स्वतंत्रता होगी जब इनकी पार्टी का राजस्थान में संकट था। जिस समय वहां की विधान सभा में भैरों सिंह शेखावत की सरकार की गिनती होनी थी और उस वक्त लग रहा था कि यह सरकार गिर भी सकती है और बच भी सकती है। तो बी०जे०पी० वालों ने बंसी लाल जी को इतना परसूएड किया कि राजस्थान के एक विधायक नरेन्द्र सिंह भाटी को इन्होंने रिवाड़ी के अन्दर गिरफ्तार कर लिया कि आप शराब पीकर हरियाणा में घुसे हैं। जबकि वे एक रिस्पैक्टिड आदमी हैं। जब तक काऊंटिंग आफ हैड नहीं हुई उसकी जमानत नहीं होने दी, इससे बुरी बात कोई नहीं हो सकती। (विघ्न)

---

## वैयक्तिक स्पष्टीकरण-

### मुख्य मंत्री श्री बंसी लाल द्वारा

**श्री बंसी लाल** : आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन सर। भाटी साहब को पकड़ा गया, यह सही बात है। यह दुरूस्त है कि बीरेन्द्र सिंह जी भाटी साहब को जानते हैं। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मैं भाटी साहब को ही नहीं उनके पिता कर्नल मोहन सिंह को भी बहुत अच्छी तरह से जानता हूँ। भाटी साहब रिवाड़ी में शराब के साथ पकड़े गए थे। उनको सवेरे जमानत पर छोड़ दिया गया था। वे असैम्बली में सही समय पर पहुंच गए थे।

---

## राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : कल को तो आप यह कहेंगे कि भजन लाल जी की अलमारी में भी हमने शराब रखवा दी थी।

**डॉ० कमला वर्मा** : बिना पूरे तथ्यों के बीरेन्द्र सिंह जी को ***** बात नहीं कहनी चाहिए। आप तो बहुत पुराने और सीनियर मैंबर हैं।

**श्री अध्यक्ष** : झूठ शब्द को एक्सपंज कर दिया जाए।

**श्री बीरेन्द्र सिंह** : ऐसे हथकण्डों से सरकारें नहीं चला करतीं। हमने और चौधरी खुर्शीद अहमद जी ने आपको आज से 4-5 रोज पहले एक गैर सरकारी प्रस्ताव भेजा था जिसमें यह कहा गया था कि इस पर चर्चा हो कि जिस असैम्बली में 100 से कम मैम्बर हों वहां पर 20 से ज्यादा मंत्री न हों।

---

चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

**श्री अध्यक्ष :** चौधरी साहब, आप तो बहुत पुराने विधायक और मंत्री रहे हैं। आपको वही बात रखनी चाहिए थी जिस पर इस हाउस में चर्चा हो सकती हो। वह बात तो हाउस से परे की थी। आप ऐसा कोई प्रस्ताव लाएं जिस पर चर्चा हो सकती हो।

**श्री बीरेन्द्र सिंह :** हमने प्रस्ताव पेश करना था कि केन्द्र सरकार जो कानून बनाती है उसमें यह प्रावधान हो जो हम चाहते थे। हम उस प्रस्ताव को रिकमैंड करके यहां से भेज सकते थे चाहे वह उसको मानते या न मानते। हमारा मकसद यह था कि जिस प्रदेश में 100 से कम सदस्य हों वहां पर 20 से ज्यादा मंत्री न बनाये जाएं। क्योंकि अब ऐसा कानून न होने से डिफैक्शन को भी बढ़ावा मिलता है। (विघ्न)

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** आप जब चौधरी भजन लाल जी के मंत्री मण्डल में मंत्री थे तो उस वक्त आपने यह सुझाव क्यों नहीं दिया ?

**श्री बीरेन्द्र सिंह :** उस वक्त भी मैंने सुझाव दिया था लेकिन मेरा सुझाव यह कर कर ठुकरा दिया गया था कि जितने विधायक भजन लाल ने मेरे तोड़े हैं उनको तो भजन लाल ने मंत्री बनाना था। (हंसी)

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** इतने तो न बनाते।

**श्री बीरेन्द्र सिंह :** जब मैं मंत्री बना उस वक्त 7 मंत्री बनाये गये थे। और मेरे को यह कहा गया था कि इससे ज्यादा मंत्री नहीं बढ़ाऊंगा। (विघ्न) मेरे कहने का मतलब यह है कि अगर हम ज्यादा मंत्री बनायेंगे तो हमारा काम ठीक प्रकार से नहीं हो सकता। यह टोप हैवी ऐडमिनिस्ट्रेशन दर्शायेगा। यदि ऐसा करने से बी०जे०पी० वाले आपका साथ छोड़ेंगे तो हम आपका साथ देंगे।

**श्री बंसी लाल :** भाईचारे में तो आपका साथ ले लेंगे लेकिन यहां हाऊस में आपके साथ की जरूरत नहीं है।

**श्री बीरेन्द्र सिंह :** अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात इसलिए कह रहा था क्योंकि मैं राजनीतिक बातों को अलग रखते हुए कुछ सुझाव रखना चाहता हूँ । (विघ्न) मुख्य मंत्री जी ने इतना बड़ा मन्त्री मण्डल बनाया है। हमारे यहां आई०ए०एस० ऑफिसर्ज़ का एक काडर है। वे अपनी पोस्टों को बढ़ाने के लिए पहले एक्स काडर पोस्ट तैयार करते हैं। (विघ्न) इस एक्स काडर पोस्ट के बन जाने पर उस पर किसी आई०ए०एस० अधिकारी की नियुक्ति कर दी जाती है और बाद में उस पोस्ट को काडराईज़ कर दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार एक-एक पोस्ट बढ़ते हुए आई०ए०एस० अधिकारियों की संख्या 236 या 220 तक जा पहुंची है। इतने हैवी टॉप एडमिनिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं है। जिन लोगों की जो जिम्मेदारी है वह आप उन्हें सौंपे। किसी आई०ए०एस० अधिकारी को हैड ऑफ डिपार्टमैंट लगा दिया किसी को किसी कारपोरेशन में लगा दिया और किसी को कहीं और नियुक्त कर दिया। इतने ब्यूरोक्रेटस की क्या जरूरत है? इनका काम करने का तरीका यह होता है कि जो नोट नीचे से बन कर चलता है उस पर इनका कोई कंट्रीब्यूशन नहीं होता केवल दस्तखत किए और फाईल आगे। अगर कहीं कोई फंसने की बात हो जाए तो इनका रिप्लाई यह होता है कि मैंने तो केवल दस्तखत किये हैं इस प्रकार की इनकी कोई रिस्पोंसिबिलिटी नहीं होती। अध्यक्ष महोदय, गलत या ठीक जो भी हो उसके लिए इनकी एक जिम्मेदारी होनी चाहिए और रिस्पोंसिबिलिटी होनी चाहिए। जिस भावना के तहत इन ब्यूरोक्रेट्स के पद क्रिएट किए गये हैं वह इसलिए हैं ताकि हरियाणा का विकास हो लेकिन यह सब अपने आप नहीं हो सकता है। इसके साथ ही साथ मैं एक और बात भी कहना चाहता हूँ कि हम लोगों ने इस ब्यूरोक्रेसी का राजनीतिकरण कर दिया है। यह चौटाला साहब का आदमी है, यह भजन लाल जी का आदमी है।

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

था यह उसका आदमी है। इस प्रकार हमने सरकारी अफसरों के अन्दर भी एक विभाजन कर दिया है कि यह फलां का आदमी है वह फलां का आदमी है। अध्यक्ष महोदय, हालत यहां तक पहुंची हुई है कि बड़े अधिकारी जो कि फाईनैंशियल कमिश्नर या सैक्रेटरी लैवल के अधिकारी हैं उनमें से ऐसे अधिकारी हैं जिनको अन-इम्पोर्टेंट पोस्ट पर बिठा दिया जाता है और एक ऐसा अधिकारी है कि उसको सब कुछ दे दिया जाता है और बड़े-बड़े डिपार्टमेंट उसको सौंप दिये जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह नहीं मानता कि अगर 20 फाईनैंशियल कमिश्नर रैंक के आफिसर्ज हैं उनमें से चार ऐफिशियेंट हो जाएं और 16 इनएफिशियेंट होंगे। हमें इस नज़रिये को बदलना होगा। हमारे हर उच्च अधिकारी को जहां पर वह लगा हुआ है वहां पर रखना पड़ेगा। हमें हर अधिकारी में यह विश्वास रखना होगा कि वह कम्पीटेंट है और जो काम उसे सौंपा गया है वह कर सकता है। हमने उनमें विभाजन कर रखा है इसलिए मैं यह बात कह रहा हूं। आपने पहले ही एजम्पशन की होती है कि किस को कहां पर कैसे लगाना है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और चीज़ का ज़िक्र करना चाहूंगा। पिछले सैशन में एक बात उठी थी और माननीय मुख्य मंत्री जी ने हाउस में यह आश्वासन दिया था कि सदन में पिछली बार जो इनका रवैया था उससे लगा था कि शायद कोई विकास का सही मुद्दा बनेगा। मुख्य मंत्री जी ने हाउस में आश्वासन दिया था कि खुर्शीद अहमद जी और चौधरी बीरेन्द्र जी ने जो सुझाव रखे हैं उनको ये मानते हैं। यहां पर माईन्ज़ और खानों के बारे में बात उठी थी तो इन्होंने यह आश्वासन दिया था कि इसके फैसले के लिए हाउस की एक कमेटी बनाएंगे और जो फैसला वह कमेटी करेगी उसके मुताबिक ही खानों के बारे में आगे फैसला करेंगे कि इनका निजीकरण करना है, मिनरल्ज़ कारपोरेशन को देना है, या और कोई मुनासिब इन्तजाम करना है या इनका ऑक्शन करना है। इस बारे जो कमेटी बनेगी तथा वह जो भी फैसला करेगी उसे लागू करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वह कमेटी बनी। मुझे अफसोस के साथ यह बात कहनी पड़ती है कि उसके जो सदस्य बने उनमें से बी०जे०पी० के मैम्बर बनाए गए जिनकी अपनी खानें काफी हैं। एक और इस हाउस के आनरेबल मैम्बर को उसका मैम्बर बनाया उसकी अपनी खानें हैं। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की कमेटी बनाने का क्या फायदा है जो कमेटी बनी थी उसको हरियाणा के हितों को ध्यान में रख कर कोई फैसला करना चाहिए परन्तु जिन लोगों के अपने हित इसमें इनवाल्वड हों क्या उनसे सही फैसले की तवक्को की जा सकती है ? इस प्रकार की कमेटी बनाने की क्या महत्ता रह जाती है ? इस तरह की कमेटियां मनमाने तरीके से फैसले करेंगी जिससे हरियाणा के हितों को कोई फायदा नहीं होगा। जबकि होना यह चाहिए कि जो भी कमेटी बने उसमें हर वर्ग के लोगों को साथ ले कर चलें और उन लोगों से मदद ले कर कोई फैसला लेना चाहिए। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ ही रिसोर्सिज मोबीलाईज़ेशन के लिए भी एक कमेटी बनी। चीफ सैक्रेटरी, एक्साईज़ एंड टैक्सेशन कमिश्नर, कमिश्नर एंड सैक्रेटरीज़ और फाईनैंशियल कमिश्नर्ज़ तो हर रोज़ फैसले लेते ही हैं। शराबबंदी के कारण 600 करोड़ रुपये का जो बर्डन स्टेट पर आया है उसको कैसे मीट विद करना है इस बारे में विचार करने के लिए कोई फैसला लेना था। अध्यक्ष महोदय, प्रोहिबिशन के बारे में चौधरी बंसी लाल जी से मैं एक बात दावे से कह सकता हूं कि आज वक्त ऐसा आ गया है कि आपको अपने फैसले बदलने पड़ेंगे। एक तरफ बी०जे०पी० कहेगी कि आक्ट्राय खत्म कर दो क्योंकि यह हमारे चुनावी मैनुफैस्टो में था और एक तरफ बादल सरकार किसानों को बिजली और पानी मुफ्त दे रही है। आज नगरपालिका के कर्मचारी हड़ताल करते हैं कि हमें ट्रेजरी से तनख्वाह मिलनी चाहिए। अगर हम आक्ट्राय खत्म कर देंगे तो पैसा कहां से मिलेगा। (घंटी)

**श्री अध्यक्ष** : बीरेन्द्र सिंह जी आपको बोलते हुए 20 मिनट हो गए हैं अब आप कन्कलूड करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : ठीक है सर, मैं जल्दी ही अपनी बात खत्म कर देता हूं। आज बंसी लाल जी आपको इस बात का निर्णय लेना पड़ेगा। आज हम क्या यह मान कर चलें कि हमारी वैल्फेयर स्टेट है या हम यह मान कर चलें कि हमारा पुलिस का महकमा है, हमारी कोई रिस्पोंसिबिलिटी नहीं है। अगर सरकार के पास साधन नहीं होंगे तो स्कूलज़ और हास्पिटल्ज़ कैसे चलेंगे ?

अध्यक्ष महोदय, शराबबंदी के बारे में यहां-पर लोगों ने चर्चाएं की। मैं शुरू से ही इसका पक्षधर हूं। यह जो माफिया की बात लोग करते हैं यह कोई छोटी मोटी चीज नहीं है। वे प्रचार करते हैं कि शराब खोल देनी चाहिए, इससे 3 हजार करोड़ का नुक्सान होता है और हमारा पैसा पड़ोसी स्टेट को जा रहा है। यह कोई बात नहीं है आपको इसकी इम्लीमैंटेशन में सख्ती बरतनी चाहिए। इसमें दो तरीके से कैपीटल पनिशमैंट देनी चाहिए। अगर कोई आदमी शराब की भट्ठी चलाते हुए पकड़ा जाए तो उसको कैपिटल पनिशमैंट देनी चाहिए। सर, मैं आपको एक बात बताता हूं। जब यह प्रोहिबिशन लागू हुई तो पुलिस ने एक आदमी को दो महीने में चार बार पकड़ा क्योंकि पुलिस को पता था कि वह शराब की भट्टी चलाता है। अध्यक्ष महोदय, जब उस आदमी को पांचवी बार पकड़ा गया तो वह आदमी पुलिस को शराब की भट्ठी के पास बैठा मिला और आपको मालूम नहीं कि उस आदमी ने पुलिस को क्या कहा। उसने कहा "चलूं जी"। अध्यक्ष महोदय, जब किसी आदमी को पुलिस का डर नहीं हो, उसे पता है कि जब मैं पकड़ा जाऊंगा तो जमानत हो जाएगी फिर उसे कोई चिन्ता नहीं और वह उस काम में लगा रहेगा। हमें इस ओर ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां चैकिंग कैसे होती है इस बारे में मैं आपको बताता हूँ। गन्नौर के पास एक थानेदार ने एक कार को हाथ दिया। उस कार के काले शीशे थे। वह थानेदार उस कार के शीशे को खटखटाने लगा। जब उस कार में से औरत ने कार का शीशा नीचे किया तो वह थानेदार कहने लगा कि मैं इतनी देर से शीशा खटखटा रहा हूँ मेरे हाथ दुख गए। आप सब बाहर आ जाओ। इस तरह की चैकिंग नहीं होनी चाहिए। चैकिंग तो माफिया की होनी चाहिए उनकी संख्या बहुत है। बंसी लाल जी कहते थे कि मैं सबको परमिट दूंगा, गैस और पैट्रोल पम्प दूंगा। अध्यक्ष महोदय, यह जरूरी नहीं है। आज लोग विदेशों में जा रहे हैं। गल्फ कंट्रीज में जा रहे हैं। अमरीकन कंट्रीज और यूरोप में जा रहे हैं। आज ऐसी कारपोरेशन बनायें जो मैन पावर एक्सपोर्ट कर सके। यह जो 250 आदमी माल्टा के अन्दर मारे गए, इस तरह की जो घटनाएं हैं, वे दोबारा से नहीं होने देनी चाहिएं। जो ये एजेन्ट आज जगह-2 बने बैठे हैं लोग दो दो लाख रुपये देकर, अपना सब कुछ बेचकर विदेश जाने के लिए इनको दे देते हैं। लेकिन अगर एक ऐसी कारपोरेशन बनायी जाए तो हरियाणा के हजारों बच्चों को बाहर जाने का मौका मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, बातें तो कहने को बहुत हैं लेकिन मैं एक बात और कहकर अपनी बात को खत्म करता हूँ। मेरी यह बात बिजली के प्राईवेटाइजेशन के बारे में है। मैं यह कहता हूँ कि आप कुछ कीजिए मगर कम से कम उसमें ट्रांसपेरैंसी जरूर रखें। पहले यहां बैठकर ये बात करते थे कि अगर सरकार कोई काम करेगी तो उसका सबको पता होगा। चाहे वह किसी विदेशी कम्पनी से समझौता करने की बात हो, कोई कंट्रैक्ट करने की बात हो या कोई सौदा करने की बात हो उसमें कम से कम हरियाणा के लोगों को तो पता होना ही चाहिए कि हमारे राज्य के अंदर यह बात होने जा रही है। अध्यक्ष महोदय, एक एक्ट आया जिसको ड्राफ्ट की संज्ञा दी गयी - The Haryana State Electricity Reforms Bill, 1996, Draft amended upto 18th of February, 1997. अध्यक्ष महोदय, मैं इस चीज का पक्षधर नहीं हूं कि बिजली का निजीकरण कर दिया जाए लेकिन मैं इस चीज का पक्षधर हूँ कि अगर सरकार के पास इसके अलावा और कोई हथियार हरियाणा के लोगों को बिजली देने के लिए नहीं बचता तो हमें कोई न कोई ढंग, कोई न कोई तरीका अख्तियार करना ही पड़ेगा और वह तरीका अख्तियार करने के लिए मैं यह चाहता हूं कि जो भी काम हों वह चोरी छिपे नहीं होने

[श्री वीरेन्द्र सिंह]
चाहिएं। हरियाणा की जनता को पता होना चाहिए कि अगर बिजली का निजीकरण होगा तो उसको कितनी दरों पर कितना कितना पैसा देना पड़ेगा और अगर बिजली का राष्ट्रीयकरण या निजीकरण नहीं होता तो राष्ट्रीयकरण की स्थिति में बिजली बोर्ड को कितना घाटा हो रहा है और इस घाटे के लिए जिम्मेदार कौन है? इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूँ कि इस मामले पर पूरी बहस के लिए हरियाणा सरकार एक बैकग्राउंड पेपर तैयार करे और सदन में उस पर चर्चा हो, टू दी पायंट चर्चा हो, एक एक शब्द पर चर्चा हो। इसके अलावा एक बैकग्राउंड पेपर हमारे जसवन्त सिंह भी तैयार करके सदस्यों को दें कि उनका इस बारे में क्या विचार है? इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहता हूं कि यह एक बड़ा भारी स्टेट से कंसर्नड मुद्दा है और इस पर चर्चा की आवश्यकता है। बिजली का निजीकरण हो या न हो। कम हो या ज्यादा हो, इस बारे में पूरी बहस सदन में होनी चाहिए। धन्यबाद। जयहिन्द।

**कृषि मन्त्री** (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर सदन में चर्चा हो रही है और सदन के सभी आदरणीय सदस्यों ने अपनी अपनी बातें आपके सम्मुख रखी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि आज से 18-19 साल पहले का क्या यह वही हरियाणा प्रदेश नहीं है जहां पर आज इस सदन में बैठे हुए हमारे विपक्ष के नेता एवं दूसरी अन्य विपक्षी पार्टीज के नेता जिनका पिछले दिनों इस हरियाणा में शासन था, किस तरीके से जात-पात की राजनीति इस प्रदेश के अंदर किया करते थे (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, उस समय हमारे विपक्ष के नेता एक जाति का नाम लेते थे तो दूसरे नेता दूसरी जाति का नाम लेकर हरियाणा की भोली भाली जनता को गुमराह किया करते थे। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, एक लम्बे अरसे के बाद इस हरियाणा की भोली भाली जनता ने हमारे पूर्वजों की उस बात को याद रखा जिसमें कहा गया था कि विचारों के रिश्ते खून के रिश्तों से अधिक गाढ़े होते हैं और इन विचारों के रिश्तों को ही मानते हुए हरियाणा की 36 बिरादरी के लोगों ने हरियाणा विकास पार्टी एवं भारतीय जनता पार्टी को इस हरियाणा प्रदेश की बागडोर सौंपी। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस बात के लिए हरियाणा की जनता को मुबारिकबाद देता हूँ कि इतने लम्बे अरसे के बाद इस हरियाणा में एक नये लोकतंत्र की शुरूआत हुई है। अभी विपक्षी सदस्य हमारी सरकार पर तरह-तरह के आरोप लगा रहे थे लेकिन इनको अपना समय याद नहीं। इनको अपना समय याद करना चाहिए। ओम प्रकाश चौटाला के राज में किस तरह के बयान स्वयं चौटाला साहब दिया करते थे। लोगों के सर शर्म से झुक जाया करते 15.00 बजे थे। मुख्यमंत्री होते हुए ओम प्रकाश चौटाला जी कहा करते थे कि मैं वो मुख्य मंत्री हूं जिसके डर से लाख डेढ़ लाख लोग रात भर करवटें बदल कर सोते हैं। बतौर मुख्यमंत्री हरियाणा प्रदेश की जनता के सामने इनके ऐसे बयानात आते थे। मेहम कांड, ग्रीन ब्रिग्रेड और नौजवान बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ इनके समय में हुआ करते थे। उपाध्यक्ष महोदय, आज इन्होंने इस सदन में कानून व्यवस्था के बारे में चिंता जताई है। आठ महीने इस सरकार को बने हुए हो चुके हैं इस आठ महीने के शासन काल में एक भी विद्यालय या कालेज के छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ का कोई दृष्टान्त ये दे दें। इनके शासन में छात्रों को राजनीति के लिए प्रेरित किया गया। किस तरीके से बसों में आग लगवाया करते थे, जमीनों पर कब्जे करवाया करते थे। हरियाणा के स्कूल और कॉलेज के छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ की एक भी बात हमारे विपक्षी साथी साबित करके दिखाएं। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के समय में मेहम में उपचुनाव हुआ जिसमें इस प्रदेश की सारे देश में कितनी बदनामी हुई। क्या-क्या घिनौने कृत्य इन्होंने किए। इसी तरह से चौधरी भजन लाल के राज में उनके अपने बेटे ने कालका से उपचुनाव लड़ा। उस चुनाव में उन्होंने सरकारी तन्त्र का खुल कर दुरुपयोग किया। उन्होंने

प्रजातंत्र की इतनी धज्जियां उड़ाई जिसमें हरियाणा की जनता का सिर शर्म से झुक जाता है लेकिन हमारे समय में झज्जर में जो उपचुनाव हुआ उसके बारे में मुझे खुशी है कि हमारे किसी विपक्षी साथी ने हम पर कोई इल्जाम नहीं लगाया क्योंकि हमने कोई ऐसा मौका ही नहीं दिया। हमारे विपक्षी साथी वोट मांगने गए। हमने झज्जर के वोटर्स से कोई जबरदस्ती नहीं की। कोई धांधली नहीं की। आज चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में हरियाणा की 36 बिरादरी के लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं और विपक्ष के लोग हमारे ऊपर झूठे इल्जाम लगाते हैं। आज हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी, मंत्री या हमारी पार्टी के सहयोगी सदस्य के खिलाफ कोई भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता। आज की हरियाणा सरकार प्रदेश में बदनाम नहीं हो सकती। आज हरियाणा की जनता चौधरी बंसी लाल जी, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में अपने आप को सुरक्षित महसूस करती है। इन्होंने शराब बंदी के बारे में इल्जाम लगाए। उपाध्यक्ष महोदय, ये चाहे कुछ भी कहें। विपक्ष के साथियों ने बार-बार कहा कि शराब बंदी फेल हो चुकी है अगर यह बात सही है तो मैं इनको दावत देता हूं कि ये हमें पकड़वाएं इनके साथ पुलिस भी जाने के लिए तैयार है हमारे मुख्यमंत्री जी ने ऐसे निर्देश भी दिए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** आप शराब बेचने की ही टाल कर दो तो हम नहीं कहेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री बंसी लाल :** टाल तो जब कर दें जब कोई बेचता हो, बेचने वाले तो आपके ही आदमी हैं। आप ज्यादा शोर मचाते हो कि स्मगलिंग होती है मुझे तो लगता है कि जो ज्यादा शोर मचाते हैं वही स्मगलिंग करवाते हैं। (शोर एवं विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** जो शराब बिकवाता है उसका नाम लूंगा तो आप कहेंगे कि वह इस हाउस में अपने आपको डिफैंड नहीं कर सकता। शराब आपका बेटा बिकवा रहा है, आपके भतीजे बिकवा रहे हैं। (शोर एवं विघ्न)

---

## वैयक्तिक स्पष्टीकरण-

**मुख्य मन्त्री, श्री बंसी लाल द्वारा**

**श्री बंसी लाल :** ऑन ए प्वायंट ऑफ पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन डिप्टी स्पीकर सर। यह जो इल्जाम इन्होंने मेरे बेटे और भतीजे के खिलाफ लगाए हैं ये बिल्कुल निराधार और असत्य हैं। हकीकत यह है कि इनके बेटे और भतीजे शराब बिकवा रहे हैं। (शोर एवं विघ्न)

---

## राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** इससे बड़ी हैरानी की बात और क्या होगी कि हम शराब बेच रहे हैं ये हमें पकड़वा नहीं पा रहे हैं। हमारे लोग शराब बिकवा रहे हैं और ये पकड़ नहीं सकते तो इस सरकार को लानत है। इस सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री सतपाल सांगवान :** चौटाला साहब यहां बैठने से कुछ नहीं होता, जाकर तो दिखाओ। मैं आपके साथ चलने को तैयार हूं। मैं सैन्ट्रल गवर्नमैंट का रिटायर्ड अफसर हूं।

**श्री उपाध्यक्ष** : सांगवान जी बैठिये।

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : उपाध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब शराबबंदी के बारे में सरकार की विफलता को फिर दोहरा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय,मैं इनको इस बात के लिए फिर चुनौती देता हूं कि ये इस बारे में कोई सबूत तो बतायें। ये अच्छी तरह से जानते हैं कि आज सारे देश के अन्दर जो शराब माफिया हैं और जो देशद्रोही हैं उनकी नजर हरियाणा प्रदेश पर लगी हुई है और ये इस शराब बंदी को विफल करने पर तुले हुए हैं। उन्हें अच्छी तरह से पता है कि अगर चौधरी बंसी लाल जी को शराबबंदी के नाम पर नाम मिला और वे कामयाब हो गये तो इनकी मुश्किल हो जायेगी। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और चौधरी भजन लाल ने पूरे देश के शराब माफिया से मिलकर यह अभियान रचा कि इस शराबबंदी को विफल किया जाये और इसके लिए अपने कार्यकर्ताओं से, अपने विधायकों के माध्यम से सारे हरियाणा प्रदेश में प्रचार करने में लगे रहते हैं कि यह सरकार शराब बंदी में विफल रही है। लेकिन इनके ऐसा करने से हमारी सरकार पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और इनके पार्टी के साथी बार-बार एस०वाई०एल० का जिक्र करते हैं कि एस०वाई०एल० का पानी नहीं मिला।जरा इनसे पूछिये कि ये अपने चाचा प्रकाश सिंह बादल के लिए पंजाब में वोट मांगने गये तो उन्होंने अपने मैनीफैस्टो में लिखा हुआ कि अगर उनकी सरकार आई तो वे हरियाणा को एक बूंद पानी भी नहीं जाने देंगे बल्कि एस०वाई०एल० में रेत भरवा देंगे। ये सिर्फ हरियाणा के लोगों को इस बारे में गुमराह कर रहे हैं। दूसरे मैं गन्ने के बारे में कहना चाहता हूं। माननीय साथियों ने तरह-तरह के सवाल उठाये कि गन्ने को प्रदेश में जलाया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के समय गन्ने की खराब स्थिति नहीं हुई यह बात मैं दावे के साथ कह सकता हूं। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी और भजन लाल जी गन्ने की बिगड़ी स्थिति को सुधार नहीं सकते थे। हमें तो अपनी सरकार पर फख्र है कि इतनी जयादा गन्ने की पैदावार होने के बाद भी प्रदेश में गन्ने की पिराई ठीक प्रकार से की जा रही है। (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : सिलाणी गांव में चिमनी और भट्ठों में गन्ने को जलाया जा रहा है।

**श्री उपाध्यक्ष** : बीच में न बोलें। (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : उपाध्यक्ष महोदय, यह अनर्गल बातें कर रहे हैं यह तो पिछले सदन की प्रोसिडिंग में है, यह तो रिकार्ड की बात है। विभाग के अफसर ने सिलाणी गांव में जाकर गन्ने को रातों रात उठाया। चिमनी और भट्ठों में 10 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से जलाया जा रहा है और फिर कहते हैं कि गन्ने का भाव ठीक मिल रहा है। हाऊस को गुमराह कर रहे हैं।

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : मैं समझता हूं कि इनको असत्य बोलना ही सिखाया जाता है, सच बोलना नहीं सिखाया जाता। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब को दावत देता हूँ कि सदन की कार्यवाही के बाद ये मेरी गाड़ी में बैठकर मेरे साथ चलें अगर इनकी बात सच हुई तो मैं हाऊस से इस्तीफा देने के लिए तैयार हूँ। (विघ्न)

**श्री वीरपाल सिंह** : मेरा प्वायंट आफ आर्डर है, सर। उपाध्यक्ष महोदय, कृषि मंत्री अपने जोरदार भाषण के द्वारा हाऊस को गुमराह कर रहे हैं। बौंडिंग से संबंधित बात मैंने कल भी की थी आज फिर दोहरा रहा हूँ।"पड़ता सिस्टम" के तहत बौंडिंग हुई है। कृषि मंत्री जी जवान हैं और भावुकता में यह कह गए कि इस्तीफा दे देंगे। आपको इस्तीफा देना पड़ेगा। इसलिए मैं नहीं चाहता कि आप वहां पर जाएं। यह सच्चाई है कि गन्ना भट्ठों पर डाला गया, उसकी पौरियां काट काट कर जिस तरह से गन्ने की बिजाई की जाती है, उसी तरह से इसको भट्ठों पर जलाने के लिए प्रयोग में लाया गया। (विघ्न) कुछ इलाके हैं, जहां पर गन्ना ज्यादा था और बौंडिंग नहीं हो पाई थी। (शोर)

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : उपाध्यक्ष महोदय, धीरपाल जी ने जो बात कही है वह गलत एवं असत्य है और मैं एक बार फिर दोहराता हूँ कि हरियाणा में न तो किसी किसान ने गन्ना जलाया और न ही गन्ना जलाने की हरियाणा में नौबत है। ये किसानों के बड़े हितैषी बनते हैं। इनको अपने दिन याद करने चाहिएं कि चौधरी देवी लाल जी के राज में तो सरकार ने यह हुक्म जारी किया था कि दूसरे प्रदेशों के किसानों से गन्ना लेकर पिड़ाई की जाएगी और यहां किसानों के खेतों में गन्ना खड़ा था।

**श्री कृष्ण लाल** : उपाध्यक्ष महोदय, 22-8-96 को हरियाणा कॉप्रेटिव शूगर मिल फैडरेशन की मुख्य मंत्री महोदय की अध्यक्षता में एक मीटिंग हुई थी जिसमें यह निर्णय लिया गया था कि चालू सीजन के बाद पानीपत शूगर मिल को बंद कर दिया जाएगा। इस संबंध में जो चिट्ठी जारी की गई है, उसको दबाकर रखा गया है। इस बारे में स्थिति स्पष्ट की जाए।

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : उपाध्यक्ष महोदय, हम ने अपने विभाग की समीक्षा की थी तथा शूगर मिल कंट्रोल बोर्ड के केन ग्रोवर्ज़ के बारे में चिंतन किया था। उसमें जो तथ्य सामने आए, उनके मुताबिक हमने 180 दिन मिल चलाने का फैसला प्रदेश के किसानों के हित में किया है जबकि इनके अपने समय में तो सिर्फ 150 दिन से ज्यादा मिल नहीं चलती थी।

**श्री कृष्ण लाल** : उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो यह पूछना चाहता हूँ कि क्या पानीपत शूगर मिल को इस सीजन के बाद बंद कर दिया जाएगा। क्या इस सिलसिले में किसानों को साउंड कर दिया जाए कि वे आगे गन्ना न बीजें। (विघ्न)

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि जो फैसले इस प्रदेश के किसानों के हित में लेने जरूरी होंगे वे इनकी सलाह से पहले ही हम लेने के लिए तैयार हैं, इनसे पूछने की जरूरत नहीं है। इनसे पूछने पर या इनसे सलाह लेने पर हम अगर कार्य करेंगे तो हालत वही हो जाएगी जो इनके राज में हुआ करती थी। (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : माननीय कृषि मंत्री ने अभी अभी यह कहा कि इनके राज में शूगर मिल नहीं चलतीं थीं। यह रिकार्ड की बात है कि वह प्राईवेट सरस्वती शूगर मिल भी जिसने इनको आंखें दिखाकर के अपनी मर्जी से गन्ने के भाव निर्धारित करने के लिए इनको मजबूर किया है, जुलाई तक चली थी और अन्य स्टेट की शूगर मिलें तो चलीं ही चलीं।

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : उपाध्यक्ष महोदय, मैं चौटाला साहब को बताना चाहता हूँ कि ये अपने बारे में न जाने क्या क्या ब्यान करते हैं। इस प्रदेश में किसी की भी हिम्मत नहीं जो बंसी लाल जी को आंख दिखा सके। ये आपको आंखें दिखाते होंगे। (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : आप अपनी स्टेटमैंट पढ़ें जिसमें यह कहा था कि शूगर मिल कंट्रोल बोर्ड की मीटिंग में गन्ने का दाम 76 रु०, 78 रु०, व 80 रु० तय हुआ था और उसके साथ ही आपने यह भी कहा था कि सरस्वती शूगर मिल के मैनेजिंग डायरैक्टर रणजीत पुरी ने इस पर आपत्ति व्यक्त की थी। इसी ब्यान में यह बात भी दर्ज हुई है कि अगर प्राईवेट शुगर मिल वाले स्थगन के आदेश ले आएंगे तो हम इसके लिए मजबूर हो जाएंगे। आज तक 65 वर्ष हो गये तथा चौधरी बंसी लाल जी भी स्वयं गवाह हैं। इस अर्से में प्राईवेट शूगर मिलों की मंशा से कभी भी किसानों के गन्ने के भाव तय नहीं किये गये। यह पहला अवसर नहीं है, यह दूसरा अवसर है। इससे पहले जब चौ० बंसी लाल जी मुख्यमंत्री थे तो इन्होंने गन्ने का भाव 15 रु० से घटाकर 7.50 रु० कर दिया था। उस समय किसानों ने आंदोलन चलाया था तो सरकार ने उनके ऊपर ठंडे पानी के फव्वारे चला दिए थे तथा घोड़े दौड़ा दिए थे और इस सरकार को किसानों की हितैषी सरकार कहा जाता है?

## वैयक्तिक स्पष्टीकरण -

**मुख्य मंत्री, श्री बंसी लाल द्वारा**

**श्री बंसी लाल :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूँ। ओम प्रकाश चौटाला साहब तो गोयबल्ज के सिद्धांतों पर चलते हैं जो कहते थे कि एक झूठ को सौ बार बोलने से वह सच हो जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, ये ढीठ हैं, इनको कितनी बार कह लो, लेकिन बकरी की वही तीन टांग। (हंसी) **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** इनकी बात का किसी के पास कोई जवाब नहीं है। मैं तो यह कहता हूँ कि मेरे शासनकाल में ऐसा कभी नहीं हुआ। न हमने कभी प्राईवेट शूगर मिल वालों की कोई परवाह की और न ही उनसे कभी प्रभावित हो कर कोई फैसला किया।

## राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** आपके राज में गन्ने का भाव पहले से कम हुआ या नहीं।

**श्री बंसी लाल :** पिछले साल से गन्ने का भाव मेरे राज में कम नहीं हुआ।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आप गन्ने के भाव के बारे में रिकार्ड मंगवा कर देख लें। मुख्य मंत्री महोदय आन दि फलोर ऑफ दि हाउस असत्य बोल रहे हैं। आप रिकार्ड मंगवा कर स्वयं देख लें। आपके मुख्य मंत्री बनने के बाद पहले साल की निस्बत गन्ने के दाम घटे हैं। आप अपनी उसी पुरानी रिवायत को निभाने जा रहे हैं।

**श्री बंसी लाल :** अगर भारत सरकार ने गन्ने का भाव कम किया होगा तो किया होगा मुझे इस समय इतनी पुरानी बात याद नहीं है। मैं रिकार्ड मंगवा कर आपको दिखा दूंगा। रिकार्ड देख कर आपको बता देंगे कि क्या बात है। हमारे अड़ौस-पड़ौस के जो प्रदेश हैं उनसे भी रिकार्ड ला देंगे कि हमने उनसे गन्ने का भाव कम दिया या ज्यादा दिया।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** चौधरी साहब यह बात आप भारत सरकार पर डाल रहे हैं। भारत सरकार के निर्णय के बाद उत्तर प्रदेश की सरकार ने एक रैजोल्यूशन पास करके केन्द्रीय सरकार को मजबूर कर दिया और कह दिया कि हमारे प्रदेश के गन्ने का भाव हम खुद तय करेंगे इसलिए उन्हें इस बारे में पाबंद न किया जाए। अगर आप किसानों के हितैषी हैं तो आप भी ऐसा कर सकते हैं।

**श्री बंसी लाल :** अध्यक्ष महोदय, किसानों के हितैषी ये हैं। इनके राज में किसानों ने अपना गन्ना खेतों में जलाया था। ये किसानों के ऐसे हमदर्द हैं।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, हमारे राज में किसानों ने बहुत मौज लूटी थी।

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला साहब, आप इस तरह से इन्ट्रपट न करें। आप कृपा करके बैठ जाएं।

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** अध्यक्ष महोदय, सारा सदन देख रहा था कि हमने इनकी बातें बड़े आराम से सुनी हैं। ये जानते हैं कि चौधरी बंसी लाल जो राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर पेश हुए धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस का जवाब देंगे इसलिए इस तरह करके ये वाक आउट करने का बहाना बना रहे हैं।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** हम सदन से वाक आउट करके नहीं जाएंगे।

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : तो फिर आप आराम से हमारी बातें सुनें। अध्यक्ष महोदय, ये किसानों के हितैषी बनते हैं इन्होंने हरियाणा प्रदेश में जो बीज बोए उनके बारे में आप अच्छी तरह से जानते हैं। इनके किए हुए गलत कामों के कारण आज की सरकार जूझ रही है। इन किसानों के हितैषियों ने अपने राज के समय में पहली दफा एक नई प्रथा कायम की कि हरियाणा के किसानों के गन्ने की पिड़ाई हो या न हो लेकिन जहां से इनका बेटा चुनाव लड़ता है राजस्थान में, जहां से **** चुनाव लड़ते हैं या पंजाब में जहां पर इनके चाचा जी मुख्य मंत्री बने हुए हैं, उनके किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए .....

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

**श्री अध्यक्ष** : आप अपना प्वायंट ऑफ आर्डर बताएं क्या है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, जो आदमी इस हाउस का सदस्य नहीं है क्या उसका नाम ले कर हाउस में चर्चा की जा सकती है।

**श्री बंसी लाल** : चाचा तो कहा जा सकता है। नाम तो नहीं लिया जा सकता लेकिन चाचा तो कहा जा सकता है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : मंत्री जी ने **** का नाम लिया है।

**श्री बंसी लाल** : यह चौटाला किसी का भतीजा है ही नहीं इसलिए इसका चाचा कौन होगा।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : मंत्री जी ने *** का नाम लिया है। चाचा तो मेरा मनी राम गोदारा है।

**श्री बंसी लाल** : मनी राम गोदारा तो तेरा बाप है। देखो यह बाप को चाचा कह रहा है। देखो इसकी अक्ल मारी गई। पूरे हाउस में सदन के सामने गलत बात कह रहा है।

**श्री अध्यक्ष** : चौधरी देवी लाल जी का नाम एक्सपंज कर दिया जाए।

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : अध्यक्ष महोदय, मैंने उनके बारे में कोई बुरी बात नहीं कही। इनके शासनकाल में हरियाणा के किसानों का गन्ना खेतों में खड़ा रह जाता था और ये कुर्सी पर बैठ कर आदेश जारी करते थे कि हरियाणा के किसानों का गन्ना चाहे खेतों में खड़ा रह जाए लेकिन दूसरे प्रदेशों के किसानों के गन्ने की पिड़ाई हरियाणा के शूगर मिलों में होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय मुझे बताने की जरूरत नहीं है जब इनका अपना राज होता था उस समय ये हरियाणा के हवाई जहाज को ले कर, हरियाणा के धन को ले कर, हरियाणा की ताकत को ले कर अपनी राजनैतिक शक्ति बढ़ाने के लिए अपने परिवार की राजनैतिक शक्ति बढ़ाने के लिए प्रदेश के पैसे के साथ बहुत गलत तरीके से खिलवाड़ करते थे। फिर भी ये लोग हरियाणा के हितैषी बनते हैं। पूरे हिन्दुस्तान में हमारी सरकार हरियाणा के किसानों को गन्ने का भाव सबसे ज्यादा दे रही है फिर भी ये हमारी आलोचना करते हैं।

**श्री जय सिंह राणा** : स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से कहना चाहूंगा और पूछना भी चाहूंगा कि करनाल में पिकाडली एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटिड के नाम से एक शूगर मिल है।

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठिये।

**श्री जय सिंह राणा** : स्पीकर साहब, आप मेरा प्वायंट आफ आर्डर तो सुनिये।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया

**श्री अध्यक्ष** : आपका प्वायंट आफ आर्डर क्या है ?

**श्री जय सिंह राणा** : मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि पिकाडली नाम की जो मिल है वह 62 रुपये दे रही है। (विघ्न)

**श्री अध्यक्ष** : यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

**श्री जय सिंह राणा** : स्पीकर साहब * * *

**श्री अध्यक्ष** : जो ये कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

**श्री रमेश कुमार** : सरकार कह रही है कि हम 80, 78, 76 रुपया गन्ने का भाव किसानों को दे रहे हैं जबकि से ोपत में आज भी किसानों को 52 रुपया मिल रहा है।

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठिये। यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

**श्री जय सिंह राणा** : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनिये। मैं कोई गलत बात नहीं कर रहा।

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठिये।

**श्री कर्ण सिंह दलाल** : अध्यक्ष महोदय हमारे कृषि विभाग के अधिकारियों ने दिन रात मेहनत करके किसानों के सारे गन्ने को पिरवाने की व्यवस्था की है। मैं अपने सभी अधिकारियों को मुबारिकबाद देता हूँ कि उन्होंने सही तरीके से किसानों के गन्ने की पिराई की व्यवस्था की है। जो किसानों में गन्ना न पिरे जाने का डर बना हुआ था, उसको खत्म किया है। अतः मैं अपने अधिकारियों को पुनः धन्यबाद करते हुए अपना स्थान लेता हूँ।

**श्री बंता राम** (रादौर, अनुसूचित जाति) : स्पीकर साहब, मैं महा महिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अपने विचार प्रकट करने के लिए खड़ा हुआ हूँ। मैं अपनी बात कहते हुए किसी जातिवाद में जाना नहीं चाहता। मैं अपने हल्के से संबंधित बातें कहना चाहूंगा और जो बातें यहां पर कही जा चुकी हैं उनको दोहराऊंगा भी नहीं। मेरे हल्के रादौर में जो सरकारी हस्पताल है, उस वक्त जो स्वास्थ्य मंत्री महोदया थीं उन्होंने, उसको मैं शब्द इस्तेमाल नहीं करना चाहता लेकिन क्या करूं, एक तरह से उस हस्पताल को बूचड़खाना सा बना दिया था। वहां पर जो अच्छा डाक्टर था उसको भी परेशान किया, उसको इतना परेशान किया गया कि उसे अपना अलग से हस्पताल खोलना पड़ा। उसको तो जाति-विशेष के नाम से तंग किया गया था। हलका रादौर में 50 परिवार मोहमडन के रहते हैं। वे जमना का पानी आने से हर साल उजड़ते हैं। उनके बारे में मैंने जिला प्रशासन को और डिविसिज कमेटी में कई बार कहा है कि ये हर साल उजड़ रहे हैं इसलिए इनको कोई स्थाई स्थान दिया जाए ताकि ये हर साल उजड़ने से बच जायें लेकिन इस तरफ आज तक न तो प्रशासन ने और न ही सरकार ने कोई ध्यान दिया है। मेरे हल्के में एक गांव ऐसा है जिसमें आज तक सड़क नहीं पहुंची है। मेरे हल्के में गुड्डा-गुड्डी एक ऐसा गांव है जिसमें बारिश के दिनों में 10-10 फुट पानी खड़ा हो जाता है। उसमें जाने के लिए कोई रास्ता नहीं रह जाता। इस बजह से उनके मेहमान भी 7-8 महीने तक वहां पर आ नहीं पाते। इसी प्रकार से मेरे वहां पर एक 66 के०वी० का सब स्टेशन बनाया जाना था वह अभी तक नहीं बना है। मेरी सरकार से मांग है कि इसको जल्दी से जल्दी बनाया जाये। इसके पूरा होने से 50-60 गांवों को फायदा हो सकता

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया

है। अब मैं अपने शिक्षा मंत्री जी से कुछ कहना चाहूंगा। ये बड़ा अच्छा लच्छेदार भाषण दे देते हैं। सुबह मेरे एक सवाल के जवाब में इन्होंने कहा कि संघोर गांव में 3000 की आबादी है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि वहां पर 3 हजार नहीं बल्कि 6-7 हजार की आबादी है। निर्मल सिंह जी को भी उस गांव की आबादी के बारे में अच्छी तरह से पता है। मैं अपने शिक्षा मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं।(विघ्न) स्पीकर सर, मैं अपने एरिया की एक-एक सड़क गिना सकता हूँ जहां पर कोई काम नहीं हुआ है। कहीं पर सड़कों की मुरम्मत नाम की कोई चीज़ नहीं है और सारी की सारी सड़कें ठप्प पड़ी हैं। भ्रष्टाचार और रिश्वत का हर तरफ बोलबाला है फर्क सिर्फ इतना है कि रिश्वत के तौर तरीके बदल गये हैं। पहले शुक्राना और नज़राना होता था लेकिन अब ज़बराना भी होता है। हर तरफ रिश्वत और भ्रष्टाचार का बोलबाला है सिर्फ इसके तौर तरीके और नाम बदल गये हैं। आज करप्शन और भ्रष्टाचार चरमसीमा पर है तथा सेवा और इन्साफ नाम की कहीं कोई चीज़ नहीं है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर हाउस में भी सही तौर तरीके नहीं हैं। यहां पर हाउस में बैठे हुए सभी सम्मानित सदस्य अपनी बात कहने आए हैं। हरेक सम्मानित साथी को अपनी बात कहने का अधिकार है लेकिन जिस प्रकार से दूसरे साथियों पर हमले करके उन पर इल्जाम लगाए जाते हैं यह ठीक बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सभी साथियों से अनुरोध करता हूँ कि कम से कम सभी का मान-सम्मान करना सीखें। एक दो मन्त्रियों का तो ठीक नहीं है उनकी शायद यह आदत बन चुकी है कि हर आदमी पर उन्होंने कटाक्ष कसना ही कसना है। स्पीकर सर, सभी को सभ्य तरीके से अपने हल्के की बात कहनी चाहिए अपनी जनता की बात कहनी चाहिए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं किसी माननीय मंत्री का नाम नहीं लेना चाहता। (घण्टी) हम यहां पर अपने लोगों की बात कहने के लिए आते हैं कोई भेड़ें चराने के लिए नहीं आए हैं। हम लोग सवा लाख लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि हैं और उनके अधिकारों की बात यहां पर उठाने के लिए आये हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि इस ओर सभी को ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने बड़े ही नाटकीय ढंग से अपनी बात कही। अध्यक्ष महोदय, यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है और जग ज़ाहिर हो चुकी है। पहले वाले तौर तरीके वैसे ही चल रहे हैं सिर्फ स्थान बदल गये हैं और नाम तथा ढंग बदल गये हैं किसी से कुछ भी छिपा हुआ नहीं है सारी बातें जग जाहिर हो चुकी हैं और सबके सामने हैं। अगर मौका मिलेगा तो फिर बता देंगे और खुल कर दंगल में आ जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मुझे इतनी ही बात कहनी थी। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। उसके लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूँ।

**खाद्य तथा पूर्ति मन्त्री (श्री गणेशी लाल)** : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं । यहां पर महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है और मैं भी अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। स्पीकर साहब, इस अभिभाषण पर कल से चर्चा चल रही है विपक्ष के माननीय साथी भी इस पर बोले हैं। इस अभिभाषण में घुमा-फिराकर बात शराब बन्दी पर आ जाती है। बार-बार इस सम्मानित हाउस में शराब बन्दी पर चर्चा चली है और जैसे कि पिछले सत्र में शराब बन्दी का मुद्दा पूरे सदन में छाया रहा था कुछ वैसे ही इस बार भी शराब बन्दी का मुद्दा इस सैशन में भी छाया हुआ है। मैडिकल ऐसोसियेशन ऑफ ऑक्सफोर्ड के अध्यक्ष ऑक्लैड ने एक बार कहा था कि अगर शराब पैदा न हुई होती तो दुनिया में अपराधों की संख्या आलमोस्ट नगण्य होती और गरीबी की मौत हो गई होती। अध्यक्ष महोदय, जर्मनी की राजधानी म्यूनिख है (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : स्पीकर साहब, जर्मनी की राजधानी म्यूनिख नहीं बल्कि बर्लिन है।

**प्रो० गणेशी लाल** : अध्यक्ष महोदय, मुझे ठीक करने के लिए इनका धन्यवाद। मैं जानता हूं कि जर्मनी की राजधानी बर्लिन है लेकिन वास्तव में जर्मनी की राजधानी की बात नहीं करना चाह रहा था। मैं कैपिटल ऑफ दि बीयर वर्ल्ड कहना चाहता था कि म्युनिख बीयर वर्ल्ड की कैपिटल है। अर्थात मेरे कहने का मतलब यह है कि हरियाणा के अन्दर इसलिए हमने शराब बन्दी की (विघ्न) चौटाला साहब मेरे कहने का मतलब यह है कि जो शीशे के महलों में रहते हैं उनको कम से कम झोपड़ियों में पत्थर नहीं मारने चाहिए। False accusation to the lowest cbb is unbecoming of the leader of the opposition and that too of a former Chief Minister. मेरे कहने का मतलब यह था कि जो फालुस एक्यूजैशन है यह कांऊटर एक्यूजैशन है। इसकी आवश्यकता नहीं है। जैसे कि वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि यह सरकार चल रही है कोई भी सरकार डिवैल्पमैंट के काम तभी कर सकती है जिस सरकार के अन्दर ट्रांसपैरेंसी हो, जिस सरकार के अन्दर ईमानदारी हो, जिस सरकार के अन्दर इन-क्रपटेबिलिटी हो। लोकपाल का बिल इस बात का सबूत है। पंजाब के गवर्नर के अभिभाषण के ऊपर हमने सभी सम्मानित सदस्यों को लेकर एक कांसैंसिस बनाया और यह सबकी सहमति से बात चली। प्लाटस के बारे में जो डिस्क्रीशन था वह भी इस सरकार ने खत्म किया है। यहां तक कि खुलेआम कर पंचायतों का प्रावधान किया गया है। आज जो टैण्डर खोले जाते हैं वे सबके बीच में खोले जाते हैं। उसके पश्चात् जो भी सबसे कम रेट्स पर सामान दे सकता है उससे सामान लिया जाता है। कम्प्यूटाईजेशन एस०एस०एस० बोर्ड का हो या एच०पी०एस०सी० का हो, मैं समझता हूँ कि यह एग्जामपलरी प्रूफस हैं। यह सरकार ट्रांसपेरेंट है, ईमानदार है, इनक्रपटिबल है। अभी हमारे विपक्ष के सम्मानित सदस्य ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने शुरू में पहले दिन सदन के अन्दर कहा था कि मैं सबको कान्फीडैंस में लेकर चलूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूँ कि इस बारे में काफी प्रमाण हैं। इन्होंने यह भी कहा कि यह सरकार बी०जे०पी० के कन्धों पर चलती है। कोई भी सरकार चाहे वह बी०जे०पी० की हो, एच०वी०पी० की हो या मिली जुली सरकार हो वह किसी के कन्धों पर नहीं चलती है। वह इन्सानियत के आधार पर, शराफत, ईमानदारी और भ्रष्टाचार से दूर हो तथा जो लोगों का विश्वास प्राप्त कर सके उसके आधार पर चलती है। मुझे नहीं मालूम कि इन्होंने किस प्रकार मूंगेरी लाल के हसीन सपने की भांति यह बात सोची थी कि बी०जे०पी० के लोग अगर आपका समर्थन नहीं करें तो हम उधर जम्प मार कर आने के लिए तैयार हैं। तो अध्यक्ष महोदय, ये कैसे लार टपकाते हैं। अभी कल तक जो लोग किसी के दामन को तार तार किए बैठे थे आज उनके पल्लू में मुंह छिपाए बैठे हैं, इल्जाम हम पर लगाते हैं, कातिल खुद बने बैठे हैं। ये इस प्रकार की बातें करते हैं। दिल मानता नहीं है, रोष है, आक्रोश है उनके प्रति और हलाकू तथा चंगेज खा के शब्दों का भी खुर्शीद भाई ने पिछले सदन में इस्तेमाल किया था इस सदन के एक नेता के लिए। अध्यक्ष महोदय, दिल मानता नहीं है लेकिन फिर भी दिल ही तो है। फिर जाकर वहीं बैठ जाते हैं। इस प्रकार से यह जो सारी अव्यवस्था है, जो हरियाणा सरकार के अन्दर था किसी भी राज्य के अन्दर जब इस प्रकार का संकट उपस्थित होता है तो लोग अपने सिद्धान्तों को छोड़कर सिद्धान्तों की बलि चढ़ाकर पाला बदलने की बात करते हैं।

**श्री बीरेन्द्र सिंह** : अध्यक्ष महोदय, मैं तो कहीं पर भी दामन नहीं छुपा कर बैठा हूँ। मैं पहले भी कांग्रेस में था और आज भी कांग्रेस में हूँ। नेता बेता तो कोई आज आ गया और कल चला जाएगा। आज कोई बन गया तो कल कोई बन जाएगा। बात यह नहीं है बात तो यह है कि मुझे इनसे कोई एश्योरैंस मिल जाए कि ये साथ निभाएंगे। तो मैं चौटाला साहब को बता दूंगा कि आप भाजपा वालों का इंतजार नहीं करना। (हंसी)

**श्री राम बिलास शर्मा** : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी अपनी गईआं ने नहीं रो रहे ये तो जेठ की रईया ने रो रहे हैं। (हंसी)

**श्री गणेशी लाल** : मैं आपके सामने निवेदन कर रहा था कि शराब बंदी से पहले जो तीन हजार दो सौ करोड़ रुपए की शराब हरियाणा के लोग एक वर्ष में पीते थे आज वे नहीं पीते हैं। आज हमने लगभग 10 लाख बोतलों को पकड़ा है। यह बात सच है कि कोई ट्रक में शराब लेकर आया तो कोई गाड़ी में शराब लेकर आया। हमने प्रशासन की मुस्तादी के कारण वह शराब पकड़ी है। हरियाणा के अन्दर जो शराब मुक्त बनाने का अभियान है उसके अन्दर विपक्ष के नेता, दूसरे एम० एल० ए० सब के सब मंत्री इसमें शामिल हैं। स्ट्रीयरिंग कमेटी के बीच में शामिल हैं। नीचे के वार्ड लैवल पर डिस्ट्रिक्ट लैवल पर जो समितियां बनाई हुई हैं उसमें हर प्रकार के लोगों का सहयोग लेकर ही यह सब कुछ हुआ है। एक बार जब मैं प्रैस से घिरा हुआ था, जब मैंने उनसे पूछा तो उन्होंने कहा कि अभी शराब बंदी ठीक से नहीं हुई है। मैंने उनसे पूछा कि फर्ज करो हमने 10 लाख बोतलें पकड़ी हैं तो आपके ख्याल से कितनी और बोतलें निकल गई होंगी। कितनी बोतलें हमारे से खिसक कर निकल गई होंगी और पब्लिक तक पहुंच गई होंगी। उन्होंने कहा कि 20 से 50 लाख तक निकल गई होंगी। मैंने उनसे कहा कि आप एक करोड़ कहो। अगर एक करोड़ बोतल भी खिसक गई होंगी जो हमने नहीं पकड़ी होंगी तो पहले हरियाणा में 14 करोड़ 57 लाख बोतलें पी जाती थीं अगर ये एक करोड़ भी निकल गई तो लगभग 14वां हिस्सा अर्थात सात परसैंट निकलने की बात है यानी 93 परसैंट सफलता प्राप्त होती है जिसको हम 85 परसैंट कह रहे हैं। अगर दो करोड़ बोतल निकलती है तब जाकर 85 परसैंट बैठता है। अभी इस बात को सुनकर तो आप कह सकते हैं कि नहीं नहीं साहब, 13 करोड़ 57 लाख नहीं बल्कि हरियाणा में 26 करोड़ 57 लाख बोतल आनी प्रारंभ हो गयी है। यह काम सबके सहयोग से ही संभव है और मैं समझता हूं कि फाल्स ऐक्यूजैशन का कोई लाभ नहीं है। आपसे मेरा सिर्फ इतना ही निवेदन है कि हमें इसमें आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है।

**डॉ० बीरेन्द्र पाल अहलावत** : सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। बोतलज तो शायद 13 करोड़ ही आती होंगी लेकिन थैली तो 50 करोड़ आने लग गयी होंगी।

**श्री अध्यक्ष** : यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। आप समय बर्बाद न करें।

**श्री गणेशी लाल** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने निवेदन कर रहा था कि इस तरह से मेरी प्रैस से बातें हुई। यह सच है। इसको हम मानते हैं और प्रैस भी लिखता है कि एक महिला ने अपने पेट के ऊपर शराब के पोचिज लगाकर निकाले हैं। मंदिर का जो दरवाजा होता है उसके पीछे भी बोतल छुपाकर रखी गयी हैं। इसके अलावा मोटर साईकिल की टंकी के अंदर भी बोतलज छुपाकर रखी गयी हैं। जो घास काटने वाली महिला होती है उसके घास के गट्ठर में भी बोतलें पायी गयी हैं। स्पीकर साहब, प्रशासन अगर इतना मुश्तैद नहीं होता तो इन बोतलों का जो लाने का स्टाइल है उसको हम कैसे पकड़ पाते। लेकिन कुछ स्मगलिंग भी पिछले दिनों हुई है परन्तु हमने इसको रोकने के लिए पूरे का पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया है। एक एक जिले के अंदर दस मोबाइल वैंज चैकिंग के लिए रखी हैं। अभी कुछ देर पहले हमारे विपक्ष के एक सम्मानित सदस्य बोल रहे थे और वे एक पर्टीकुलर बैन का नम्बर भी बता रहे थे कि वे ऐसा करते हैं वैसा करते हैं लेकिन हमने उसके लिए भी लिखा है और हम आगे भी रेड करेंगे अर्थात् कोई भी आदमी हमने छोड़ा नहीं है। चाहे कोई ए०एस०आई० हो, एस०एच०ओ० हो या पुलिस का कांस्टेबल हो यानी चाहे कोई भी आदमी हो, चाहे कोई भी उद्योगपति हो, अगर किसी ने

[श्री गणेशी लाल]

उसके बारे में कोई शिकायत की है तो हम रेड कर रहे हैं और हमने पुलिस के कांस्टेबल एवं पुलिस के अधिकारी भी अरेस्ट किए हैं। अध्यक्ष महोदय, चाहे कोई भी आदमी क्यों न हो हमने उन सबको पकड़कर अंदर किया है। कल विपक्ष के सम्मानित हमारे नेता बोलते हुए कह रहे थे कि केवल 70 केसिज में सजा हुई है जबकि ऐसी बात नहीं है। 913 केसिज डिसाइड हुए हैं जिनमें से 901 को सजा हुई है। यह सच है कि अभी जजिज ने इसको इतनी गंभीरता से नहीं लिया है।

**श्री बंसी लाल :** आप यह बात चौटाला साहब को भी बता दो।

**श्री गणेशी लाल :** मैं सदन को बताना चाहूंगा कि 913 केसिज डिसाइड हुए हैं और 901 लोगों को उसमें कंविक्शन हुई है। लेकिन एक बात के बारे में मैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह के स्वर में स्वर मिलाना चाहता हूं कि हमारे जो जजिज हैं उन्होंने ऐसे केसिज में जिस हिसाब से सजा देनी चाहिए थी वह अभी तक नहीं दी है। जिस प्रकार से उन्होंने कहा है कि there is a devil in every drop of grapes. जहां शैतान नहीं पहुंचता वहां शराब पहुंचती है। उसको समाप्त करने के लिए उन्होंने जो प्रावधान बताया है उसके बारे में हम इस सदन के पटल पर विचार करने जा रहे हैं। हम इस बारे में एक बिल लाने जा रहे हैं। उसका उन्होंने भी जिक्र किया है वह क्लाज 72 है, 78 है, 79 है एवं 68 है। इनको भी हम विधानसभा के पटल पर लाकर विचार करने जा रहे हैं। जिस प्रकार से इन्होंने एक बात कही है तो आप सबकी सहमति से हम उस क्लाज को लाकर इस बुराई को दूर करने का प्रयास करने जा रहे हैं। स्पीकर सर, 13111 हमने चालान पेश किए हैं और 1.25 हजार सैम्पल टैस्ट हुए।

**श्री बीरेन्द्र सिंह :** स्पीकर सर, मैं इनसे पूछना चाह रहा था कि 3 हजार केसिज की यह जो बात कर रहे हैं इसके बारे में कहना चाहूंगा कि जो लोग शराब का धंधा करते हैं वे शराब अपने नौकर से पकड़वाते हैं और धंधा खुद करते हैं। ऐसे कई इंस्टांसिज सामने आये हैं। स्पीकर सर, जब तक असली लोगों को नहीं पकड़ा जाएगा तो नौकरों को पकड़ने से क्या होगा।

**श्री गणेशी लाल :** स्पीकर साहब, ये बिल्कुल ठीक कहते हैं। मैं इनकी बात से बिल्कुल सहमत हूं। हमारा पूरा शिकंजा कसने का इरादा है। जहां से यह इन्फलक्स होता है और जो यह शराब सप्लाई करता है तो इस माफिया ग्रुप को पकड़ने का हमारा विशेष प्रयास है। हमारा जो राजस्थान के साथ सटा हुआ हिस्सा है या जैसे हिसार का हिस्सा है वहां पर भी हमने एक स्पेशल सुपरिंटैंडेन्ट ऑफ पुलिस, प्रोहिबिशन की पोस्ट बनाने का इरादा किया है ताकि मोबाइल वैन चैकिंग के माध्यम से इस एरिया की कार्डोनिंग की जाए। लेकिन अध्यक्ष महोदय, जैसा कि हम सब जानते हैं कि इसमें हमें आप सभी के सहयोग की अति आवश्यकता है। इसके साथ साथ जो विकास का कारण है और जो शराबबंदी है जिसके कारण मैं समझता हूं कि गरीबी की मौत और समृद्धि के जन्म का नाम शराबबंदी है। इसी के साथ साथ विकास की सीमा का जिक्र भी इस अभिभाषण में आया है और जिसके बारे में यहां पर काफी चर्चा भी हो चुकी है इसलिए मैं इस समय की कमी को देखते हुए यह फिर से दोहराना नहीं चाहता। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि बिजली के जिस प्राईवेटाइजेशन का जिक्र यहां पर हुआ था। चाहे आप उसको रिस्ट्रक्चरिंग कहिए चाहे आप उसे रैनोवेशन कहिए, चाहे आप उसे मोडरनाइजेशन कहिए या फिर चाहे आप उसे इम्प्रूवमैंट कहिए या फिर चाहे आप उसको लिब्रेलाइजेशन कहिए। 6 वर्षों से लगातार इस देश की केन्द्रीय सरकार उदारीकरण की बात पर चल रही है। इसलिए इस बारे में कांग्रेस के लोगों को तो किसी प्रकार से कोई व्यवधान इसमें नहीं डालना चाहिए। वे बड़ी दबी जुबान में बोल रहे थे कि हम प्राईवेटाइजेशन के सम्पूर्ण खिलाफ नहीं है। वे भी कह रहे थे कि बिजली की सप्लाई करने के लिए कोई

न कोई प्रावधान तो बनाना ही चाहिए। हम बिजली के प्राइवेटाइजेशन के खिलाफ नहीं हैं। मेरे कहने का मतलब यह है कि वर्ल्ड इज वन ओफ नोवल थौट्स हमारे पास चाहे किसी दिशा में से आएं। महात्मा गांधी जी ने कहा था कि हमारे दरवाजे और खिड़कियां खुले हैं लेकिन इतना ध्यान में रखिए कि अपने राष्ट्र का संगीत उसकी जीवन सुगंध को हम पांव से कहीं उखेड़ कर न चले जाएं।

आज बिजली की जो कमी है उसके बारे में मैं बता सकता हूं कि जो सी०ई०ए० है उसके मुताबिक मैक्सिमम डिस्ट्रीब्यूशन के अंदर जो लौसिज होने चाहिएं वह 7 परसैंट है और 1995-96 के हिसाब से डिस्ट्रीब्यूशन के अंदर 21 डेसीमल 37 है इस प्रकार का डिस्ट्रीब्यूशन के अंदर सिस्टम में लौस है और यह टू दि ट्यून ऑफ 688 करोड़ है। यह केवल डिस्ट्रीब्यूशन के माध्यम से हो रहा है। लेकिन हमारा यह कहना है कि अगर यह सब लौसिज न भी होते जैसा कि बीरेन्द्र सिंह जी ने कल कहा था कि आपके लौसिज के कारण यह नुकसान हो रहा है आप बिजली सप्लाई नहीं कर रहे हैं इसलिए प्राइवेट कर देंगे क्या ? प्राइवेट का यह कंसैप्ट नहीं है कि हम हरियाणा को हाईजैक करके अमेरिका या इंगलैंड के अंदर ले जाने वाले हैं। गोरे लोग आकर बिजली बोर्ड या प्राइवेट कंपनी बनाकर पूरे हरियाणा में ..... (शोर एवं विघ्न)

**डॉ० बीरेन्द्र पाल अहलावत :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अभी मंत्री महोदय बता रहे थे कि हम इसका निजीकरण किस लिए करना चाहते हैं ? करप्शन को रोकने के लिए या लाइन लौसिज को रोकने के लिए, उस प्राइवेट ऐजेन्सी के पास क्या पावर्ज होंगी ?

**श्री अध्यक्ष :** यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। आप बैठ जाइए।

**श्री गणेशी लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं सम्मानित सदस्यों को यह निवेदन करना चाहता हूं कि अमेरिका रिचैस्ट कंट्री होने के बावजूद भी क्या भारत का इंटैलैक्चुअल ब्रेन वहां नहीं है क्या वहां यहां के डॉक्टर नहीं हैं, इंजीनियर नहीं हैं, क्या दुनिया के अंदर हम वर्ल्ड ट्रेड करना बंद कर दें क्या भारत अपने आप में कूप-मंडूक के समान यहां बैठ जाए। हमको केवल यहां पर इतनी चिंता करनी पड़ेगी कि बाहर से जो कोई भी यहां पर आएगा, वैसे बाहर तो देने का प्रश्न भी नहीं है। अगर किसी को देते भी हैं तो उसमें मेरी शर्त यह होगी इसमें हमने बड़ा क्लीयर किया है कि कोई टैरिफ के अंदर इन्क्रीज नहीं होगा, किसान की सबसिडी कम नहीं की जाएगी, किसी मुलाजिम को टर्मिनेट या रिट्रैंच नहीं किया जाएगा। पूरा ढांचा बिगड़ा हुआ है, अगर यह सब कुछ न भी होता, अगर कोई लौसिज न भी होते तो क्या फिर भी हरियाणा की टैक्नोलौजी को सुंदर बनाने के लिए वर्ल्ड की टैक्नोलौजी को निमंत्रण न देते। क्या उसमें सुधार करना, उसमें इम्प्रूमैंट करना कोई अपराध है क्या ? अगर वह प्राइवेटाइजेशन है जिसके खिलाफ आप बोल रहे हैं तो उस प्राइवेटाइजेशन के हम हक में हैं और 100 प्रतिशत हक में हैं। उसी से हरियाणा के हर किसान को 24 घंटे बिजली देने की जो बात है उसमें हम सक्षम होंगे। चौटाला साहब विपक्ष के सम्मानित नेता है कह रहे थे कि चार जर्बे 110 के जो प्लान्ट 118 भेगावाट के बनाने हैं उस पर इतना पैसा खर्च करने वाले हैं। क्या वे ये भूल गये कि 4 प्लांटों के अंदर जिनका प्लान्ट लोड फैक्टर 30 प्रतिशत है उसको हम 80 परसैंट करना चाहते हैं। उन चारों प्लान्टों के अंदर तब इतना खर्चा लगने वाला है। मेरे कहने का मतलब यह है कि अधकचरे तथ्यों के आधार पर मैं समझता हूं कि ऐक्यूजेशंस करना सदन की गरिमा को घटाना है। डिवैलपमैंट के नाम पर हरियाणा के हर किसान के प्रति, कंज्यूमर के प्रति सरकार वचन बद्ध है। इस प्रदेश का जो भी कर्मचारी है फिफ्थ पे कमीशन जैसे ही आएगा इसे तुरंत लागू करना। इन सब कार्यों के प्रति सरकार प्रतिबद्ध है। मैं समझता हूं कि महामहिम ने जो इस सदन में अभिभाषण दिया है उसका सभी लोग स्वागत करके उसे पास करेंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

**राव नरेन्द्र सिंह** (अटेली) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया। हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबन्धन सरकार के चौ महीनों के शासन पर नजर डालने से पता चलता है कि जिन उपलब्धियों का और कानून व्यवस्था का विस्तार से वर्णन किया गया है मैं समझता हूं कि वे ठीक मुकाम पर पहुंच नहीं पायी हैं। हम रोजाना अखबारों में पढ़ते हैं कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर कहीं बम विस्फोट, कहीं बलात्कार, कहीं डकैती जैसी घटनायें रोजाना देखने को मिलती हैं। मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह कोशिश करे कि इस प्रकार की घटनायें कम से कम हो सकें। पुलिस विभाग जोकि हमारा रक्षक होता है अगर वही विभाग हमारा भक्षक बन जाये तो हमें इंसाफ मिलने की उम्मीद नहीं है। अध्यक्ष महोदय, एक फरवरी को मेरे हल्के अटेली के थानेदार ने एक किसान के 14 वर्षीय बेटे सुखराम को नाजायज तौर पर थाने में बुलाया और उस पर शराब की तस्करी का आरोप लगाकर उसे थाने में बन्द कर दिया और उसके साथ जबरदस्ती कुकर्म किया गया। यह कितने शर्म की बात है। जब मैंने इस बारे में उपायुक्त नारनौल को शिकायत की तो उपायुक्त नारनौल ने मेरे से कहा कि क्या यह आपकी व्यक्तिगत शिकायत है, क्योंकि अगर उस थानेदार को अरैस्ट करते हैं तो उसके साथ यह बड़ी भारी ज्यादती हो जायेगी। मैं नहीं समझ पाया कि एक रक्षक जोकि रक्षा करने के लिए होता है किसी बालक को बुलाकर इस तरह का गलत काम कर सकता है। इसके लिए सरकार को सख्त कार्यवाही करनी चाहिए। इसके साथ ही साथ शराब बन्दी के बारे में सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि हमने तो पहले अधिवेशन में जब आपने मुझे बोलने का समय दिया था उस वक्त 22 मई को भी हमने आपका समर्थन किया था। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मुझे डर है कि कहीं हरियाणा भी गुजरात न बन जाये। क्योंकि मुझे वह हालात नजर आ रहे हैं कि हरियाणा भी गुजरात बनता जा रहा है। शराबबंदी की घोषणा के बाद हरियाणा के अन्दर एक नया शब्द और जोड़ दिया गया है और वह है "होम डिलीवरी" यह शब्द हरियाणा में पहले नहीं मिलता था। आज हर व्यक्ति बाहर से आकर हरियाणा के अन्दर हंस कर पूछता है कि आपकी 'होम डिलीवरी' की क्या पोजीशन है। जो व्यक्ति शराब का सेवन करता है उसको आसानी से शराब उपलब्ध हो जाती है। मुख्यमंत्री जी की नियत साफ है और वे कोशिश भी कर रहे हैं। परन्तु कुछ तो उनकी पार्टी के लोग और कुछ अधिकारियों की वजह से मैं समझता हूं कि उनको इस बारे में पूरा सहयोग नहीं मिल रहा है। हमने तो पहले भी हर अच्छे काम के लिए सकारात्मक सहयोग दिया है और आगे भी अच्छे काम के लिए हम सरकार को सहयोग देते रहेंगे। (विघ्न)

**श्री अध्यक्ष** : आप जल्दी कंक्लयूड करिये।

**राव नरेन्द्र सिंह** : अध्यक्ष महोदय, आपको मालूम ही है कि गांवों में पार्टीबाजी होती है, कोई सरपंच का आदमी होता है कोई दूसरी पार्टी का वे आपस में बैर भाव निकालने के लिए डी०सी० और एस०पी० को शिकायत कर देते हैं कि फलां आदमी शराब बेचता है। जो लोग ऐसी शिकायत करते हैं उनको चाहिये कि वे इस बारे एफिडेविट दें और जो दोषी पाये जायें उनके खिलाफ कार्यवाही की जाये। अगर एफिडेविट झूठे पाये जाते हैं तो एफिडेविट देने वाले के खिलाफ कार्यवाही की जाये। (विघ्न)

**श्री अध्यक्ष** : आप एक मिनट में कंक्लूड करिये।

**राव नरेन्द्र सिंह** : अध्यक्ष महोदय, यह तो मेरे साथ नाइंसाफी होगी क्योंकि और सदस्यों को तो काफी समय दिया गया है। शराब बंदी के कारण एक नई बात हुई है और वह यह कि एक माफिया ग्रुप बन गया है। इसके बारे में मैं कहना चाहता हूं कि राजस्थान का बार्डर हमारे इलाके नारनौल से लगता

है और उधर लौहारू का इलाका मुख्यमंत्री जी के इलाके से लगता है। एस०पी० नारनौल की कार के ऊपर माफिया ग्रुप ने हमला किया। यह माफिया ग्रुप इतना शक्तिशाली बन गया है कि रोजाना लाखों रुपया कमा रहा है और एक किसान के बेटे को राजस्थान से एक पीच लाते हुये पकड़ लेते हैं और थाने बंद किया जाता है और जो लोग ट्रक के ट्रक का धन्धा कर रहे हैं और भारी मात्रा में शराब की तस्करी कर रहे हैं उनके खिलाफ सरकार कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। सरकार को चाहिये कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये। विकास के मामले में मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि (घंटी) हरियाणा में विकास का काम इन नौ महीनों में ठप्प सा हो गया है कोई विकास कार्य शुरू ही नहीं किया है। अगर कोई काम शुरू था तो वह पूरा नहीं हो पाया है। नहर के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि हमारे जिले में पानी का प्रबन्ध कीजिए। मुख्यमंत्री जी को चाहिए कि वे हर हालत में हमारे किसानों के लिए पानी का प्रबन्ध करें ताकि उनको समय पर पानी उपलब्ध हो सके। अध्यक्ष महदोय, बहुत सारी बातें जो जिला महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी के बारे में हैं, मैं बताना चाहता था। वहां पर पानी का स्लैब बढ़ाने की आवश्यकता है। क्योंकि पानी गहरा होने की वजह से वहां के किसानों को काफी दिक्कतें आ रही हैं। कृपया इस समस्या का समाधान करवाएं। धन्यवाद।

**स्थानीय शासन मंत्री** (डॉ० कमला वर्मा) : अध्यक्ष महोदय, कल से महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है और इस चर्चा में विपक्षी दलों ने बड़े बड़े आलोचनात्मक विचार रखे जो कि तथ्यों से परे थे और सत्ता पक्ष के मेरे साथियों ने उनकी सत्यता को सामने रखकर वास्तविकता का प्रदर्शन किया है। मैं तो केवल मात्र विपक्षी नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला की बात के विषय में बोलना चाहती हूं।उन्होंने कहा है कि सफाई कर्मचारियों के साथ अन्याय किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं चौटाला साहब को आपके माध्यम से बताना चाहती हूं कि जब हमारी सरकार ने टेक ओवर किया था तो उस वक्त दोष किसका था, जानने का यत्न करें। पिछली सरकार ने जो देनदारियां हमारे सिर पर छोड़ी थीं, उसके कारण कर्मचारियों में कुछ रोष जरूर था। पिछली सरकार ने जनवरी, 96 से कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया था।सेलरी की बात विशेष रूप से कही गई। इस बारे में मैं बताना चाहती हूं कि केवल दिसम्बर, 1995 तक उनको वेतन दिया गया था। वेतन के अतिरिक्त, पैंशन, ग्रेच्युटी आदि की 7 करोड़ 28 लाख रुपये की देनदारी बाकी होने के कारण कर्मचारियों में थोड़ा रोष होना स्वाभाविक ही था। कुछ कमेटियां कमजोर थीं, वहां पर कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलता था लेकिन हमारी सरकार ने जब टेक ओवर किया उस वक्त हमने उनके साथ 5-6 मीटिंग की। यह कहना कि कर्मचारियों का ध्यान नहीं रखा है यह एक गलत बात है। मैं कहना चाहती हूं कि दूसरे जो भी मुख्यमंत्री रहे हैं उन सभी ने कर्मचारियों पर जो अत्याचार किए हैं मैं उनको कहना नहीं चाहती । (विघ्न) कर्मचारियों को बहकावे में लाने वाले ये ही लोग थे क्योंकि जब भी मैंने मीटिंग की, उनकी एक ही मांग थी कि हमें सरकारी खजाने से वेतन मिलना चाहिए।कांस्टीटयूशन की धारा 74 में अमैंडमैंट के बाद लोकल सैल्फ गवर्नमैंट और पंचायतों को स्वायत्तता प्रदान की गई । उस वक्त उनको खजाने से तनख्वाह नहीं दी जा सकती थी लेकिन उनकी एक ही मांग खजाने से तनख्वाह देने की थी। 5 मीटिंग होने के बाद भी वे नहीं माने और फिर उन्होंने "जेल भरो आन्दोलन" शुरू कर दिया। उस वक्त उनको कौन बहका रहा था। ये कांग्रेस और सजपा के लोग ही थे जो उनकी रैलियों में भाषण देते थे, उनको भड़काते थे कि किसी भी हालत में हड़ताल को बंद नहीं करना। (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत अफसोस है कि बहिन जी ने जो आरोप लगाया है वह बिल्कुल निराधार है।ये एक जिम्मेवार पद पर बैठी हुई ऐसी बात कह रही हैं, एक अच्छी

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]
बात नहीं है। कर्मचारियों के आंदोलन तो बंसी लाल जी के दिये हुए आश्वासन से ही शुरू हुये। (विघ्न) उसके लिए मेरी पार्टी के किसी भी सदस्य ने अगर कर्मचारियों को किसी भी प्रकार से प्रोवोकेट किया हो तो बताओ। ऐसी अनर्गल बात बिना वजह कहने से कोई फायदा नहीं है। (शोर)

**डॉ० कमला वर्मा :** लेकिन एक बात आपको माननी पड़ेगी कि आप सब कर्मचारियों के धरनों तक जाकर भाषण देते रहे । आपने शूगर मिल के कर्मचारियों को भी भड़काया है।(विघ्न) परन्तु वहां भी आपको सफलता नहीं मिली।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, बी०जे०पी० और हरियाणा विकास पार्टी के पदाधिकारी थे, जो हड़ताल पर बैठे थे।

**श्री सतनारायण लाठर :** मैं श्री ओम प्रकाश चौटाला जी से आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि क्या केवल वही एक सदस्य रह गए हैं जो बोल रहे हैं। (हंसी)

**डॉ० कमला वर्मा :** अध्यक्ष महोदय, फिर भी हमने उन कर्मचारियों पर अत्याचार नहीं किए जो कि आंदोलन की राह पर चल पड़े थे और जेलें भरने के लिए तैयार थे। वे जब जेलों में गए तो भी मुख्यमंत्री महोदय, ने सारी जगहों पर यह फैक्स करवाया कि उनको वहां पर पूरी सुविधाएं मिलनी चाहिएं उनको कोई तकलीफ नहीं होनी चाहिए। मैं अपने विरोधी पक्ष के भाईयों से पूछना चाहूंगी कि मंडल आयोग की रिपोर्ट के बारे में जो एजीटेशन हुआ था, उसमें कुरूक्षेत्र और सोनीपत में बसें किसने जलवाई थीं। अम्बाला के इन्शयोरैंस कम्पनी के दफ्तरों को किसने जलवाया था ? मुझे यह बात कहते हुए बड़ा दुख हो रहा है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** उस समय आप उस सरकार में भागीदार थीं।

**डॉ० कमला वर्मा :** अध्यक्ष महोदय, हमने किसी कर्मचारी को तंग नहीं किया और न हमने कर्मचारियों को उत्तेजित होने दिया। शान्तिपूर्वक आन्दोलन चला। जब चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री थे उस समय उन्होंने मीसिंग, कादमां और नारनौंद के अन्दर आन्दोलनकारियों पर गोलियां चलवाई थीं। कहीं पर एक आदमी मरा, कहीं पर चार मरे और कहीं पर पांच आदमी मरे लेकिन नगरपालिका कर्मचारियों का जो आन्दोलन हुआ उसमें ऐसी कोई घटना नहीं घटी और न ही कर्मचारियों के साथ किसी प्रकार का कोई अन्याय किया गया। हमने आन्दोलन के मध्य 17-1-97 को फिर मीटिंग बुलाई। उस मीटिंग में हमने कर्मचारियों के नेताओं को जेलों से बुला कर इकट्ठा किया और उस मीटिंग में चीफ सैक्रेटरी, रोहतक में कमिश्नर, स्थानीय शासन कमिश्नर, और मेरे विभाग में काम करने वाले ऑफिसर्ज इंचार्ज भी थे। उस मीटिंग में हमने कर्मचारियों से एक ही बात कही थी कि नगरपालिका कर्मचारियों को ट्रेजरी के माध्यम से तो वेतन नहीं मिलेगा, परन्तु एक समाधान हो सकता है। कोआप्रेटिव बैंक में नगरपालिका की सारी आय का पैसा जमा होगा और सबसे पहले आपको सेलरी दी जाएगी। हमने उनको यह भी कहा कि एक रिवोलविंग फण्ड बनाया जाएगा जिसमें 5-6 करोड़ रुपया जमा होगा। अध्यक्ष महोदय, हमारी 25 नगरपालिकाएं ऐसी हैं जिनके पास आय के साधन नहीं हैं। उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है। वे नगरपालिकाएं अपने कर्मचारियों को समय पर वेतन ही नहीं दे सकती हैं लेकिन फिर भी मैंने कर्मचारियों को यह विश्वास दिलाया कि आपको हर महीने की 7 तारीख को वेतन जरूर मिलेगा। वेतन देना किसी कर्मचारी को कोई खैरात नहीं है यह उनका हक है। जब वे एक महीना काम करते हैं

तो उनको समय पर वेतन भी जरूर मिलना चाहिए। सी०एम० साहब से मैंने 5 करोड़ रुपया लिया। कुछ नगर सुधार मंडलों से उधार लिया, कुल 9 करोड़ था, पिछली सरकार ने जिसने जनवरी से सितम्बर तक वेतन दिया जिनको पेंशन नहीं दी गई थी, जिनको ग्रेच्यूटी नहीं दी गई थी जिनका प्रोविडैंट फण्ड जमा नहीं करवाया गया था उसके लिए वह धन प्रयोग किया। उन कर्मचारियों की 15-15 साल से सर्विस बुक ठीक नहीं थीं, उनकी ए०सी०आर०नहीं लिखी हुई थी हमने उनकी ए०सी०आर० लिखवाई और उनकी सर्विस बुक ठीक करवाई तथा उनकी सीनियोरिटी तय की ताकि उन कर्मचारियों के मन में यह बात न रहे कि उनकी पूछ करने वाला कोई नहीं है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेताओं को आशाएं थीं और सोच रहे थे कि अगर नगरपालिका कर्मचारियों का आन्दोलन लम्बा चल बड़ा तो फिर बिजली बोर्ड में हड़ताल करवाएंगे, ट्रांस्पोर्ट विभाग में हड़ताल करवाएंगे लेकिन उनके सारे मनसूबे फेल हो गये। जब नगरपालिका कर्मचारियों ने यह बात मान ली कि हम ट्रेजरी के माध्यम से तनखाह नहीं लेंगे। उन्हें तो कोआप्रेटिव बैंक हर महीने तनखाह दे दे, उसके बाद उनका आन्दोलन खत्म हो गया। चौटाला साहब हम आपकी तरह यह नहीं कर सकते कि कोई उंगली करेगा तो उसका हाथ काट देंगे कोई आंख दिखाएगा तो उसकी आंख निकलवा देंगे और रात को सोते हुए भी चौटाला के नाम से आदमी का दिल नहीं धड़का तो चौटाला कैसा हुआ। हमारे मन में ऐसी भावना नहीं है। हम उन गरीब कर्मचारियों के दर्द को समझते हैं। मैंने उनकी मांगों के बारे में आदरणीय मुख्यमंत्री जी से विचार किया। उसके बाद सी०एम० साहब ने कहा कि यह अधिकार मैं आपको देता हूं कि आप उनके साथ बातचीत करके फैसला कर दें। मैंने उनके साथ बात करके फैसला कर दिया। वे कर्मचारी मेरी बात को मान गए। कांग्रेस व सजपा पार्टी वालों को इस बात का बड़ा दुख हुआ।

**श्रीमती करतार देवी** : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। बहन जी बार बार कांग्रेस पार्टी का नाम ले रही हैं। यह बात ठीक है कि कर्मचारी हड़ताल पर गए और उन्हें जेलों में डाला गया। उनमें महिलाएं कर्मचारी थीं उनके साथ सख्त व्यवहार किया गया तो उनके प्रति हमने अपनी मीटिंग में भले ही सहानुभूति व्यक्त की हो लेकिन उस आन्दोलन में कांग्रेस पार्टी के किसी आदमी का हाथ नहीं था। बल्कि बी०जे०पी० के मजदूर संघ ने अपना प्रभुत्व जमाने के लिए उन्हें उकसाया।

**श्री अध्यक्ष** : यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। बहन जी, आप बैठ जाएं।

**डॉ० कमला वर्मा** : हमारा उन कर्मचारियों के साथ समझौता हुआ है। (विघ्न)

**श्रीमती करतार देवी** : स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिये। (विघ्न) मैं तो केवल इतना
16.00 बजे जानना चाहती हूं कि जिनको नौकरी से निकाला था उन्हें वापिस लिया जाएगा या नहीं ?

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठिये।

**डॉ० कमला वर्मा** : हमने उन सबको वापस ले लिया है।

**श्रीमती करतार देवी** : स्पीकर साहब, हमने उनको नहीं भड़काया।

**श्री अध्यक्ष** : आप मेरे कहने के बावजूद भी बंद नहीं हो रहीं। आप बहुत पुरानी इस हाउस की सदस्या हैं। आपको पता होना चाहिए कि जब स्पीकर खड़ा हो तो उस वक्त तो आपको बैठ जाना चाहिए।

डॉ० कमला वर्मा : सरकार ने इन आठ महीनों में इन कर्मचारियों का प्रोविडेंट फण्ड जमा कराया है और उनकी पास बुकें बनवाई हैं। पैंशन चैक द्वारा कोआप्रेटिव बैंक से दी है। 715 जो कर्मचारी डेलीबेजिज पर लगाये गए हैं उनको रेगुलर किया है। ड्राईवर को और फायरमैन को वर्दी दी है। सफाई कर्मचारियों को हम 70 रुपया महीना अलग से दे रहे हैं। इसी प्रकार से महिला कर्मचारियों को जो सफाई का काम करती थीं, उनके बच्चे स्कूल में समय पर जायें इसलिए उनको डियूटी पर एक घंटे की छूट दी है। उनकी डियूटी का समय 7.00 बजे की बजाये 8.00 बजे किया है ताकि वे अपने बच्चों को स्कूल में समय पर भेज सकें। नगरपालिका सफाई कर्मचारी को स्पेशल पे 115 रुपये दी जाती है जबकि दूसरे विभागों में सफाई करने वाले कर्मचारियों को 65 रुपये स्पेशल पे मिलती है। स्कूटर अलांउस भी 150 रुपया महीना दिया है। यह सब सुविधाएं इस सरकार ने दी हैं, इतनी सुविधाओं के मिलने के बाद इन कर्मचारियों ने अपना आंदोलन समाप्त किया है। मैं अपने विभाग के अधिकारियों को और नए भर्ती हुए सफाई कर्मचारियों को बधाई देना चाहती हूं कि इतने अधिक कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के बावजूद सफाई का काम ठीक प्रकार से रखा, वे इसके लिए बधाई के पात्र हैं। मैं विपक्ष को बताना चाहती हूं कि यह सरकार अपने कर्मचारियों को अपने परिवार का एक अंग मानती है। ऐडमिनिस्ट्रेशन को चलाने के लिए यह सरकार हर प्रकार की हरेक के साथ सहानुभूति रखती है। इनको अपने मन में कोई शंका नहीं रखनी चाहिए कि यह सरकार कर्मचारियों का ध्यान नहीं रखती। इन शब्दों के साथ मैं अपनी बात खत्म करती हूं, धन्यवाद।

**शिक्षा मंत्री** (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले आपको इस बात की बधाई देता हूं कि आपने 33 सदस्यों में से 13 को बोलने का मौका दिया और हमारे 57 में से 11 सदस्यों को बुलवाया। आपने विपक्ष को अधिक मौका दिया, इसके लिए मैं आपका पुनः धन्यवाद करता हूं और आपको मुबारकबाद देता हूं। यह 9 महीने की पुरानी सरकार है यह सरकार चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में और भारतीय जनता पार्टी और विकास पार्टी के सहयोग से बनी सरकार है। ओम प्रकाश चौटला जी विपक्ष के नेता हैं। राजनीति परिवर्तनशील है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने बोलते हुए एक अच्छी टिप्पणी की कि चौधरी बंसी लाल जी पहले वाले बंसी लाल नहीं रहे। यह उन्होंने सही कहा। जिस वक्त चौधरी बंसी लाल पहले मुख्य मंत्री थे उस वक्त वे 40 साल की आयु में मुख्यमंत्री बने थे और उन्होंने हिन्दुस्तान की राजनीति में 30 साल के अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। जय प्रकाश नारायण जी ने कहा था कि आदमी परिवर्तनों से बहुत कुछ सीखता है। पहले बंसी लाल कांग्रेस के बंसी लाल थे जबकि आज ये विकास पार्टी और बी०जे०पी० के बंसी लाल हैं। ओम प्रकाश चौटला बुजुर्ग हैं। मैं उनको एक सलाह देता हूं कि आदमी को समय के साथ और अपने व्यवहार को समय के साथ बदलना चाहिए। मैं इनको कहूंगा कि यदि इन्होंने कुछ सीखना है तो ये बंसी लाल जी से सीखें। किसी को ऊंच नीच कहने से या डर दिखाने से कोई आदमी बड़ा नहीं हो जाता। 23 साल से जिस कांग्रेस के साथ चौधरी बंसी लाल जी थे, उनको पूरी तरह से परखे बिना केवल कुछ मुद्दों के बिनाह पर अलग कर दिया। इनके टेलेंट को परखा नहीं गया। उस आदमी ने अलग होने पर अपनी मेहनत से एक नई पार्टी बनाकर गांव-गांव में घूम कर जन भावना से जनसमर्थन जोड़ा है। इन्होंने भारतीय जनता पार्टी को अनावश्यक दोष दे दिया। भारतीय जनता पार्टी के बारे में साथियों ने कह दिया क्योंकि उनके पास कहने के लिए और कोई मुद्दा ही नहीं था। भारतीय जनता पार्टी के बारे में किसी बात पर आलोचना ही नहीं की जा सकती। अध्यक्ष महोदय, 1977 में हम केन्द्रीय सरकार में शामिल हुए और मैं इस बात का चश्मदीद गवाह हूं। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी ने लोक नायक जय प्रकाश की उपस्थिति में यह शब्द कहे थे कि हम दीपक को

गंगा में विसर्जित करने के बाद ही इसमें शामिल हो रहे हैं और वापिस लौट कर जाने का हमारा कोई ईरादा नहीं है। बहुत सोच-समझ कर हम उसमें शामिल हुए थे किसी ने जबरदस्ती हमें मजबूर नहीं किया था। उसी वक्त इन्हीं के माननीय नेताओं ने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी को अलग करना ऐतिहासिक मजबूरी है। अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी का हमेशा जोड़ने का इतिहास रहा है टूटने का अगर इतिहास रहा है तो वह कांग्रेस का रहा है हमारा इतिहास टूटने का नहीं रहा है। कांग्रेस का इतिहास तो भ्रष्टाचार का इतिहास रहा है। भारतीय जनता पार्टी का हिन्दुस्तान में एक संगठन है इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने का इतिहास रहा है। हम अपने बलबूते पर खड़े हैं। कांग्रेस को जनता से मार पड़ी है जनता जनार्दन ने पांच नदियों के प्रदेश दोआबा अमृतसर से ले कर पटना तक कांग्रेस को साफ कर दिया है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भैरों सिंह शेखावत और बंसी लाल द्वारा किसी एम०एल०ए० को गिरफ्तार करने की बात कह रहे थे। भैरों सिंह शेखावत की सरकार का जिक्र कर रहे थे। श्री भैरों सिंह शेखावत अपने हृदय का आपरेशन करवाने के लिए क्वीन्जलैण्ड गए हुए थे। स्पीकर सर, ये सब लोग मिल कर दिल्ली से वहां पर उनकी पीठ में छुरा घोंपने के लिए पहुंचे। अध्यक्ष महोदय, शायद इन्हें यह अहसास नहीं था कि इस देश की मालिक जनता है और भारतीय जनता पार्टी जनता की पार्टी है उसकी जड़ें जनता में हैं राजस्थान की जनता भैरों सिंह शेखावत के साथ है। वे इनके रहमों कर्म से वहां पर मुख्य मंत्री नहीं बने हैं। जिस वक्त भैरों सिंह शेखावत के विरुद्ध माहौल पैदा करने की कोशिश की गई उस वक्त उनके साथ 108 विधायक थे लेकिन उसके बाद उनके साथ 111 विधायक हैं यानि उनकी संख्या बढ़ी है। ये लोग भारतीय जनता पार्टी की बात करते हैं। अध्यक्ष महोदय, एक छोटी सी बात को ये कहते हैं कि 6 दिसम्बर, 1992 में उत्तर प्रदेश में अयोध्या में जो हुआ है वह एक कलंक था। अध्यक्ष महोदय, उस वक्त भारतीय जनता पार्टी के 227 विधायक और कल्याण सिंह मुख्य मंत्री थे, हिमाचल प्रदेश में शान्ता कुमार मुख्य मंत्री थे, भैरों सिंह शेखावत राजस्थान में मुख्य मंत्री थे और मध्य प्रदेश में सुन्दर लाल पटवा मुख्य मंत्री थे। दिसम्बर, 1992 में ये चार सरकारें भंग कर दी गई। उस वक्त हिमाचल में कड़ाके की ठण्ड पड़ रही थी लेकिन इन चार सरकारों के टूटने पर किसी को जुकाम तक नहीं हुआ (विघ्न)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला** : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। माननीय मंत्री जिसे छोटी सी घटना बता रहे हैं वह हिन्दुस्तान के माथे पर एक कलंक था।

**श्री अध्यक्ष** : यह कोई प्वांयट ऑफ आर्डर नहीं है इसलिए आप बैठें (विघ्न एवं शोर) यह कोई प्वांयट ऑफ आर्डर नहीं है इसलिए इस पर कोई डिस्कशन की जरूरत नहीं है, आप सभी लोग अपनी-अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न)

**श्री राम बिलास शर्मा** : अध्यक्ष महोदय, रणदीप जी कह कहे थे कि ये अलग-अलग विचारों की पार्टियां हैं, इनके अलग-अलग मुद्दे और अलग-अलग नज़रिये हैं, इनको अपना चश्मा बदलने की जरूरत है। प्रदेश की जनता इस बात को अच्छी तरह से जानती है कि हम दो जिस्म एक जान हैं। अध्यक्ष महोदय, जादू वह है जो सिर चढ़ कर बोलता है। भारतीय जनता पार्टी की चार राज्यों में सरकारें थीं और उन चार सरकारों को गिराने का मन्ज़र भारत की जनता ने अपनी आंखों से देखा है। अध्यक्ष महोदय, जो पार्टी संविधान की दुहाई देती नहीं थकती उसने किस प्रकार चार प्रान्तों की सरकारें गिराई। क्या इनकी सरकार का वह गैर कानूनी काम नहीं था। भारत की जनता नर सिंह राव और भैरों सिंह शेखावत में अन्तर को जानती है। (विघ्न) उत्तर प्रदेश में किसी तथ्य को हमने छिपाया नहीं। अध्यक्ष महोदय, गंगा जमुना के किनारे इस बात को जानते हैं, हिन्दुस्तान की जनता भी इस बात को अच्छी तरह

[श्री राम बिलास शर्मा]

से जानती है कि हमने तथ्यों को छिपाया नहीं। गंगा यमुना के किनारे जानते हैं और जनता भी जानती है। सरयू नदी के किनारे हमने राम मंदिर बनवाने का जनता से वायदा किया था। चार सरकारें गई, उसकी हमने परवाह नहीं की। रघु कुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई। हमने उस वायदे को निभाया है और जो कहा था उसको करके दिखाया।

इसके बाद शराब बंदी के बारे में मित्रों ने बहुत लम्बी चौड़ी बातें कहीं। घुमा फिरा कर भिवानी जिले की बात पर आ जाते थे। ओम प्रकाश चौटाला जी ने और भजन लाल जी ने बहुत सी बातें कहीं। भजन लाल जी ने भिवानी जिले के बारे में बोलते हुए कुछ नामों के बारे में कहा जब उनसे वे नाम मांगे तो उन्होंने नहीं दिए और आज तक वे नाम नहीं दिए हैं। (शोर एवं व्यवधान) कोई नाम नहीं दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** आप सब बैठ जाएं। यह कल की बात है। मैंने तीन बार उनसे रिक्वैस्ट की थी। उन्होंने हमारे जिले का नाम लिया था I requested him for many times to give the names but he was not in a position to give the names.

**Capt. Ajay Singh Yadav :** He can authorise any member.

**श्री अध्यक्ष :** क्या आपके पास उनकी औथोराईजेशन है।

**श्री राम बिलास शर्मा :** अगर आपके पास अभी भजन लाल जी के दस्तखतों का कागज है तो दिखाएं। आपके पास नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं .....

**Mr. Speaker :** Surjewala ji, please mend your ways. आप जब चाहें बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं, यह कोई तरीका नहीं है। अब आपको बोलने की कोई इजाजत नहीं है। आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

**श्री राम बिलास शर्मा :** अध्यक्ष महोदय, ये अलोचना के लिए आलोचना करते हैं। आज एक भी माननीय सदस्य प्रमाणित कर दे कि जो इन्होंने कहा है वह नहीं कर पाए हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ मुरारी बापू राष्ट्र के सबसे पड़े संत हैं। वे किसी का लिहाज नहीं करते हैं। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, मुरारी बापू ने कृष्ण जी की नगरी वृंदावन में आज की हरियाणा सरकार को भाजपा की पार्टी को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि जो बुराई इन्होंने खत्म की है वह आज से पहले कोई भी नहीं कर सका है। (शोर एवं व्यवधान) इस समय बहुत से मैम्बर बोलने लग गए।

**श्री अध्यक्ष :** आप सब बैठ जाएं।

**श्री राम बिलास शर्मा :** अध्यक्ष महोदय, महात्मा गांधी जी ने कहा था कि अगर मैं एक दिन भी हिन्दुस्तान का प्रधान मंत्री बन गया तो सबसे पहले शराब बंदी करूंगा। शराब बंदी के मामले में पहले सैशन में सबने कहा था कि हम सहयोग देंगे। इस सरकार की ईमानदारी देखिए। Please see our sincerity in this matter. इस सरकार ने 340 सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ शराब के मामले में मुकद्दमें रजिस्ट्रर किये जिसमें से 129 पुलिस पर्सनल हैं। सर, इससे बड़ी ईमानदारी इस थोड़े से समय में और क्या हो सकती है। इतने समय में 34930 केसिज, 101 वाहन, 13111 का चालान एवं 901 का कन्वीकशन किया है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, मैं आपके नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं। मैंने जब इतनी संख्या बतायी थी तो उसके बाद गणेशी लाल जी ने जो कि इस विभाग को भी देखते थे, कुछ दूसरी ही संख्या बतायी थी। मुख्यमंत्री जी कह रहे थे कि ये ग्लोबल के बारे में बता रहे हैं और अब ये 34 हजार की संख्या फिर बता रहे हैं। क्या राम बिलास जी ठीक बोल रहे हैं या फिर गणेशी लाल जी ठीक बोल रहे थे ?

**श्री राम बिलास शर्मा** : स्पीकर सर, प्रो० गणेशी लाल जी ने 901 की संख्या बतायी कि इतने थोड़े से समय में हमने इतने लोगों का कन्वीकशन किया। उसके बाद मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह संख्या उनको भी बता दे। I am on authenticity. मैं फिर दोहराता हूं कि चौटाला साहब कभी तो जसवन्त सिंह जी का नाम ले लेते हैं और कभी हमारे पुलिस कप्तान, हमारे एस०पी० की एक चिट्ठी का हवाला दे देते हैं। स्पीकर सर, मेरे पास यह चिट्ठी है। इस चिट्ठी में कुछ नहीं है। केवल हमारे पुलिस कप्तान ने कुछ कहा है लेकिन यह तो ऐसा बताने की कोशिश कर रहे हैं जैसे हमारे उस पुलिस कप्तान ने पता नहीं बड़ा भारी बता दिया है। यह तो एक रूटीन की बात है उसने अपने डी०जी०पी० या ए०डी०जी०पी० को एक चिट्ठी लिखी कि हम इस काम में मुस्तैदी से लगे हुए हैं और हमारी यह यह जरूरत है। हमको इतने व्हीकल्ज चाहिएं क्योंकि वह राजस्थान से लगता हुआ बोर्डर है। जो चौटाला साहब ने कहा है वह सही बात नहीं है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : आप उस चिट्ठी को पढ़कर सुना दें ताकि इस हाउस को भी पता लग जाए।

**श्री राम बिलास शर्मा** : स्पीकर सर, उन्होंने इसमें अपने महकमें को लिखकर वही सारी बातें कहीं हैं। उन्होंने कहा है कि —

"1. Minimum of 10 Jeeps/Gypsies which have already been condemned may kindly be got replaced at an early date."

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : आप इसको शुरू से सारी पढ़कर सुना दें।

**श्री राम बिलास शर्मा** : शुरू से पढ़ने के बाद भी इसमें कुछ नहीं है। सर, यह चिट्ठी हम इनको दे देंगे।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : यह चिट्ठी तो मेरे पास भी है लेकिन आप इसको पूरी पढ़ें।

**श्री राम बिलास शर्मा** : सर, मैं इसको पढ़ रहा हूं।

"2. One Coy. of additional H.A.P. force may be provided to this district for deployment on यानि वह इलाका राजस्थान से लगता है इसलिए ऐडीशनल फोर्स मांगी।

3. The posts of D.S.P./Headquarters and Inspectors, C.I.A., which are lying vacant may kindly be got filled up at the earliest.

4. At least 20 walkie-talkie sets may kindly be provided to this district in order to improve communication.

Once again I assure you Sir, that no stone will be left unturned in order to contain the evil."

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : आप यह सारी क्यों नहीं पढ़ते। उन्होंने ये सारी चीजें क्यों मांगी। (विघ्न) आप यह सारी पढ़ें।

**श्री राम बिलास शर्मा** : स्पीकर सर, इसमें कुछ नहीं है लेकिन हम यह चिट्ठी इनको दे देंगे (विघ्न) सर, मैं इनकी आत्मा की शांति के लिए इसको पढ़ ही देता हूं। लेकिन सर, इसको पढ़ने में काफी समय लग जाएगा। चौटाला साहब चीजों को टिबसट करते हैं। हमारी सरकार के बारे में आलोचना करने के लिए इनके पास तो कोई मुद्दा था ही नहीं परन्तु क्योंकि इनको आलोचना करनी थी इसलिए इन्होंने यह कह दिया। स्पीकर सर, शराबबंदी के मामले में जो सरकार अपने ओफिसर्ज तक को नहीं बख्शती, कमिश्नर रैंक तक के औफिसर तक को नहीं बख्शती तो फिर ये और क्या कह सकते हैं। सर, 9 महीने का समय कोई ज्यादा नहीं होता। हमने मंजिल की प्राप्ति तक पहुंचने की कोशिश तो की है मंजिल मिली या नहीं मिली परन्तु मंजिल की जुस्तजु में हमारा कारंवा तो है। इनको तो इसकी तारीफ करनी चाहिए थी। स्पीकर सर, जब संत इसकी तारीफ करते हैं, महापुरूष इसकी तारीफ करते हैं एवं स्वतंत्रता सेनानी इसकी तारीफ करते हैं तो इनको भी इसकी तारीफ करनी चाहिए थी। इसके अलावा स्पीकर सर, चौधरी भजनलाल जी ने बिजली के मामले में कहा कि बिजली रोटी खाने के समय नहीं आती। (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : उस चिट्ठी का क्या हुआ ?

**श्री राम बिलास शर्मा** : हम वह चिट्ठी सर्कुलेट कर देंगे क्योंकि अभी मुख्यमंत्री जी ने बोलना है इसलिए हमें समय का ध्यान रखना है। (शोर एवं विघ्न) इस चिट्ठी के बारे में चौटाला साहब ने टिवस्ट करके कहा था तो अगर वह बात हो तो ये अगले सैशन में इस बारे में बता दें। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी ने व बहिन करतारी देवी जी ने बोलते समय कहा कि खाना खाते समय बिजली जाती है। स्पीकर सर, हम यह मानते हैं कि बिजली की कमी है और इसके लिए विपक्ष ही नहीं सभी लोग चिंतित हैं। चौटाला साहब ने बोलते हुए अपने भाषण में कहा कि यह सरकार एक भी एम०ओ०यू० साइन नहीं कर सकी। यह बात सही है कि चौधरी बंसी लाल जी ने किसी देशी या विदेशी कंपनी से कोई समझौता नहीं किया। परन्तु * * * * * * * ने उस मुद्दे पर बावेला मचा दिया और हिसार व सिरसा के गांवों में यह बात फैला दी कि यह जो नहरों में पानी दिया जा रहा है इसमें से बिजली निकाली हुई है और कहा कि कैदे छाछ से भी पहलवान बनते हैं। (विघ्न)

**श्री अध्यक्ष** : राम बिलास शर्मा जी ने जिस नाम का हवाला दिया है इसे कार्यवाही में से निकाल दिया जाए क्योंकि वह आदमी हाउस में अपने आप को डिफैंड नहीं कर सकता है।

**श्री राम बिलास शर्मा** : तो स्पीकर सर, उसने यह कहा कि यह जो नहरों में पानी दिया जा रहा है इन्होंने उस पानी में से मक्खन निकाल लिया है अब इसमें केवल छाछ बचा है। तो लोगों ने कई दिन तक उस नहर का पानी नहीं पिया। जहां तक चौधरी जसवंत सिंह जी का सवाल है तो उन्होंने इस सदन में कैटेगरीकली कहा कि I am very much in favour of privatisation of generation.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : राम बिलास जी, आपको तो इरैलेवैन्ट नहीं बोलना चाहिए। आप हाउस का समय खराब कर रहे हैं। (विघ्न)

**श्री राम बिलास शर्मा** : Sir, I am not guided by him. ये बोलें तो हाउस का समय खराब नहीं होता, हम बोलें तो हाउस का समय खराब होता है। स्पीकर सर, बिजली के बारे में सभी लोग मानते हैं कि बिजली की कमी है। पिछली 27-28 तारीख को चौधरी बंसी लाल जी के साथ हम सभी 100 गांवों में जनसभा करके आए। इन जनसभाओं में सभी लोगों ने कहा कि बिजली हरियाणा की जिंदगी है,

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड से निकाल दिया।

बिजली हरियाणा की मौत है। बिजली के सुधार में और बिजली के उत्पादन को बढ़ाने में जो आपकी सरकार करने जा रही है, पूरा हरियाणा उसके समर्थन में खड़ा है। एक तरफ ये श्री मान जी कहते हैं कि हमने कोई एम०ओ०यू० साइन नहीं किया। (शोर एवं व्यवधान)

**डॉ० बीरेन्द्र पाल अहलावत** : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में यह कहना चाहता हूँ। (शोर एवं व्यवधान) मेरा प्वायंट औफ आर्डर है (विघ्न)

**Mr. Speaker** : Please sit down. (Noise & Interruptions). वीरेन्द्र पाल जी, आपको खड़े हुए 5 मिनट हो गये हैं और अब आप कह रहे हैं कि मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। आप बैठ जाइए।

**श्री राम विलास शर्मा** : जिस सरकार को जनादेश मिला हो वह ऊंची नीची आवाज में बोलने से डरने वाली सरकार नहीं है। अध्यक्ष महोदय, कुछ मामलों में चौधरी खुर्शीद अहमद जी ने कहा कि बंसी लाल जी का प्रशासन स्टील ऐडमिनिस्ट्रेशन है लेकिन जहां तक ऐडमिनिस्ट्रेशन का संबंध है, बंसी लाल जी ने अनुभव से उसमें सुधार किया है। बीरेन्द्र सिंह जी चाह रहे थे कि बी०जे०पी० किसी तरह से हटे और हम समर्थन करें तो आपकी ये चालाकी चौधरी बंसी लाल बहुत पहले से जानते हैं और जानते हैं कि कांग्रेस सत्ता से बाहर नहीं रह सकती। विपक्ष की भूमिका कांग्रेस निभा नहीं सकती। हरियाणा प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे चौधरी भजन लाल जी से जब नाम पूछा गया तो वे बता नहीं सके। आप जानते हैं स्पीकर सर, हम और आप चार बार इस विधान सभा में चुनकर आए। जब गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर बोलना होता था दो रात सोते नहीं थे। वे तीन बार आपके पूछने के बावजूद नाम नहीं बता सके और इस प्रकार की अफवाहें वे रोज फैलाएं कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार टूटने वाली है। शूगर मिल कर्मचारियों से भी यही बात कहते थे। स्पीकर सर, जिसके साथ भारतीय जनता पार्टी हो, जिसके ऊपर-राम की कृपा हो वह सरकार बड़ी देर तक चला करती है। जिस पर राम राजी हो और चौधरी बंसीलाल पर राम राजी है। स्पीकर सर, यह सरकार अभी नौ महीने की है । This is a period for conception and after conception they will get darshan of delivery. बिजली के मामले में मैं बताना चाहूंगा कि अगले साल एक हजार मैगावाट अतिरिक्त बिजली पैदा करेंगे। यह बात हम डंके की चोट से कह रहे हैं। चौधरी बंसीलाल ने किसानों को जो 24 घण्टे बिजली देने की बात कही थी उस वायदे को यह सरकार पूरा करेगी। ये बेचारे तो भायूस हैं, हताश हैं और निराश हो रहे हैं। कुछ तो ये पंजाब के चुनावों से निराश हो गये हैं। एक बात और मैं कहना चाहता हूँ कि चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व में बी०जे०पी० और ह०वि०पा० की सरकार हरियाणा के अन्दर ऐसी लगेगी जैसे जापा के अन्दर जिनानी के गूँद लाग्या करै। धन्यवाद।

**श्री जसविन्द्र सिंह सन्धू** (पेहवा) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूँ कि आपकी नजरें मुझ पर इनायत हुई। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा करने के लिए आपने मुझे समय दिया। स्पीकर सर, शुरू के पैराग्राफ में माननीय राज्यपाल महोदय ने देश को स्वतंत्र कराने वाले हमारे महान नेता जी सुभाषचन्द्र बोस की जन्मशती मनाने का जिक्र किया और उनकी जन्मशती पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। उसके साथ ही उन्होंने कहा कि आइए, याद ताजा करें आजादी के उन दीवानों की जिन्होंने जान हथेली पर लेकर लम्बा संघर्ष किया और हंसते-हंसते जेल की यातनाएं सहीं और देश प्रेम की बलिवेदी पर स्वयं को समर्पित किया। इसके साथ स्पीकर महोदय, मैं जिक्र करना चाहूंगा 5 तारीख को जिस दिन यह

[श्री जसविन्द्र सिंह सन्धू]

सदन शुरू हुआ। उस दिन सत्तापक्ष के सदस्यों ने, विपक्ष के नेता ने और दूसरी पार्टियों के नेताओं ने उन महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उस के साथ मैं भी अपने हल्के पेहवा के महान स्वतंत्रता सेनानी ज्ञानी वीर सिंह जी का नाम भी जुड़वाना चाहता हूँ जोकि गलती से उस दिन रह गया था। जिस प्रकार आपकी माता का नाम भी उस लिस्ट में जुड़ने से रह गया था और माननीय चौधरी भजनलाल जी ने उनका नाम उसमें दर्ज करवाया था। मुझे यह बात बड़े अफसोस के साथ कहनी पड़ रही है और मुझे गिला भी है कि श्री बीरेन्द्र सिंह जी ने मेरे नाम की सिफारिश भी की थी लेकिन मुझे उस दिन टाईम नहीं दिया गया। ज्ञानी वीर सिंह जी शहीदेआजम भगतसिंह जी के साथ रहे थे और उन्होंने आजादी के लिए कई बार जेल की यातनाएं भी सहीं। इसके साथ ही मैं उन नौजवान साथियों का भी जिक्र करना चाहता था जो मालटा में एक जहाज में डूब गये थे लेकिन उन दिन इन बातों का जिक्र नहीं आ सका। स्पीकर सर, अभिभाषण पर चर्चा करते हुए मैं कहना चाहता हूँ कि जो मुख्य बात थी जिस बात पर हमारी पार्टी के नेताओं ने भी इस सदन के नेता को पूर्ण विश्वास दिलवाया था और आज भी विश्वास दे रहे हैं कि शराब की बुराई को हरियाणा से समाप्त करने में पूर्ण सहयोग देंगे। लेकिन इसका जो परिणाम निकला वह इसके बिल्कुल विपरीत है। मैं यह मानता हूँ कि किसी भी बात का 100 प्रतिशत नतीजा नहीं निकलता। लेकिन हमारे हरियाणा प्रदेश की भौगोलिक स्थिति कुछ ऐसी है कि इसके सारे 17 जिले विभिन्न प्रदेशों के बार्डर से लगते हैं जैसे राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश। इतना ज्यादा लम्बा चौड़ा बार्डर होने के कारण यह पोलिसी इसलिए सफल नहीं हो सकी क्योंकि यह एक राष्ट्रीय पोलिसी नहीं थी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस बारे सहयोग के बारे जो बात कही है वह हम दो दिन पहले अखबारों के जरिये पढ़ चुके हैं। इसके साथ मैं माननीय साथी श्री रामबिलास शर्मा का बड़ा आदर करता हूँ। दिल्ली, राजस्थान और पंजाब में भी इनकी सरकारें हैं। वहां पर ये बिल्कुल भी जिक्र नहीं करते हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री ने अपने राज्य में बिजली-पानी फ्री कर दिया है लेकिन इस बारे में ये यहां पर बात ही नहीं करते हैं। बिजली का आज जो बुरा हाल है, उससे बड़ी चिंता होती है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक शराबबंदी की बात है इसके बारे में बंसी लाल जी की भरपूर कोशिश के बावजूद भी यह पूर्ण रूप से लागू नहीं हो सकी है। (घंटी) स्पीकर सर, हमारे जिले के पुलिस कप्तान श्री शर्मा जी ने भरपूर कोशिश की। दूसरे जिलों में भी इसके लिए मेहनत से काम किया गया लेकिन कामयाबी नहीं मिली। शराबबंदी के नाम पर लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है तथा नाजायज मुकद्दमें भोले-भाले लोगों के खिलाफ दर्ज किये गये हैं। जिस भी बच्चे द्वारा अगर कहीं से अध्धा या पव्वा शराब का लाने की बात नोटिस में आई, तो वह पकड़ा गया।

**श्री अध्यक्ष** : आप कन्क्लूड करें।

**श्री जसविन्द्र सिंह सन्धू** : स्पीकर सर, मैं जल्दी ही अपनी बात पूरी कर लेता हूँ। जिस बच्चे या आदमी ने शायद ही जिंदगी में पहली बार शराब पी हो, उसी को पकड़ा गया तथा उसके खिलाफ मुकद्दमा दर्ज किया गया। जो पुलिस कर्मचारी/अधिकारी ऐसे गलत कार्य करते हैं, उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए क्योंकि पुलिस भी कानून से ऊपर नहीं है। जब चौ० देवी लाल जी की सरकार थी तो यह नारा लगा करता था कि "भ्रष्टाचार बंद, बिजली पानी का प्रबंध" लेकिन आज नारा लग रहा है - "दारू पीना बल्ले-बल्ले, बिजली पानी थल्ले-थल्ले"। (हंसी) आज प्रदेश में बिजली का बुरा हाल है। बच्चों की पढ़ाई का समय है, उनकी परीक्षा का वक्त है तथा सुबह दूध बिलोने का वक्त होता है लेकिन बिजली नहीं होती है। जहां तक शराबबंदी की बात है, मैं इस बारे में बताना चाहता हूं कि पिछले

दिनों पंजाब में एस०जी०पी०सी० के चुनाव थे तो मेरा अपना रिश्तेदार भी चुनावों में खड़ा था इसलिए मुझे वहां जाने का मौका मिला। भूणक कंस्टीच्यूएंसी जहां से मैडम भट्ठल बनी हैं, वह एरिया टोहाना के साथ लगता है। वहां घर-घर जाने पर उन लोगों ने बताया कि विनोद कुमार मढ़िया जी के परिवार की गाड़ियाँ शराब ढोने का धंधा करती हैं। (घंटी) मैं कहता हूँ कि दलाल साहब मेरे साथ चलें मैं सफेद कागज़ पर भी रिजाईन देने के लिए तैयार हूँ। अगर यह बात साबित नहीं होती है तो मेरा इस्तीफा मंजूर कर लिया जाए और यदि यह बात साबित हो जाती है तो इनको पद से हटाया जाए। (घंटी) (Noise & interruptions)

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठिए। You have taken sufficient time.

(इस समय बहुत से सदस्य खड़े होकर बोलने लगे)

**श्री अध्यक्ष** : आप सभी बैठ जाइए। अगर आप समय से पहले जाना चाहते हैं तो वह आपकी अपनी मर्जी है। (शोर)

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, अब ये भाजेंगे। (शोर)

**श्री अध्यक्ष** : कैप्टन साहब, आप जो इशारा कर रहे हैं, मैं सब देख रहा हूँ।

Either sit properly, otherwise I will have to name you.

## वैयक्तिक स्पष्टीकरण

### चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री, श्री विनोद कुमार मढ़िया

**चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मढ़िया)** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना और माननीय साथी को बताना चाहता हूँ कि मेरे ऊपर इन्होंने गलत इल्जाम लगाया है। (शोर)

**श्रीमती करतार देवी** : अध्यक्ष महोदय, मेरी एक प्रार्थना है। (शोर)

**श्री अध्यक्ष** : बहन जी आपने जो फैसला कर रखा है, वह मुझे मालूम है। आप बैठ जाएं। (शोर)

**श्रीमती करतार देवी** : अध्यक्ष महोदय, हम वाक आउट बिलकुल नहीं करेंगे। आप माननीय सदस्य गाबा साहब को बोलने के लिए दो मिनट का टाईम दे दें। मैं यह नहीं कहती कि आपने बोलने का टाईम नहीं दिया। आपने बहुत लिबरली टाईम दिया है। (शोर)

**श्री अध्यक्ष** : आनरेबल मैम्बर्ज मैं आपको बताना चाहूंगा कि मेरे पास पिछले 10 साल का रिकार्ड है। यह कोई नई बात नहीं है कि गवर्नर ऐड्रैस इस बार ही पेश हुआ है। पहले भी गवर्नर ऐड्रैस हाउस में पेश होते रहे हैं। बहन करतार देवी जी आप अपने समय को देख लें, उससे मैंने इस बार तीन गुणा टाईम बोलने के लिए दिया है। गवर्नर ऐड्रैस पर आप सब बोल चुके हैं। फिर भी कोई माननीय सदस्य रह गया है तो उसको बजट पर बोलने का टाईम देंगे। अब मढ़िया साहब को बोलने दें। (शोर)

**श्री विनोद कुमार मढ़िया** : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी विधायक ने मेरे ऊपर इल्जाम लगाया कि मेरे आदमी और मेरे भाई वगैरह, ..... (शोर)

**श्री धर्मबीर गाबा** : स्पीकर साहब, मेरी एक सबमिशन है। (शोर)

**श्री अध्यक्ष** : अगर आप यह चाहते हैं कि मैं अनप्लैजैंट ड्यूटी करूं then I will be very paind to do that. I would not allow you to act in such a way.

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला** : स्पीकर साहब, आप हमारी बात तो सुनिये। (शोर)

**श्री अध्यक्ष** : मिस्टर सुरजेवाला आप मेहरबानी करके बैठ जाएं। (शोर)

**श्रीमती करतार देवी** : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप हमारी पार्टी के दो सदस्यों को बोलने का टाईम दे दें। (शोर)

**श्री अध्यक्ष** : बहन जी, आप कृपया बैठ जाएं otherwise I will have to name you.

आपको बोलने के लिए दुगना टाईम दिया है फिर भी आप इस तरह से कहें तो यह आपको शोभा नहीं देता। (शोर)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : स्पीकर साहब, मेरी एक सबमिशन है।

**श्री अध्यक्ष** : चौटाला साहब, आप बैठ जाएं। पहले मढ़िया साहब को बोलने दें उसके बाद आप बोल लेना।

**श्री विनोद कुमार मढ़िया** : अध्यक्ष महोदय, मेरे विधायक साथी ने मेरे ऊपर इल्जाम लगाया है कि मेरे आदमी पंजाब से अपनी गाड़ियों में शराब ले कर आते हैं। वे गाड़ियां पकड़ी जाती हैं तो मैं उनको छुड़वाता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मेरे विधायक बनने के बाद आज तक मेरे परिवार के किसी सदस्य की या मेरे किसी रिश्तेदार की एक भी कोई गाड़ी पकड़ी गई हो या कोई एक भी ऐसा केस हुआ हो कि वहां से शराब ला कर हरियाणा में बेची हो या किसी गाड़ी का चालान हुआ हो तो ये साबित कर दें। मैं आज ही मैम्बरशिप से अपना इस्तीफा दे दूंगा या ये अपना इस्तीफा दे दें। अध्यक्ष महोदय, आप उनसे भी उनका इस्तीफा ले लें। (शोर)

## राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, आपने गवर्नर ऐड्रैस पर बोलने के लिए माननीय सदस्यों को और हमको काफी समय दिया उसके लिए हम आपके मशकूर हैं। अध्यक्ष महोदय, इस समय साढ़े चार बजे हैं। मुख्य मंत्री जी जितना चाहें बोल लें हम इनको आराम से सुनेंगे। आपसे मेरी प्रार्थना है कि आप केवल मात्र हमारी पार्टी के चार सदस्यों और कांग्रेस पार्टी के दो सदस्यों को पांच पांच मिनट बोलने के लिए समय दे दें और इसके लिए अगर आप हाउस का टाईम आधा घंटा एक्सटैंड कर दें तो उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आपने समय देने में बड़ी दरियादिली दिखाई है।

**श्री बंसी लाल** : हमें तो आप पर्सनल एक्सप्लेनेशन देने के लिए भी टाईम नहीं देते थे।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : यह आप कांग्रेस पार्टी वालों की बात कर रहे हो। (शोर)

**श्री अध्यक्ष** : चौटाला साहब, आप बैठ जाएं। बहन करतार देवी जी आप भी बैठ जाएं। आप सब बैठें। मेरे से बहुत पुराने माननीय सदस्य चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बैठे हैं, आप में से कोई भी माननीय सदस्य यह बता दे कि आज तक गवर्नर ऐड्रैस पर विपक्ष के इतने माननीय सदस्यों को किसी ने बोलने का टाईम दिया हो जितना मैंने दिया है। यह एक रिकार्ड है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, यह तो हम स्वयं मान रहे हैं कि आपने हमें बोलने के लिए बहुत टाईम दिया है। आपने इतनी दरियादिली दिखाई है तो आधे घंटे में क्या फर्क पड़ता है।

## वाक आउट

**Mr. Speaker** : No, now the Chief Minster will give the reply.

**श्री बीरेन्द्र सिंह** : अध्यक्ष महोदय, यदि आप हमारे मैम्बरों को बोलने का मौका नहीं देते तो हम वाक आऊट करते हैं।

(इस समय इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य वाक आऊट कर गए)

## राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

**मुख्य मंत्री** (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर सदन में चर्चा हुई और सदन में जितने भी माननीय सदस्यगण बोले हैं, मैंने सब की बातों को बड़े ध्यान से सुना। इनके भाषणों के सुनने के बाद ऐसा लगता था कि जैसे राज्य में शासन नाम की कोई चीज न हो और प्रशासन में पूरी क्षमता न हो। हकीकत यह है कि शासन का भय इनमें छाया हुआ है। जैसे पहली हरकतें ये करते थे वह अब नहीं करते क्योंकि इनको अब डर लगता है। जैसा कि मैंने आपसे अर्ज की थी कि चौटाला साहब तो गोयबल्ज की थ्योरी पढ़ कर आए हैं। पता नहीं कितना तगड़ा रट्टा लगा कर आए हैं। भगवान राम का जो जप किया जाये उसके स्थान पर ये गोयबल्ज का जप करके आए हैं। अध्यक्ष महोदय, जब से हरियाणा विकास पार्टी और बी०जे०पी० की सरकार आयी है प्रदेश में शासन पर पूरा कन्ट्रोल किया जा रहा है। प्रदेश में तरक्की के काम हो रहे हैं। प्रदेश के लोगों को फायदा पहुंचा है। ऐसे तरीके अख्तयार किए जा रहे हैं जिससे प्रदेश का फायदा हो। अध्यक्ष महोदय, 11 मई, 1996 को यह सरकार इस प्रदेश में बनी । आज मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 1033 टेलों पर पहले पानी नहीं पहुंचता था। अब इनमें से केवल 62 टेलें ऐसी हैं जिन पर अभी तक पानी नहीं पहुंचा है। उन पर भी हम जल्दी ही पानी पहुंचा देंगे, सभी टेलों पर पहुंचा देंगे ताकि किसान को फायदा हो सके, देश का फायदा हो सके, प्रदेश का फायदा हो सके। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद 2 फसल काश्त हुई हैं। एक फसल काश्त हुई खरीफ की और दूसरी हुई रबी की। वर्ष 1995-96 में 9 लाख 37 हजार हैक्टेयर खरीफ की फसल काश्त की गई थी और इस साल 9 लाख 37 हजार से बढ़ा कर 9 लाख 98 हजार हैक्टेयर भूमि काश्त की गई है। यानि 61 हजार हैक्टेयर ज्यादा भूमि काश्त की गई है या यों कहिए कि कावाई गई है, हमने पहले से ज्यादा जमीन इरीगेट की है। रबी की जो फसल काश्त की गई वह भी बता देता हूं। वर्ष 1995-96 में 8 लाख 74 हजार हैक्टेयर भूमि काश्त की गई थी जबकि इस बार 9 लाख 55 हजार हैक्टेयर भूमि काश्त की गई है। यह किसानों की भलाई की बात है। किसानों का भला इस सरकार ने किया है। यानि रबी की फसल भी हमने पहले की अपेक्षा 81 हजार हैक्टेयर ज्यादा काश्त करवाई है। स्पीकर सर, इसी 10 दिन के अन्दर-अन्दर मैंने सारे हरियाणा प्रदेश का दौरा किया। अध्यक्ष महोदय 20-20 साल से ड्रेनों की सफाई नहीं हुई थी और 20-20 साल के दरख्त ड्रेनों के अन्दर खड़े थे। ड्रेनों की सफाई के दौरान करीब दो लाख पेड़ ड्रेनों में से कटवाए गए। अब आप इससे अन्दाजा लगा सकते हैं कि जिन ड्रेनों से दो लाख दरख्त कटवाए गए हैं उनमें कितनी मिट्टी भरी हुई होगी। बहुत बड़े बड़े पेड़ कटवाएं हैं ताकि प्रदेश को बाढ़ से बचाया जा सके। सरकार ने यह प्रयास

[श्री बंसी लाल]

किया कि अगले साल की बरसात आने से पहले ही मानसून शुरू होने से पहले ही नहरों की सफाई ठीक प्रकार से करवा दी जाए। अलबत्ता मेवात में राजस्थान से पानी कुछ ज्यादा आ गया जिसकी वजह से नुकसान हुआ। जितना पानी इस साल आया उतना राजस्थान से पिछले 18 सालों में कभी नहीं आया था। इस बहुत ज्यादा पानी के कारण प्रदेश में कुछ नुकसान हुआ है इसमें कोई दो राय नहीं है। इसी पानी की वजह से मोखरा और बलम्भा गांवों में पानी का चोवा ऊपर आ गया। उसका क्या इलाज हो सकता था वह भी हमें सोचना पड़ा है। अध्यक्ष महोदय, इसका इलाज यही हो सकता है कि एक ओपन ड्रेन बना कर उस पानी को ड्रेन नं0-8 में डालकर यमुना नदी में डाल दिया जाए। इसी सरकार ने मेहम ड्रेन मन्जूर की है जिससे कि मेहम से निकलकर बल्लम्भा, खड़कड़ा और मोखरा वगैरा का पानी निकाल कर ड्रेन नं0-8 में आ जाएगा। अध्यक्ष महोदय, लाखन माजरा से ले कर नदाना, भरायण वगैरा का पानी निकाल कर ड्रेन नं० 8 में डाल देंगे। अगर भगवान ने चाहा और किसान की खुशकिस्मती रही और स्थिति ऐसी ही रही तो ये दोनों ड्रेन मानसून से पहले तैयार करवा दी जाएंगी। लाखन माजरा पीली वगैरा और सोनीपत का बड़ौदा हल्के से 4-5 ट्रिब्यूटरीज भी और हो जाएंगी। सोनीपत के बड़ौदा का पानी ले कर हम यमुना नदी में डाल देंगे। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से घग्गर में भी हम इस प्रकार का प्रबन्ध कर रहे हैं जिससे किसानों का नुकसान न हो। घग्गर का बैराज भी जल्दी ही बन कर तैयार हो जाएगा इस साल घग्गर का काम भी बरसात शुरू होने से पहले कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, एक ताज्जुब की बात मैं बताना चाहता हूं। ओटू लेक हमारे प्रदेश की शान थी। आज वह लेक मिट्टी से भरी पड़ी है और उस पर हल चला कर फसल पैदा करवाई जा रही है। ओटू लेक काफी लम्बी चौड़ी और गहरी है उससे आबपाशी होती रही है मगर बाद में ऐसे महाशय सत्ता में आए कि उस को खत्म ही कर दिया। अध्यक्ष महोदय, इसकी सफाई का भी प्रबन्ध किया गया है। इसी तरह से जो नहरें टूट गई थीं या जिनके बैंकस कमजोर हो गए थे बहुत सी जगहों पर उन को ठीक कर दिया गया है। जहां और इस प्रकार की कोई कमी रह गई है उसको भी ठीक करवाने के लिए कार्यवाही की जा रही है और हम लोग इस काम में लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, हथनी कुंड बैराज बनाने का काम शुरू हो गया है। 219 या 220 करोड़ रुपये की लागत से यह हथनी कुंड बैराज बनेगा। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने बोलते हुए एक बात कही थी कि चौधरी बंसी लाल ने सरकार बनाने के बाद कोई भी किसी किस्म का वायदा पूरा नहीं किया है। मैं आपके जरिये सदन में एक बात कहना चाहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी ने चुनाव के दौरान जो जो वायदे किये थे हम एक-एक वायदा पूरा करेंगे। जो मैनीफैसटो होता है वह सरकार की पूरी टैन्योर का होता है और हम एक-एक वायदा पूरा करेंगे (इस समय मेजें थपथपाई गईं) हम वे सब वायदे पांच साल में पूरे करेंगे। कोई आदमी सवेरे फसल बो कर शाम को काटने नहीं जाता है। सवेरे आम का पेड़ लगा कर शाम को कोई आम नहीं खा सकता है। कई चीजें देखनी पड़ती हैं, उसके लिए सोचना पड़ता है, स्कीम बनानी पड़ती है, पैसे का प्रबन्ध करना पड़ता है। तरक्की का काम करने में जोर लगता है जोकि इन्होंने कभी किया नहीं है, इसलिए इनको इस चीज का आभास नहीं है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने बड़े आराम से बोलते हुए बिजली बोर्ड के बारे में पता नहीं क्या क्या कह दिया। ये इस बारे में घर से सोच कर नहीं आते हैं इनकी रयूमर मिल इनके साथ-साथ चलती है, ये जब बोलने के लिए खड़े होते हैं तो कुछ न कुछ कहते रहते हैं। इनको किसी को कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। चौटाला जी ने कह दिया कि इनके वक्त में 1990-91 में बिजली बोर्ड 6 करोड़ रुपये महीने के कमाता था इस हिसाब से तो यह हुआ कि बिजली बोर्ड सालाना 96 करोड़ रुपये कमाता था। अध्यक्ष महोदय, हमने रिकार्ड देखा तो इनके वक्त में 91 करोड़ 73 लाख रुपये का घाटा था। अब इनको कौन क्या बात कहे। यानि कि

किसी ने तुहैया कर रखा हो कि बकरे की तीन टांगे रखनी है चौथी नहीं। (शोर एवं व्यवधान) ये यहां पर खड़े-खड़े घड़ लेते हैं कि क्या कहना है। इनको यह पता नहीं कि ये सदन में बोल रहे हैं।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने फर्माया कि हम चुनावी वायदे पांच साल में पूरे कर देंगे। तो क्या लाटरी बंद करने में भी पांच साल लगेंगे। इन्होंने कहा था कि हम बिजली 24 घंटे देंगे उसका क्या हुआ इस बारे में भी बता दें।

**श्री बंसी लाल** : मैं सारी बातें आपको बताऊंगा । अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी ने बताया कि इनके वक्त में लाईन लौसिज़ 20 प्रतिशत थे। जब हमने बिजली बोर्ड का रिकार्ड देखा तो उसमें लाईन लौसिज़ 26.42 प्रतिशत थे।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : आज कितने प्रतिशत लाईन लौसिज़ हैं।

**श्री बंसी लाल** : आज 31 प्रतिशत लाईन लौसिज़ हैं।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, आज 40 प्रतिशत लाईन लौसिज़ हैं।

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, इनका मैं अब क्या करूं। इन्होंने पता नहीं क्या क्या बातें कह दीं। अध्यक्ष महोदय, जैसे एक फुटबाल को ठोकर मारो तो वह उड़ती चली जाती है उसका न तो सिर होता है और न ही पैर होता है। उसी तरह से ये भी गोल हैं। इनकी बात का कोई सिर पैर नहीं है। इसी तरह से इन्होंने 24 घंटे में ट्रांसफार्मर बदलने के वायदे के बारे में कह दिया। ठीक है मैं मानता हूं कि मैंने यह वायदा किया था। आज बिजली के ट्रांसफार्मर्ज 12 घंटे से 48 घंटे में बदले जाते हैं अगर 48 घंटे से ऊपर का एक भी उदाहरण हो तो हमें बता दें। पहले तो दो-दो दिन तक नहीं बदले जाते थे उस हिसाब से हमारे काम में एफिशियंसी तो आई है। (विघ्न) मैं आपको सारी बातें बताऊंगा। मैं आपकी एक-एक बात का जवाब दूंगा आप तसल्ली से सुनते जाएं। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने एक बात और कही जिसका कहीं सिर नहीं कहीं पांव नहीं। इनका कोई पता नहीं कि यह जमीन की जगह आसमान में उड़ा दें। इन्होंने कल इसी सदन में कहा कि जो हम जर्मन वाली ए०बी०बी० फर्म से काम करवाना चाहते हैं। पानीपत के थर्मल प्लांट्स में तो बी०एच०ई०एल० उसी काम को चालीस करोड़ रुपये में करने को तैयार हैं लेकिन मैंने उसी वक्त इनको ऑफर दी थी कि अगर वह उसी काम को चालीस करोड़ रुपये में करने को तैयार हैं तो हम उसे चालीस करोड़ रुपये के बजाए दो सौ करोड़ रुपये देने को तैयार हैं।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, जो अनर्गल बातें ये कर रहे हैं उसका तो मुझे जवाब देना ही पड़ेगा। ये बताएं कि सैंट्रल इलैक्ट्रिकल अथोरिटी की तरफ से इनके पास उन्हीं थर्मल प्लांट्स की सारी मरम्मत करने का मैसेज आया है या नहीं। वह चालीस करोड़ रुपये में उसी काम को करने को तैयार हैं। ये चाहें तो एच०एस०ई०बी० से इसको कंफर्म करवा लें। उसके मुताबिक उतना ही रेट आएगा। विदेशी फर्म को यह काम करवाने के लिए तो इसलिए ऑफर किया जा रहा है क्योंकि उसमें इनको कमीशन खाना है।

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, इसका पता नहीं कि यह कब क्या कह जाएं। इनका कोई भरोसा नहीं है। इनको सोचना चाहिए कि ये अपोजीशन के नेता हैं और तीन बार ये प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं चाहे रहे हों तीन दिन या 12 घंटे के लिए ही लेकिन तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने इस काम के लिए जब ओपन टैंडर मांगे तो ए०बी०बी० फर्म का ओपन टैंडर 205 करोड़ रुपये का आया और बी०एच०ई०एल का ओपन टैंडर 283 करोड़ रुपये का आया। अब आप ही

[श्री बंसी लाल]

बताएं कि 205 करोड़ रुपये ज्यादा हैं या 283 करोड़ रुपये ज्यादा है। सैंट्रल इलैक्ट्रिकल अथोरिटी का हमारे पास कोई अब तक ऑफर नहीं आया है लेकिन अगर इनके पास ऑफर है तो ये ले आएं। ये तो चालीस करोड़ रुपये की बात कर रहे हैं लेकिन हम उनको दो सौ करोड़ रुपये दे देंगे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये तो बैसिर पैर की बात कह देते हैं। अध्यक्ष महोदय, ए०बी०बी० की जो कंडीशंज हैं, वह हमारे फेवरेबल हैं लेकिन हमने अभी तक कोई ऐग्रीमैन्ट नहीं किया है कोई दस्तख्त नहीं किए हैं। हम उस फर्म से जो बात कर रहे हैं वह सैंट्रल इलैक्ट्रिसिटी अथोरिटी के थ्रू ही कर रहे हैं। सैंट्रल इलैक्ट्रिसिटी अथोरिटी हम को कह सकती है कि हम यह काम चालीस करोड़ रुपये में करने को तैयार हैं इसलिए हम आपको इस काम को करवाने के लिए विदेशी फर्म की इजाजत नहीं देते। आप किसी दूसरी विदेशी फर्म से यह काम नहीं करवा सकते। अध्यक्ष महोदय, जब तक सैंट्रल इलैक्ट्रिसिटी अथोरिटी या भारत सरकार इस बात की इजाजत न दें तब तक उनसे बात नहीं कर सकते। ये बेबुनियाद बातें कहकर सदन को गुमराह कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह इनका धर्म बन गया है इसलिए इसमें हम क्या करें। जो ए०बी०बी० वाली कम्पनी हमारे इन चार थर्मल प्लांट्स जो कि 110-110 मैगावाट के हैं और जिनका आज की तारीख में प्लांट लोड फैक्टर 25 से 30 परसैंट के बीच में है, काम करेगी। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास अभी कंसर्नड फाईनैंशिएल कमिश्नर का नोट आया है कि B.H.E.L. do not want to take up this work of modernisation. अब आप बताएं कि इनका क्या कर लें। ये तो तेली की दुकान पर पेड़े बिकवाना चाहते हैं। इनका कोई क्या कर सकता है।

**श्री अध्यक्ष** : चौटाला साहब, अब आप बताएं कि इस बारे में क्या कहना चाहते हैं। वह तो काम करने के लिए तैयार नहीं है जबकि आप कह रहे हैं कि वह चालीस करोड़ रुपये में तैयार हैं।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, अगर इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड की ऐसी ऐफिशिएंसी ही होती तो चौधरी जसवन्त सिंह जी बैठे हैं आप उनको समय दीजिए वे आपको बता देंगे। उन्होंने इसी बारे में खुले रूप से इस्तीफा दिया था क्योंकि उनको इसकी सूचना नहीं दी जाती थी। इस बारे में उन्होंने 17.00 बजे खुलेआम आरोप लगाए हैं। 85-85 हजार इंजीनियर जिनको सम्मानित कर रहे हैं वे सदन में बैठे हुए हैं, आप उनसे पूछिए। चौधरी जसवंत सिंह जी आप बताइए जरा खड़े होकर। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : ओम प्रकाश जी, आप बैठ जाइए। वे आपके निर्देश पर नहीं चलेंगे। मैंने तो आपको फैक्ट्स की बात बताई थी क्योंकि आपने बताया था।

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, इनको न फैक्ट्स का पता है न बिना फैक्ट्स का पता है इनको कुछ पता ही नहीं है।

**श्री राम विलास शर्मा** : अध्यक्ष महोदय, इनसे पूछो तो ये कहते हैं कि जसवंत सिंह जी बताएं। भजन लाल जी से पूछो तो कहते हैं कि कल नाम बताऊंगा। (शोर एवं विघ्न)

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, यह जो ए०बी०बी० है यह हमारे 110-110 मेगावाट के जो चार स्टेशन हैं इनको 118-118 मेगावाट के बनाएगी और 118 मेगावाट के बनाकर जो हमारा करीब 27 परसैंट प्लांट लोड फैक्टर है वह हमारा प्लांट लोड फैक्टर छह महीने में बढ़ेगा। वे ट्रायल करके देंगे और वे रुपया जो हमसे वसूल करेंगे वह उसमें से वसूल करेंगे। उसकी ओवर एण्ड एबव बिजली पैदा

करेंगे और उससे हमें जो इंकम होगी उससे अपना कर्जा लेंगे। अध्यक्ष महोदय, उस बिजली के अतिरिक्त आज हमको 900 मिलियन यूनिट बिजली मिलती है। जब यह इस तरह से कर दिया गया तो हमको तीन हजार मिलियन यूनिट बिजली मिलेगी यानी तीन गुनी से ज्यादा बिजली पैदा होने लगेगी। इसमें एक और बात है आज हमको उन्हीं प्लांट्स से बिजली एक रुपया 92 पैसे में पड़ती है और जब वे इसकी मोडीफिकेशन कर देंगे तो हमको बिजली 123.29 पैसे में पड़ेगी यानी एक सौ साढ़े तेइस पैसे या सवा तेइस पैसे में कह लो पड़ेगी और हमारी कोयले की खपत 40 प्रतिशत घट जाएगी। इस प्रकार कितना फायदा है मगर कोई अच्छी बात विपक्ष को पसन्द ही नहीं है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : इसका मतलब यह है कि आप बिजली सस्ती दोगे। एक रुपया तेईस पैसे में मिलेगी इसका मतलब सस्ती मिलेगी फिर रेट क्यों बढ़ाए जा रहे हैं।

**श्री बंसी लाल** : जब ठीक हो जाएगी तो बात करेंगे। अध्यक्ष महोदय, हमारे से पिछली सरकार ने एक ऐग्रीमेंट किया था कि यह 25-25 मेगावाट के लिक्विड फ्यूल बेस्ड प्लांट लगाने के लिए, उनमें से करीब 14 अब तक क्लीयरेंस ले चुके हैं और वह जैसे ही काम शुरू करेंगे एक साल के अंदर बिजली दे देंगे। मैं कह रहा हूं कि उससे हमें साढे तीन सौ मेगावाट बिजली मिल जाएगी।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : जो बिजली नैप्था से बनेगी उस पर क्या कॉस्ट आएगी ?

**श्री बंसी लाल** : ऐसा है कि यह ऐग्रीमैंट पहले की सरकार में चौधरी भजन लाल ने साईन किया था और दो रुपये 40 पैसे में तय हुआ था। उसके ऊपर यह भी कंडीशन थी कि जब फ्यूल की कॉस्ट बढ़ जाएगी तो रेट बढ़ेगा। आज के फ्यूल के भाव में यह हमको दो रूपये उन्यासी पैसे में पड़ेगी।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : क्या यह टैक्नौलोजी आपके पास है ?

**श्री बंसी लाल** : यह बनी बनाई आएगी। यह टैक्नोलौजी हमारे पास नहीं है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : नैप्था से जो बिजली बनेगी उसकी टैक्नोलौजी सस्ती नहीं है, कोयले से जो बिजली पैदा होती है वह सस्ती पड़ती है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, कल चौधरी भजनलाल जी ने कहा था कि न तो पीने के लिए पानी मिलता है और न ट्यूबवैल्ज के लिए बिजली मिलती है। आज चौधरी भजनलाल जी हैं नहीं, चले गये। पहले जब हम वहां बैठते थे तो वे कहा करते थे कि जब मैं जवाब दूं तो बैठे रहना और हम तो बैठे रहते थे, कभी नहीं गये। हम तो उन पर ऐसी कोई कंडीशन नहीं लगा सकते he is an hon'ble member of the House, he may sit in the House or he may leave the house, we cannot stop him. लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमने पिछले दिनों जो बिजली सप्लाई की है उसमें मई से लेकर दिसम्बर तक चौधरी भजनलाल की सरकार से दस प्रतिशत ज्यादा पावर सप्लाई की है इस प्रदेश में। हां , जनवरी और फरवरी में बिजली की कमी जरूर रही है। मैं यह मानता हूं। क्यों कमी रही, क्योंकि जो गैस प्लांट चलता है उसकी गैस लाईन ठीक करने के लिए और कैपेसिटी बढ़ाने के लिए 21 दिन तक तो उन्होंने बंद कर दिया और 2-3 प्लांट उत्तरप्रदेश में चले गये जिन से हमें सैन्ट्रल पूल से बिजली मिलनी थी। इसलिए वह हमारी मजबूरी थी। अध्यक्ष महोदय, यह हरियाणा में ही नहीं बल्कि पूरे नार्दन ग्रिड में कमी थी और दिल्ली में तो पूरे-पूरे दिन बिजली नहीं होती थी। हमने 19 दिन तक कारखाने बन्द कर दिये और आज भी पिछले दो-अढ़ाई महीने से बड़े-बड़े कारखानों पर सुबह-शाम तक 6-7 घंटे तक कट है लेकिन किसानों को हमने फिर भी बिजली दी है। पहले हमने किसानों को सरसों की फसल पकाने के लिए

[श्री बंसी लाल]
बिजली दी है और अब गेहूं की फसल को पकाने के लिए बिजली देंगे। गेहूं की फसल अगर बुआई है तो उस फसल को पकवायेंगे, सूखने नहीं देंगे।अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजनलाल जी ने कहा कि वे आईजन वर्ग के साथ एम०ओ०यू० पर साईन करके आये थे उससे बिजली बहुत सस्ती पड़ेगी। उन्होंने कहा उनसे लेनी चाहिए यह करना चाहिये, वह करना चाहिए परन्तु एम०ओ०यू० के माध्यम से कोई भी चीज लेने से हर आदमी उस पर शक करता है। हम ग्लोबल टेंडर मांगेंगे सारे संसार से और जो भी कम्पनी हमको सबसे अच्छी कंडीशंज पर और सस्ती बिजली देगी उसी कम्पनी से हम बिजली लेंगे। अगर चौटाला साहब के पास कोई ग्लोबल पार्टी है तो वे ले आयें हम उससे भी बिजली लेंगे हमें क्या एतराज है। (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : बी०एच०ई०एल० सबसे अच्छी कम्पनी है जिसका इस बारे में रिकार्ड है और रिसैंटली उस कम्पनी को एक विदेशी टैंडर मिला है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी को यह बताना चाहता हूं कि ये जो पैट्रोलियम प्रोडक्टस यानी नैपथा से बिजली पैदा करेंगे वह तो साढ़े चार रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से पड़ेगी।

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी बात को मानता हूं जितना ये पढ़े हैं उतना ही तो बतायेंगे।

**श्री अध्यक्ष** : चौटाला साहब आप चेयर की इजाजत लेकर बोला करें आप बैठिये। (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, यह हाउस को गुमराह कर रहे हैं। ये जो पैट्रोलियम प्रोडक्टस से बिजली पैदा करेंगे वह साढ़े चार रुपये प्रति यूनिट पड़ेगी जबकि कोयले से जो बिजली पैदा होती है वह 1.35 पैसे प्रति यूनिट पड़ती है और एन०टी०पी०सी० जो बिजली पैदा करती है वह 80 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से पड़ती है।

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, ये सब बातें निराधार और बे-बुनियाद कह रहे हैं। इनकी इन बातों का कोई ईलाज नहीं है।(विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : स्पीकर साहब आप मेरी बात तो सुनें ****

**श्री अध्यक्ष** : जो चौटाला साहब कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाये। (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, ****

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, ये सुनना नहीं चाहते, भागना चाहते हैं। (विघ्न) जो चौटाला साहब ने कल कहा था कि बिजली का रेट 5.50 रुपये प्रति यूनिट या इससे भी ऊपर पड़ेगा, मेरे पास कागज है, मैं इनको बता देता हूं ।(विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं विघ्न)

**Mr. Speaker** : Nothing will be recorded which is spoken without my permission.

**श्री बंसी लाल** : इन्होंने कल कहा था कि 5.50 रु० प्रति यूनिट पड़ेगा। लेकिन मैं कहता हूं कि यह बात बिल्कुल बेबुनियाद और गलत है कि यह भाव पड़ेगा।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, मेरी बात इन कागजों में दर्ज नहीं है।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि जैसे कि मैंने बताया नैफ्था वगैरह से हमको आज 2.79 रु० प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली पड़ती है। अध्यक्ष महोदय, मैं चौटाला साहब को कई बार बता चुका हूं लेकिन इनकी समझ में नहीं आता है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि पैट्रोलियम प्रोडक्ट्स (नैफ्था) से जो बिजली पैदा होती है, वह 4.5० रु० प्रति यूनिट पड़ रही है, जो थर्मल प्लांट में कोयले से बिजली पैदा होती है, वह 1.35 रु० प्रति यूनिट पड़ती है तथा जो एन०टी०पी०सी० बिजली पैदा कर रही है वह 8० पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से पड़ रही है।

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने बड़े आराम से कह दिया कि महेन्द्रगढ़, दादरी, भिवानी, लोहारू, झज्जर और नाहड़ तहसील में बिजली का नीचे का स्लैब चौधरी देवी लाल के समय में इन्होंने दिया था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए सदन को बताना चाहता हूं कि बिजली का नीचे का स्लैब उन लोगों को जनवरी, 1971 में मैंने दिया था। उस वक्त इनका कहीं भी नामोनिशान नहीं था। उस समय यह बोए ही नहीं जामे थे। (हंसी)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : लेकिन अभी यह जो ताजा ईनाम दिया है वह भी तो बता दो।

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने बड़े आराम से कह दिया कि छठे प्लांट की मशीनरी इनके वक्त में आई थी। मैं बताना चाहता हूं कि मशीनरी 1992 से 1996 तक के समय में आई है जब चौधरी भजन लाल इनको उखाड़ कर फैंक चुके थे। (विघ्न एवं शोर)

**श्री अध्यक्ष** : डॉक्टर साहब, इस तरह से बोलने का कोई फायदा नहीं है। Please take your seat. I will not allow discussion in such a way. अगर आपको या आपकी पार्टी को बोलने का मौका नहीं मिला तो समझो कि किसी को नहीं मिला है। (शोर)

**Shri Krishan Lal** :On a point of order, Sir.

**Mr. Speaker** : No point of order is allowed. Please take your seat. चौटाला साहब, अगर आप जाना चाहते हैं तो आप जाईए। (शोर)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, आपको कैसे पता है कि हम जाना चाहते हैं। हमें भी बोलने का अधिकार है। हम भी तो इस सदन के सदस्य हैं। मुख्य मंत्री महोदय अपने रिप्लाई में गलत बात कह रहे हैं।

**श्री अध्यक्ष** : आपको बोलने का पूरा अधिकार है लेकिन दूसरों के अधिकारों का अतिक्रमण करने का आपको कोई अधिकार नहीं है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी बात से सहमत हूं लेकिन हरियाणा के मुख्य मंत्री अगर कोई गलत बात कह जाएं और कोई सदस्य उस बारे में सच्चाई देना चाहे तो उसको जरूर सुनना चाहिए।

**श्री अध्यक्ष** : इनको रूल- 112 पढ़ना चाहिए। A member cannot seek information through the point of order.

**श्री बंसी लाल :** अब ये कह रहे थे कि कागज पढ़ लो। अब मेरे हाथ वह कागज भी लग गया है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने कहा कि प्राइवेटाइजेशन के बाद बिजली साढ़े पांच रुपए प्रति यूनिट पड़ेगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ उन्होंने यह भी कहा कि बिजली बोर्ड के सारे स्टाफ की भी छुट्टी हो जाएगी। मेरे पास फाईनैंशियल कमिश्नर ने एक नोट भेजा है-इसमें लिखा है-

'The liquid fuel technology is relatively simple. India is having know-how.'

एन०टी०पी०सी० की कौस्ट पड़ती है 1 रुपया 75 पैसे पर यूनिट, नौट 1 रुपया 35 पैसे पर यूनिट। अभी-अभी मेरे पास यह नोट आया है। इन्होंने कहा की प्राईवेटाइजेशन के बाद बिजली आगे साढ़े पांच रुपया पर यूनिट मिलेगी। साथ ही कह दिया कि बिजली बोर्ड के सारे स्टाफ की छुट्टी हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, मैंने यह बात कई बार साफ की है। सरकार के हर मंत्री ने साफ की है कि चाहे प्राइवेटाइजेशन हो और चाहे बिजली बोर्ड को रीस्ट्रैक्चिरिंग हो और रीस्ट्रैक्चिरिंग तो होगी ही चाहे वह किसी तरह से भी हो। बिजली बोर्ड के जो मुलाजिम हैं उनमें से किसी मुलाजिम की छुट्टी नहीं होगी, किसी की तनख्वाह नहीं घटेगी और न किसी की टर्म्ज ऑफ कंडीशन्ज बदली जाएंगी।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

**श्री बंसी लाल :** अध्यक्ष महोदय, हम इनका यह रवैया ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं करेंगे। We are not going to tolerate this any more now.

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** जो बात गलत कही जाएगी उसके बारे में तो हम बोलेंगे ही।

**श्री राम बिलास शर्मा :** स्पीकर साहब, चौटाला साहब ने अभी कहा कि एन०टी०पी०सी० की बिजली 80 पैसे प्रति यूनिट पड़ेगी। अभी आपको यह सूचना दी है कि एन०टी०पी०सी० की बिजली 80 पैसे प्रति यूनिट नहीं बल्कि 1 रुपया 75 पैसे प्रति यूनिट पड़ेगी। This is not questions hour. आपने अपनी बात एक घंटा दस मिनट तक बड़ी तसल्ली के साथ कही है। फिर आप इस तरह से गलत बात क्यों करते हैं?

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने कहा कि बिजली बोर्ड के कर्मचारियों की छंटनी नहीं होगी। मैं इनको कहना चाहता हूं कि शराब बंदी के बाद जो सरकारी डिस्टलरी के कर्मचारी थे उनकी छुट्टी हुई या नहीं इसलिए आप यह कैसे कह सकते हैं कि बिजली बोर्ड के कर्मचारियों की छुट्टी नहीं होगी।

**श्री बंसी लाल :** अध्यक्ष महोदय, हमारा तो बिजली का धंधा है। शराब का धंधा इनका था हमारा नहीं था। (शोर)

**श्री अध्यक्ष :** चौटाला साहब, आप इनका जवाब सुनें आप इसको क्वैश्चन आवर न बनाएं।

## वाक आउट

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, आप हमारी किसी भी बात को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। हाउस में मुख्य मंत्री जी गलत बयानी कर रहे हैं। स्पीकर साहब की तरफ से हमें यह डर दिखाया जा रहा है कि या तो हम बैठ जाएं वरना नेम कर देंगे। यह एक अनडैमोक्रेटिक तरीका है। इसको हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय समता पार्टी के सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्य वाक आउट कर गए)

# राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

**श्री राम विलास शर्मा** : स्पीकर साहब, फैक्टस को डिसटोर्ट किया गया। कल भजन लाल जी नाम नही बता सके। आज चौटाला साहब कह रहे हैं कि एन०टी०पी०सी० की बिजली 80 पैसे प्रति यूनिट पड़ेगी लेकिन अथैंटिक रिसोर्सिज यह कहते हैं कि 1 रुपया 75 पैसे पर यूनिट पड़ेगी।

**श्री बंसी लाल** : अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि चाहे हम इसको रीस्ट्रैक्चिरिंग में ज्वायंट वैंचर बनाएं। चाहे हम कोई इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड की सबसिडियरी बनायें चाहे हम किसी प्राईवेट एजेंसी को डिस्ट्रीब्यूशन दें। डिस्ट्रिब्यूशन का प्राईवेटाईजेशन करने से किसी ज्वायंट वेन्चर कम्पनी को देने से कोई भाव नहीं बढ़ेगा। इससे क्या होगा, चोरी रुकेगी और इससे टैम्परिंग ऑफ दी मीटर जो लोग टैम्पर कर लेते हैं वह बंद हो जाएगी। इसके अलावा बिलिंग जो आज कई जगह नहीं हो रही वह बिलिंग शुरू हो जायेगी। प्राईवेट सैक्टर वाले उसमें इन्वैस्टमैंट करने के लिए आगे आ जाएंगे, आज हमारे पास तो पैसा है नहीं। अगर अध्यक्ष महोदय, पैसा हो तो हम प्राईवेटाईजेशन का नाम भी न लें। जो छठा यूनिट बीच में पड़ा है, अध्यक्ष महोदय, छठा यूनिट उस समय 300 करोड़ रुपये में तैयार हो जाता यह श्री ओम प्रकाश चौटाला की सरकार, चौधरी देवी लाल जी व भजन लाल जी की सरकारों के वक्त में भी पड़ा था। इन्होंने बनाया क्यों नहीं किसने रोका था और आज हमारे पास भी पैसा नहीं है। इसके टैण्डर मांगे थे लेकिन इतफाक से फैसला नहीं हो पाया ( इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।) हो सकता है फिर हम टैण्डर मांगे यह चीजें बढ़काने की हैं कि प्राईवेटाइजेशन से बिजली के भाव बढ़ जाएंगे, इससे किसान मारा जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिये यह आश्वासन देता हूं कि किसान को 50 पैसे यूनिट बिजली मिलेगी और जो सबसिडी होगी वह हरियाणा सरकार देगी। इसके अलावा लाईन लौसिज घट जायेंगे । उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी धीरपाल जी ने कहा कि रोहतक डिस्ट्रिक्ट में चाईनीज मीटर लगाये जा रहे हैं। यह ठीक है कि अच्छी किस्म के मीटर खरीदे हैं और लगाये जा रहे हैं जिनको टैम्पर विद नहीं किया जा सकता । आज बहुत से मीटर टैम्पर विद हो जाते हैं। बिजली बोर्ड ने दो लाख मीटर चाईनीज फर्म से खरीदे हैं जो कि ठीक चलेंगे जिनमें कोई गलती नहीं हो पायेगी, उनकी बड़ी हाई एक्यूरेसी है। उपाध्यक्ष महोदय, श्रीमती करतार देवी और कुछ दूसरे मैम्बर साहेबान ने रोहतक जिले की बात कही। उस बारे में मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हम रोहतक जिले में 220 के०वी० का सब-स्टेशन बनाने जा रहे हैं।

The sub station will receive power directly from Panipat Thermal Station. The construction work of the 220 K.V. Sub Station, Rohtak alongwith Panipat Rohtak line in progress and is likely to be completed by the next financial year.

उपाध्यक्ष महोदय, भारत सरकार को रि-कन्स्ट्रक्शन ऑफ बिजली बोर्ड का बिल भेजा गया था, बिजली की अथोरिटी के लिए। यह चौधरी भजन लाल के वक्त भेजा गया था। मेरे आने से तो बहुत पहले भेजा गया था। हमको प्राईवेट सैक्टर में, वर्ल्ड बैंक से या सेन्ट्रल पावर फाईनेंसिंग अथोरिटी की जरूरत क्यों पड़ती है इसकी जरूरत यों पड़ती है कि हमारा जो डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम है वह 26 साल पुराना है। 26 साल पहले पूरे हरियाणा में मैंने बिजली लगाई थी उस वक्त के मुकाबले आज पावर की कंजम्पशन तो कई गुणा बढ़ गई जबकि बिजली की तारें व खम्बे वही के वही हैं। सब स्टेशन कुछ अपग्रेड जरूर हुए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, कई जगहें ऐसी होती हैं, जहां हमको एक लाईन से ट्यूबवैल को बिजली देनी होती है। ट्यूबवैल को बिजली देने के लिए एक फीडर लाईन 11 के०वी० की होती है जो आगे जाकर दो बन जाती हैं तो इन तारों में इतनी शक्ति नहीं है कि पूरी ताकत को ले सकें। तारें पुरानी होने

[श्री बंसी लाल]

के कारण उनमें ताकत इतनी नहीं है कि वे लगातार इस लोड को सह सकें इसलिए चार घंटे एक बार और चार घंटे दूसरी बार बिजली देते हैं। 4-4 घंटे मिला कर एक दिन में कम से कम आठ घंटे बिजली दी जा रही है। उपाध्यक्ष महोदय, आज सब स्टेशंज को अपग्रेड करना है तथा आज हमको और दूसरे काम करने हैं अगर ऐसा नहीं करेंगे तो डिस्ट्रीब्यूशन में सुधार लाने का कार्य नहीं हो सकता है और लो वोल्टेज की प्रॉब्लम पर काबू नहीं पाया जा सकता है। 220 के०वी०ए० की लाईन बिछनी है, नये सब-स्टेशंज बनने हैं अगर ऐसा नहीं होगा तो लो वोल्टेज होगी। सभी स्थानों पर पूरी सप्लाई नहीं हो पाएगी। पुराने साधन को रिप्लेस करने के लिए और डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम को स्ट्रैंथन करने के लिए 1200 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। लेकिन इन भाईयों को यह मन्जूर नहीं है क्योंकि इनकी यह सोच है कि बी०जे०पी० और हरियाणा विकास पार्टी ने अगर ऐसा कर दिया तो फिर ये भाई कभी लौट कर वापस नहीं आ पाएंगे। ये लोग कभी भी दोबारा यहां पर पावर में नहीं आएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, इनकी सोच सही भी है अगर भगवान ने चाहा तो हम टिकेंगे और ऐसे टिकेंगे कि ये भाई लौट कर सत्ता में नहीं आ पायेंगे और अपने घरों में बैठ जाएंगे । (विघ्न) पिछले जनवरी और फरवरी के महीनों में बिजली की कुछ कमी रही इसके कुछ खास कारण रहे हैं। इसका एक कारण तो यह रहा है कि नॉर्दन रीजन में बारिश ही नहीं हुई। दूसरी ओर पूरे नॉर्दन रीजन में ग्रिड में गड़बड़ हो गई। गैस बेस्ड प्लांट से 21 दिन के लिए गैस की सप्लाई बन्द हो गई क्योंकि वहां पर रिपेयर वर्क चल रहा था। इस प्रकार के मरम्मत के कार्य भी होते ही रहते हैं। सिंगरौली, रिहन्द और दादरी फीडर में भी कुछ तकनीकी खराबी आ गई थी जिस कारण पावर की सप्लाई में गड़बड़ी हुई है। सरहिन्द कैनाल से भी 21 दिन तक पानी की सप्लाई न होने के कारण बिजली की सप्लाई में दिक्कत हुई, क्योंकि यह नहर भी वहां पर रिपेयर के लिए 3 हफ्ते के लिए बन्द रही। डिप्टी स्पीकर साहब, ये सब दिक्कतों और अनवॉयडेबल सरकमस्टांसिज़ की वजह से बिजली की सप्लाई में बाधा हुई। इसमें सरकार की कोई इनएफिशिएंसी नहीं रही। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद 220 के०वी०ए० का सब-स्टेशन निसिंग में 132 के०वी०ए० का सब-स्टेशन सम्भा में 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन हथीन में और 33 के०वी०ए० के 4 नये सब-स्टेशंज़ अलेवा, नहला, सीवन गेट जिला कैथल तथा बरसा डिस्ट्रिक्ट जीन्द में बनाए हैं। बाकी दूसरे 45 सब-स्टेशंज़ का ऑगुमैंटेशन किया है। उपाध्यक्ष महोदय, हम एक-एक चीज़ सोच समझ कर रहे हैं। 220 के०वी०ए० के 7 सब-स्टेशंज़ और तैयार कर रहे हैं। 12 सब-स्टेशंज़ 132 के०वी० के, 9 सब-स्टेशंज 66 के०वी०ए० के, 23 सब-स्टेशंज 33 के०वी०ए० के करण्टली इन प्रोग्रैस हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हम कोशिश कर रहे हैं कि बिजली की कमी की वजह से किसानों को कोई नुकसान न हो। यह जो चार सब-स्टेशंज़ अपग्रेड कर रहे हैं 110 मेगावाट के, इनसे 929 मिलियन यूनिट की बजाए 3 हजार मिलियन यूनिट बिजली मिलेगी और 40% कोयले की खपत में कमी आयेगी। पानीपत थर्मल प्लांट की छठी यूनिट को चालू करने के लिए हम पैसे का प्रबन्ध करने की कोशिश कर रहे हैं और जैसे ही पैसे का प्रबन्ध हो जाएगा जल्दी से जल्दी इस यूनिट को चालू करने की कोशिश करेंगे। इस यूनिट के चालू होने से 25 मैगावाट बिजली की अतिरिक्त प्रोडक्शन हो सकेगी। 400 मेगावाट का गैस बेस्ड प्लांट लगाने के लिए एन०टी०पी०सी० को जगह एक्वायर करके दी है। 11 करोड़ रुपया हरियाणा सरकार ने इसके लिए रखा है। कैबिनेट की सब कमेटी ने इसको क्लीयर कर दिया है और तीन तारीख तक यह केस निकल जाना चाहिए। उसके बाद यह काम शुरू हो जाएगा। ये भाई मुखालफ़त करते हैं कि प्राईवेटाईजेशन क्यों कर रहे हैं। आज कलकत्ता में सी०पी०एम० की सरकार है, वहां पर 30 लाख कनैक्शन हैं। हमारे पूरे हरियाणा प्रदेश के अन्दर 32 लाख कनैक्शन हैं। श्री ज्योति बसु ने ट्रांसमिशन, जनरेशन और डिस्ट्रीब्यूशन

को प्राईवेटाईज कर दिया है। बम्बई में, अहमदाबाद में और औरंगाबाद में जो कि महाराष्ट्र में है, वहां पर प्राईवेटाईजेशन है। उड़ीसा ने भी चार-पांच जिले बम्बई की एक कम्पनी को दे दिये हैं। वैस्ट बंगाल में भी आसनसोल को प्राईवेटाईज कर दिया गया है। मेरी समझ में यह बात नहीं आती है कि इनको इससे क्या तकलीफ है। तकलीफ तो उन लोगों को है जो बिजली की चोरी करते हैं या बिजली बोर्ड के उन थोड़े से कर्मचारियों को है जो बिजली चोरी करवाते हैं, उसमें भागीदार हैं। प्रधान मंत्री जी ने पार्लियामैंट में भाषण देते हुए कहा -

'This task is impossible without the involvement of the private sector in power generation.'

This is what Mr. Deve Gowda maintained. उत्तर प्रदेश ने फैसला कर लिया है कि वे प्राईवेटाईजेशन करने जा रहे हैं। राजस्थान व कर्नाटक ने भी टैण्डर काल कर रखें हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इसके रिजल्ट अच्छे होंगे। शुरु से लेकर आज तक बिजली बोर्ड का लौस 338 करोड़ 39 लाख का बनता है, जिसमें से 14 करोड़ 92 लाख रुपये बिजली बोर्ड को दे चुके हैं और ट्यूबवैल्ज़ की सबसिडी का 1636 करोड़ 77 लाख रुपए देना है। उपाध्यक्ष महोदय, किसानों के ट्यूबवैल्ज़ को बिजली देने के लिए इन्डस्ट्रीज के ऊपर कट लगाया है यह कट सुबह 5½ बजे से 8 बजे तक अढ़ाई घंटे का है। शाम को साढ़े छः बजे से 10 बजे तक का साढे तीन घंटे का कट है। कुल मिला कर यह छः घंटे का कट लगाया गया है। हमने 19 दिन इन्डस्ट्री बंद रखी जिसकी वजह से टोटल घाटा 88.74 करोड़ रुपए का हुआ। हमने किसानों की भलाई के लिए यह नुक्सान सहा है। उपाध्यक्ष महोदय, कुरुक्षेत्र जिला पैडी ग्रोइंग एरिया है। इसके लिए अलग से एक स्कीम है इसका नाम ओ०इ०सी०एफ० है। इसके तहत कुरुक्षेत्र जिले को बराबर बिजली सप्लाई के डिस्ट्रीब्यूशन और सब-स्टेशन को स्ट्रैंग्थन करने के लिए 34 करोड़ 13 लाख रुपए खर्च होंगे। उपाध्यक्ष महोदय, विपक्षी दलों के पास कहने को तो कुछ था नहीं। इन्होंने एक ही बात कह दी कि शराब की स्मगलिंग हो रही है। मैं इस चीज से इंकार नहीं करता कि शराब की स्मगलिंग होकर आ रही है लेकिन एक दिन हमने इस बारे में बैठकर हिसाब लगाया था। गोदारा साहब, गणेशीलाल जी और संबंधित अधिकारियों ने इस बारे में हिसाब लगाया था। उपाध्यक्ष महोदय, पहले जब शराब के ठेके चलते थे तो उस वक्त भी शराब की स्मगलिंग इतनी ही होती थी लेकिन उस वक्त की स्मगलिंग बता कर आज की होने वाली स्मगलिंग से हम बच नहीं सकते हैं। उस वक्त के मुकाबले में आज जो हरियाणा में शराब की खपत है या जो शराब लेते हैं वह लगभग एक परसैंट से ज्यादा नहीं है। हमने यह अच्छी तरह से हिसाब लगा लिया है। एक एक आंकड़े देखकर हिसाब लगा लिया है। मगर हम क्या करें अपोजिशन वाले तो कुछ भी कह देते हैं। शराब के कारण अगर सबसे ज्यादा आदमी गिरफ्तार हुए हैं तो वे इन भाईयों के ही आदमी हैं। उपाध्यक्ष महोदय, शराब के बंद होने के बाद क्राइम रोकने पर कितना अच्छा असर पड़ा है यह मैं आपको बताना चाहूंगा । उपाध्यक्ष महोदय, 11-5-95 से लेकर 31-1-96 तक हरियाणा में 525 मर्डर हुए हैं और 11-5-96 से 31-1-97 तक शराब बंदी के बाद 422 मर्डर हुए हैं यानी 103 मर्डर कम हुए। इसी तरह से 11-5-95 से लेकर 31-1-96 तक मर्डर करने की कोशिश के केसिज 268 हुए और 11-5-96 से लेकर 31-1-97 तक 236 केसिज यानी 32 केसिज कम हुए। इसी प्रकार से असाल्ट ऑन गवर्नमैंट सर्वेन्ट के केसिज 11-5-95 से 31-1-96 तक 415 हुए और 11-5-96 से 95 से 31-1-96 तक 2947 हुए जबकि अगले साल ये केसिज इतने ही समय में 2598 हुए यानी 345 केसिज कम हुए। इसी तरह से डकैती के केसिज 11-5-95 से लेकर 31-1-96 तक 50 हुए और अगले साल इतने ही समय में ये केसिज 36 हुए यानी 14 केसिज कम हुए । इसी

[श्री बंसी लाल]

तरह रौबरी केसिज 11-5-95 से लेकर 31-1-96 तक 211 हुए और अगले साल इतने ही समय में ये केसिज 153 हुए यानी 58 केसिज कम हुए। इसी प्रकार से छुटपुट आई०पी०सी० के दूसरे केसिज 11-5-95 से लेकर 31-1-96 तक 22596 हुए और इस साल ये केसिज 21571 हुए यानी 1025 केसिज कम हुए हैं। इसी प्रकार से आर्म्स एक्ट में पिछले साल ये केसिज 830 हुए और इस साल 11-5-96 से 31-1-97 तक 687 केसिज हुए यानि 143 केसिज कम हुए इसके अलावा दूसरे स्पैशल लॉज में पहले 1283 केसिज हुए और इस साल 11-5-96 से लेकर 31-1-97 तक 1239 केसिज हुए यानी ये 44 केसिज कम हुए। उपाध्यक्ष महोदय, आज सड़क के ऊपर व्हीकल्ज बढ़ते ही जा रहे हैं लेकिन इसके बावजूद भी जब कि पूरे देश में क्राईम के फिग्गर्ज बढ़ते जा रहे हों, तो हरियाणा में यह घटे हैं इसलिए यह हमारी अचीवमैंट है। ये नुक्ताचीनी करने में तो बड़े फ्राखदिल हैं। लेकिन ये थोड़ी बहुत भली बात कहने में बड़ी कंजूसी बरत गए। हमारी ट्रांसफार्मर्ज की मरम्मत की जो क्षमता है वह 12 हजार साल की है। हम एच०एस०ई०बी० की वर्कशाप में छोटी-मोटी मरम्मत करते हैं। 9896 ट्रांसफार्मर्ज की एच०एस०ई०बी० की वर्कशाप में मरम्मत हुई और 13388 की प्राइवेट वर्कशाप में और प्राइवेट कारखानों में हुई। ट्रांसफार्मर क्यों जलते हैं ? जब डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम कमजोर हो तथा पावर जब आती है तो डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम कमजोर होने की वजह से वह लोड झेल नहीं सकता है जब पावर आती है तो तार उड़ जाते हैं या पीछे से पावर आती है और उसकी वोल्टेज कम होती है तो ट्रांसफार्मर जल जाते हैं। इस चीज को ध्यान में रख उसी हिसाब से हमको काम करना पड़ेगा। गन्ना मिलों की बात कही गई। गन्ना मिलों के बारे में जैसा मैंने पहले बताया था कि उत्तर प्रदेश में 67 परसैंट गन्ना खांडसारी को जाता है जो पहले 25-30 रुपये का भाव था या ज्यादा से ज्यादा 40 रुपये था आज 70 रुपये तक पहुंच गया है लेकिन हमने एक दिन भी इस चीज में लचक नहीं दिखाई और भाव हम अड़ोस-पड़ोस की स्टेट जैसे पंजाब और यू०पी० से कम नहीं करेंगे। हमने भाव 76-78 रुपये और 80 रुपये करवाया। यह हो सकता है कि किसी मिल के पास पैसे का प्रबन्ध न हो क्योंकि बैंक पूरा फाइनैंस नहीं करता, वे जो कम पेमैन्ट करते हैं तो उनको लिख कर देना पड़ता है कि पहली इन्सटालमैंट में भाव 80 रुपये का देना पड़ेगा। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे एक साथी अनिल विज जी ने एक सुझाव दिया है। उस सुझाव पर गौर करने की जरूरत है कि एम्पलायर और एम्पलायी में गैप बहुत हो गया है। मैं भी उनकी बात से सहमत हूं और इसके लिए व्हिटले काउंसिल का ढांचा मंगाकर हम उसी रास्ते पर चलकर ऐसा रास्ता निकालेंगे कि एम्पलायी और एम्पलायर में कोई गैप न रहे और वे आपस में बैठकर मसले हल करते रहें। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, कहने को तो हमारे दोनों ही साथी तरह-तरह की बातें कहते थे लेकिन हरियाणा में पिछले 7-8 साल में एक मेगावाट पावर जनरेट करने का भी कोई प्लांट नहीं लगा। हम अगले 3 साल के अंदर 1500 मेगावाट के प्लांट लगा देंगे। इसमें 400 मैगावाट फरीदाबाद में गैस बेस्ड, 210 मेगावाट का छठा प्लान्ट पानीपत में और 120-120 मैगावाट के दो प्लांट पानीपत रिफाइनरी वाले लगा के देंगे। उनके जो रिफ्यूज निकलते हैं उससे वे बना कर देंगे। इसके अलावा यह जो हमारे प्लांट अपग्रेड हो जाएंगे इससे हमको 250-300 मैगावाट बिजली मिलेगी। इसके अलावा 25-25 मैगावाट वाले प्लांट भी मिलेंगे। भगवान ने यदि चाहा तो हम 1500 मेगावाट से आगे चले जाएंगे जबकि पिछली सरकार ने 7-8 साल में एक भी प्लांट नहीं लगाया। कोई बात चले वह भिवानी से चलती है खराब हुआ और अच्छा हुआ तो इनके पास हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, यह बात कहनी तो बहुत आसान है लेकिन ये इन बातों को खाली बदनाम करने के लिए कहते हैं और कोई इनकी बातों का तथ्य नहीं है इनकी बातों में किसी किस्म की सदाकत नहीं है। आज की हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की गठबन्धन सरकार

किसी भी इलाके के साथ डिस्क्रिमिनेशन नहीं करेगी चाहे वह चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की कांस्टीच्यूंसी हो या चौधरी भजनलाल की कांस्टीच्यूंसी हो या किसी और की कांस्टीच्यूंसी हो, हम तरक्की के काम सबके हल्कों में करेंगे। जहां तक कमर्शियल टैक्सों का मामला है, उपाध्यक्ष महोदय, पिछले साल 1995-96 में टोटल कमर्शियल टैक्सिज की रिकवरी 1276 करोड़ 98 लाख रुपये की हुई और इस साल 31 जनवरी तक हो चुकी है 1307 करोड़ 97 लाख 113 रुपये की। हमें उम्मीद है कि यह रिकवरी इस साल की 1650 करोड़ रुपये तक आ जायेगी यानि करीब 30 प्रतिशत की इसमें बढ़ोतरी होगी जो अपने आप में एक रिकार्ड है। ये तो कहते थे कि शराबबन्दी के कारण जो नुकसान हुआ है वह कहां से पूरा होगा? तो 400 करोड़ तो हम इसी में पूरा कर लेंगे। जैसा कि चौटाला साहब ने कहा कि सेठ सिरी किशन दास के रिश्तेदारों का टैक्स हमने चार प्रतिशत से एक प्रतिशत कर दिया। उपाध्यक्ष महोदय, जब यह टैक्स चार परसेंट था तो दिसम्बर, 1996 में हमको जो रुपया उससे मिला वह 9 लाख 43 हजार रुपये मिला और कंसाईनमैंट सेल दिखाकर वे इसको कम भी कर सकते हैं क्योंकि वे ऐसा कर सकते हैं। जब हमने एक परसेंट टैक्स कर दिया तो जनवरी, 1997 तक हमारी आमदनी 9 लाख 43 हजार से बढ़ कर 27 लाख 72 हजार रुपये हुई जोकि तीन गुना आमदनी हो गई है। इनको तो कुछ न कुछ कहना ही है क्योंकि इन्होंने तो किसी न किसी की मुखालफत करनी ही है। इसी तरह सेठ सिरी किशन दास के लड़के की एक फैक्टरी है। उसके बारे में इन्होंने कहा कि उसका टैक्स काट दिया। इसमें क्या हुआ कि इस फैक्टरी में आग लग गई थी और अब वह छः महीने से बन्द पड़ी है। टैक्स घटाने से हमको पहले से ज्यादा आमदनी होगी। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) जहां तक बिजली के सुधारीकरण का सवाल है इसे चाहे सुधारीकरण कहें चाहे प्राईवेटाईजेशन कह लें। अभी तक हम दूसरे प्रदेशों का सिस्टम स्टडी कर रहे हैं कि महाराष्ट्र में क्या है, गुजरात में क्या है, वैस्ट बंगाल में क्या है, उड़ीसा में क्या है और दूसरे प्रदेशों में क्या है। सबको देखने के बाद हम इस चीज को इस सदन के सामने लायेंगे। सबकी अच्छाई और बुराई देखकर जो प्रदेश के इंट्रैस्ट में होगा, वह बात करेंगे। इस सदन को पूरी बहस का मौका देंगे और उसके बाद पास करेंगे। सभी अपोजीशन पार्टीयों से बात करके, सदन के सामने रख कर थोरोली डिस्कशन करके फिर पास करेंगे, ऐसे ही नहीं करेंगे। हम प्रदेश की जनता को इसकी असलियत समझायेंगे। ये अभी तक जनता को गुमराह करते रहे हैं। जब इस सदन के अन्दर इतने बड़े गोले हांक सकते हैं तो बाहर तो पता नहीं कितने बड़े-बड़े गोले या हाईड्रोजन बम से बड़े गोले हांकते होंगे। अध्यक्ष महोदय, हमारा उद्देश्य है और इस आज की सरकार का यह फैसला है कि इसके प्रत्येक काम में टोटली ट्रांस्पेरेंसी हो। जो पब्लिक इंट्रैस्ट की बात हो वह पब्लिक के सामने रखी जाए। अभी पंजाब के राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में चण्डीगढ़ के बारे में पंजाबी स्पीकिंग एरियाज और पानी के बारे में चर्चा हुई। हमारे विरोधी साथियों ने हमें जो सुझाव दिया हमने एक मिनट में उसको मान लिया। जैसे ही पंजाब के राज्यपाल महोदय का अभिभाषण आया, मैंने स्वयं गोदारा साहब और रामबिलास जी को कहा कि अपोजीशन को बुलाकर के इस पर विचार विमर्श किया जाए। यह स्टेट के इंट्रैस्ट की बात है। इसके लिए जितने हम जिम्मेवार हैं वह भी उतने ही जिम्मेदार हैं। यह नहीं है कि हम बहुमत में हैं और जो मर्जी आए कर दें। यह प्रदेश के इंट्रैस्ट की बात है। इसको लिंगर आन होते होते बहुत साल गुजर गए। अब तो इस बात का कुछ हल होना चाहिए। इस के लिए हम सभी लोगों ने आपस में मीटिंग भी की और हम सब एक राय के थे और जो कुछ भी निर्णय होगा वह हम सदन के सामने लाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार की यह कमिटमैंट है कि भारत सरकार पांचवे पे कमीशन को जिस प्रकार मंजूर करेगी, हम भी उसी तारीख से तथा उसी हिसाब से हरियाणा के कर्मचारियों को देंगे। (थंपिंग) पिछली सरकार जो कांग्रेस की सरकार थी वह हमारे जिम्मे 300 करोड़ रु० का कर्जा बाढ़ के वक्त का लेकर छोड़ गई। यह बजट में कहीं भी

[श्री बंसी लाल]

रिफलैक्ट नहीं हुआ और इसकी सालाना इंस्टालमैंट हम 139 करोड़ रु के हिसाब से दे रहे हैं। लेकिन कहीं भी यह बजट में रिफलैक्टिड नहीं है। गन्ने की कीमत भी पिछली सरकार 69 करोड़ रु० छोड़ गई जो कि अब 6 करोड़ 75 लाख रु० बाकी है। बाकी हम सब दे चुके हैं। सफाई कर्मचारियों की तनख्वाह के बारे में डॉ० कमला वर्मा ने पहले ही बता दिया है। सम्मान बुढ़ापा पैंशन का जो दो महीने से 19 करोड़ रु० बकाया था, वह भी आकर के हमने ही दिया है। चौकीदारों के लिए मैंने बबैन में आज एक साल पहले वायदा किया था कि जैसे ही हमारी सरकार आएगी तो आप लोगों को 300 रु० भत्ता देंगे। वह हमने 400 रु० उनको दे दिया है। अब ये बात-बात में कह जाते हैं कि मुख्यमंत्री ने वायदा किया था। ये समझते हैं कि हर आदमी इनकी तरह ही वायदा करता है। मैं इनकी तरह वायदा नहीं करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैंने कर्मचारियों के बारे में यह वायदा किया था कि उनकी जायज बातें मान ली जाएं और हमारे मैनीफैस्टो में भी यही था। किसी जायज बात को मानने से हम इन्कार नहीं करते हैं। अध्यक्ष महोदय, लॉ एण्ड आर्डर के बारे में मैंने बताया। गन्ना मिलों में जो हड़ताल हुई। अब ये श्रीमान जी चले गए, अब क्या कहें इनको। किसानों के बड़े हमदर्द बनते हैं, किसानों की बात कहते हैं, लेकिन इसके उल्ट करते हैं। इनकी करनी और कथनी में बड़ा फर्क है। हर शुगर मिल में जाकर यह कह कर आए कि गन्ना मिलों में हड़ताल कर दो ताकि किसान इस सरकार के ऊपर लठ लेकर चढ़ जाएं। इन्होंने किसानों का हित नहीं देखा। इन्होंने सिर्फ इतनी ही बात देखी है कि इस सरकार को गिरा दो । इनको यह पता नहीं कि यह देवी लाल की या ओम प्रकाश चौटाला की सरकार नहीं है, जो गिर जाएगी। कैसे गिर जाएगी? चौधरी भजन लाल जी भी हिसार से आ रहे थे तो मेहम में खड़े होकर के मिल में किसानों को भाषण दे गए कि गन्ना मत लाओ तथा मजदूरों से कहा कि हड़ताल कर दो, तुम्हारी हर बात मानी जाएगी। अब हैरानी की बात यह है कि ये बात तो किसानों के भले की, प्रदेश के भले की और देश के भले की करते हैं लेकिन एक्शन उसके उल्ट लेते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद से प्रदेश में कंपलीट इंडस्ट्रियल पीस अर्थात अमन-चैन है कहीं पर भी मालिक-मजदूरों में झगड़े नहीं होते हैं अगर कहीं छोटे-मोटे होते भी हैं तो अधिकारी उन्हें फौरन सुलझा लेते हैं। जहां तक ट्रांसपैरेंसी का सवाल है, चौधरी भजन लाल जी का यह कहना है कि आइजन बर्ग से बिजली ले लो अगर आइजन बर्ग से हम बिजली ले लें तो क्या ट्रांसपैरेंसी हो जाएगी। ट्रांसपैरेंसी तो एम०ओ०यू० पर साइन करेंगे तभी आएगी। जब वर्ल्ड वाइड टैंडर्ज इन्वाइट करेंगे तो ही ट्रांसपैरेंसी आएगी और जो टैंडर सबसे लोएस्ट होगा उसके साथ ही एम०ओ०यू० साइन किया जाएगा। जो स्टेट के इंट्रैस्ट में बात होगी हम वहीं करेंगे। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने क्राइम्ज के बारे में जो कहा था अगर आप कहें तो मैं यह पढ़ कर सुना देता हूं इसको पढ़ने में कम से कम दो घंटे का समय लगेगा। उन्होंने जितने केसिज का रैफ्रैंस दिया था उन एक-एक केसिज के बारे में मेरे पास कम्पलीट डिटेल है। चौटाला साहब ने जिन-जिन केसिज के बारे में कहा उनकी मेरे पास एफ०आई०आर० तक है और जो एक्शन हुआ उसकी इन्फर्मेशन मेरे पास है। लेकिन चौटाला साहब वाक आउट करके चले गए कैसे बताऊं।

**श्री अध्यक्ष** : उसको पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

**एक आवाज** : आप उनको एक-एक कापी दे दें।

**श्री बंसी लाल** : इसमें मुझे कोई एतराज नहीं है। अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० कैनाल के बारे में भी कहा गया अब वे हाउस में हैं नहीं इसके बारे में उनके सामने डिस्कस करेंगे। इस बात की बार-बार चर्चा करते हैं कि मुख्य मंत्री ने कहा था कि प्रदेश में 24 घंटे बिजली देंगे। इस बात से मैं आज भी

इन्कार नहीं करता। हम इस सरकार के पांच साल के टैन्योर को पूरा होने से पहले लोगों को 24 घंटे बिजली देंगे। कोई देर नहीं लगाएंगे। एक लुभावना नारा लगा देते हैं कि किसानों को बिजली महंगी मिलेगी, कंज्यूमर्ज को बिजली महंगी मिलेगी। हमने जितनी बार उनकी बातों को सुना इसी बात का वे रीपीटीशन करते थे। अध्यक्ष महोदय, सलैब रेट के बारे में मैंने बता ही दिया। कल चौटाला साहब ने कहा था कि सलैब रेट चौधरी देबी लाल जी ने दिया था। सलैब रेट मैंने जनवरी 1971 में दिया था यह आप बिजली बोर्ड के रिकार्ड में देख सकते हैं। सैक्रेटरी आर०टी०एज० की पोस्ट को हमने खत्म कर दिया सारी स्टेट में केवल 6 सैक्रेटरी आर०टी०एज० थे। अब हमने एस०डी०एम्ज० को वह अखित्यार दे दिया उसमें कोई दिक्कत ही नहीं है। चौटाला साहब हाउस में बैठे नहीं क्योंकि मेरा जवाब सुनने के लिए अगले की छाती ही नहीं है जो यहां ठहर जाए। उनमें अपनी कहानी सुनने की इतनी हिम्मत तो होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, लाटरी को बंद करने का मैंने वायदा किया था। लाटरी को हम बंद करने जा रहे थे लेकिन सुप्रीम कोर्ट की रुलिंग आ गई कि स्टेट अपनी लाटरी बंद कर सकती है दूसरी स्टेट की लाटरी अपनी स्टेट में बिकने से नहीं रोक सकती। दूसरी स्टेट्स की सारी लाटरी हमारी स्टेट में आ गई। लाटरी बंद करने का हमारा मतलब तो यह था कि अगर हम लाटरी बंद कर देंगे तो हरियाणा स्टेट में किसी भी लाटरी की टिकट नहीं बिकेगी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की रुलिंग के बाद दूसरी स्टेट की लाटरी हमारी स्टेट में बिक सकती है इसलिए हमने सोचा कि यदि हमारी स्टेट में दूसरी स्टेट की लाटरी बिकेगी तो हम अपनी लाटरी क्यों बंद करें इसलिए हमने उसको चालू रखा। एक बात यह कह दी कि सेल्ज टैक्स 20 परसैंट से घटा कर 7 परसैंट कर दिया। अध्यक्ष महोदय, सेल्ज टैक्स घटाने से हमारी आमदनी बढ़ी है क्योंकि उत्तर प्रदेश ने या किसी दूसरे प्रदेश ने सेल्ज टैक्स 7 परसैंट कर दिया था इसलिए हमको भी 7 परसैंट करना पड़ा।अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी कह गए कि स्टेट में ला एंड आर्डर बहुत खराब है। इनके समय में सुशीला कांड, रेणुका कांड न जाने कितने कांड हुए। यह तो रमलू वाली बात है देखता जाऊं और रोता जाऊं इनके समय में ला एण्ड आर्डर की कोई चीज नहीं थी। यानि हिसार के किसी व्यापारी का चौधरी भजन लाल के दामाद की फैक्टरी के साथ कुछ लेन देन था। वह व्यापारी हिसार से कोर्ट की पेशी के लिए चला तो रास्ते में हांसी के पास ही उसको चक लिया। फिर बाद में इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस कप्तान, एडीशनल पुलिस कप्तान और इन्सपैक्टर की कैद की। ये हमको क्या लॉ एंड आर्डर सिखायेंगे। बड़े ताज्जुब की बात है कि ये अपने गिरेबान में मुंह डाल कर नहीं देखते। शीशे के महल में बैठकर दूसरों पर पत्थर फैंकते हैं, हैरानगी की बात है। भजन लाल ने बोलते हुए कह दिया कि अब हरियाणा में पहले से 5 गुणा अधिक शराब बिकती है। चौधरी भजन लाल जी को तो ऐसा दिखता है कि जो पानी है वह भी शराब का दिखता होगा क्योंकि उनके दामाद की फैक्टरी है, एक है, दो है, मुझे पता नहीं कितनी हैं लेकिन एक हिसार वाली तो है ही। यहां पर शराब के माफिया का जिक्र आया। मैं समझता हूं कि माफिया या गैंग तो हरियाणा प्रदेश में कोई आपरेट नहीं कर रहा लेकिन अध्यक्ष महोदय, शराब कुछ लोग लाते हैं और कई बार टैंकर भर कर लाये हैं लेकिन शायद ही कोई टैंकर हरियाणा की पुलिस से बच कर निकला हो, कोई नहीं निकला। सरकार अब इस कानून को और सख्त करने जा रही है। इसी सदन में बिल ला रही है। चौधरी भजन लाल जी ने कह दिया कि 10-12 आदमी शराब के माफिया गिरोह के थे, मारे गए। इन्होंने कहा कि इलाके बांट रखे थे, इस बात पर कत्ल हो गए कि एक आदमी दूसरे की हद में क्यों गया। अध्यक्ष महोदय, मैं तो भिवानी में रहता हूं। हमको तो पता नहीं लगा, ऐसे कौन से आदमी हैं जिन्होंने ये इलाके बांट रखे हैं और कहां 10-12 आदमी झगड़े में मारे गए। आज तक हमारी समझ में तो यह बात नहीं आई। इस बारे में मैंने भी पूछा आपने भी पूछा। फिर कहने लगे कि फिर बताऊंगा उनसे इस बारे में फिर पूछेंगे, वे कल बता देंगे हमें क्या एतराज है।

[श्री बंसी लाल]

भजन लाल ने कहा कि कपास के भाव इतने गिर गए कि किसान की कमर टूट गई। इस पर सरदार जी ने उसी वक्त कह दिया कि कपास के भाव तो पिछली बार से ऊंचे हैं। चौधरी धीरपाल जी ने एक बात कही कि, मेरी मौजूदगी में कहीं की बिजली के बिल ज्यादा आते हैं। उन्होंने नम्बर भी दिए। मैं बताना चाहूंगा कि अगर कहीं ऐसी इरैगुलरेटी हुई है तो उसे मैं दिखवा लूंगा। जो इस किस्म की इरैगुलरेटीज हुई हैं, वे किसी की शरारत से हुई होंगी तो उसकी इन्कवायरी करेंगे। अध्यक्ष महोदय, कोई ठेकेदार या अधिकारी चाहे वह चाहे कितना ही बड़ा आदमी हो, किसी के नजदीक हो, माफ नहीं किया जायेगा, यह मैं सदन को आश्वासन देता हूं। यहां पर एक बात को-आप्रेटिव सोसाइटीज को काम देने की बात आई यह ठीक है कि को-आप्रेटिव सोसाईटीज को काम मिलना चाहिए। चौधरी धीरपाल जी चले गए। मैं उनसे कहूंगा कि को-आप्रेटिव सोसाईटीज से टेण्डर दिलवाया करो, हम उनको जरूर काम देंगे। को-आप्रेटिव सोसाईटीज को हम काम देने में प्राथमिकता देंगे। ऐसी कोई वजह नहीं कि को-आप्रेटिव सोसाइटीज को काम न मिले। इसी प्रकार से रोंग बिलिंग ऑफ पावर की बात उन्होंने कही। यह मैंने भी सुनी है। आपने भी बिल ठीक करवाये हैं कई जगह पर रोंग बिलिंग ऑफ पावर हो रही है। हम उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करेंगे, जो लोगों को गल्त बिल भेजकर उनको हैरान करते हैं। उन्होंने कहा कि टेल पर पानी नहीं पहुंचता, वह मैंने बता दिया। यहां पर मेहम और लाखन माजरा की एलाइनमैंट की बात हो रही थी। अध्यक्ष महोदय, एलाइनमेंट का काम मेरा नहीं है। यह काम है इन्जीनियर्ज का। जहां से पानी ठीक निकल सकेगा वहां से ड्रेन बना देंगे। अगले मौनसून से पहले यह ड्रेन बना देंगे, मैं तो इतनी ही बात इस बारे में कहूंगा। एक इन्होंने कहा कि हम ट्रक पकड़ कर देते हैं लेकिन उस ट्रक को छोड़ दिया जाता है। जिस किसी ट्रक को पकड़ा गया है उसका नम्बर वगैरा तो कोई बताएं कि किस का ट्रक था और किस अफसर ने उसको छोड़ा। अगर किसी अधिकारी ने ऐसी कोताही की होगी तो उसके खिलाफ तुरन्त एक्शन लिया जाएगा, किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाएगा। निर्मल सिंह ने बोलते हुए दादू पुर नलवी के बारे में बिल्कुल ठीक कहा है। जैसे ही हमारे पास इसके लिए फण्ड्ज़ अवेलेबल होंगे हम फौरन दादू पुर नलवी नहर को बनाएंगे। चौधरी खुर्शीद अहमद जी ने क्रप्शन का जिक्र किया। अध्यक्ष महोदय, मैं यह तो नहीं कहता कि क्रप्शन बिल्कुल खत्म हो गई है। पूरी तरह से क्रप्शन को खत्म करना किसी के भी बस की बात नहीं है। यह किसी के भी काबू में पूर्ण रूप से आने वाली नहीं है। हमने क्रप्शन में काफी कमी कर दी है और इसको और भी घटाएंगे। जो भी क्रप्शन का केस हमारे नोटिस में आएगा हम किसी को भी माफ नहीं करेंगे। पब्लिक सर्विस कमीशन और एस०एस०एस० बोर्ड में किसी प्रकार की सिफारिश का काम नहीं रहेगा। हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन तो एक एटोनोमस बॉडी है उसमें हम कुछ नहीं कर सकते हैं लेकिन सुबोर्डिनेट सर्विसिज़ सिलैक्शन बोर्ड में अब सब कुछ कम्पयूटराईज्ड होगा। पहले तीन महीने के बाद रिकार्ड डिस्ट्रॉय कर देते थे लेकिन अब यह रिकार्ड परमानैंटली वहां पर फीड रहेगा और कोई भी व्यक्ति कभी भी उस रिकार्ड को देख सकता है कि किस ढंग से हरियाणा सबोर्डिनेट सर्विसिज़ सिलैक्शन बोर्ड ने किसी भी पद के लिए सिलैक्शन किया है। मैरिट के आधार पर सिलैक्शन होगा और गल्त आदमी सिलैक्ट न हो ऐसा प्रयास किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार आने के बाद किसी आदमी ने ऐसा नहीं कहा कि सरकार के आने के बाद नौकरियों के लिए पैसे लिए गए हैं। नौकरियों के लिए किसी से कोई भी पैसा नहीं लिया जाएगा और अगर ऐसा कोई इन्सटांस नोटिस में आया तो सख्त कार्यवाही की जाएगी। कोई भी आदमी ऐसा नहीं कह सकेगा कि नौकरियों के लिए कोई पैसा लिया गया है। अध्यक्ष महोदय, श्री कैलास चन्द्र शर्मा ने एक बहुत ही अच्छी बात कही कि फ्लड के पानी को दोहन और कृष्णावती नदियों में डाल दिया जाए तो वह पानी उस इलाके में आ जाएगा इन नदियों के साथ अगर

दीवार बना दी जाए और उस पानी को रोका जाए। छोटे-छोटे डैम बना कर उसमें पानी डालें तो उससे काफी फायदा हो सकता है। उनका यह सुझाव बहुत ही अच्छा है इस बारे में जितना भी हम से सम्भव हो सकेगा वह हम करेंगे। उनसे भी इस बारे में हम सलाह करेंगे और इन्जीनियर्ज़ से भी इस बारे में विचार विमर्श करेंगे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र जी ने बोलते हुए यह कहा कि टॉप हैवी एडमिनिस्ट्रेशन नहीं होना चाहिए। मैं खुद इस बात का हामी हूं कि टॉप हैवी एडमिनिस्ट्रेशन नहीं होना चाहिए। जितने ज्यादा हाथों से फाईल निकलेगी उतना ही उसमें डिले होगी। मिनिमम जितना पोसीबल हो सके कम स्टाफ होना चाहिए और जरूरत से ज्यादा स्टाफ नहीं होना चाहिए। स्पीकर साहब, इसके साथ ही इन्होंने एक और बात कही कि रिसपोंसिब्लिटी ऑफ दि गवर्नमैंट होनी चाहिए। गवर्नमैंट की रिस्पोंसिब्लिटी तो है ही इससे इन्कार नहीं किया जा सकता। अगर किसी और ने भी कुछ कर दिया तो भी कुछ न कुछ करने की रिस्पोंसिब्लिटी तो गवर्नमैंट की बनती है। रिस्पोंसिब्लिटी से गवर्नमैंट बच नहीं सकती। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने सलाह दी कि मैन पावर मैनेजमैंट के लिए हमें अपने लड़कों को बाहर भेजना पड़ता है। उनकी यह सलाह बहुत ही अच्छी है इस पर भी हम विचार करेंगे। अध्यक्ष महोदय, ऑनरेबल मैम्बर्ज़ ने जो प्वायंट्स टच किए हैं हम एक-एक प्वांयट का नोटिस लेंगे और एक-एक बात को करेंगे। अध्यक्ष महोदय, इतनी बात कह कर आपका तथा सभी ऑनरेबल मैम्बर्ज़ का धन्यवाद करता हूं। मैं यह प्रस्ताव करता हूं कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को पारित किया जाए।

## राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान।

**Mr. Speaker :** Question is-

"That an address be presented to the Governor in the following terms :-

"That tbe members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply greatful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 5th March, 1997."

The motion was carried.

**Mr. Speaker :** Now the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

*18.11 hrs ( The Sabha then* adjourned till 9.30 a.m. on Wednesday, the 12th March, 1997.)

---

28805—H.S.V.—H.G.P., Chd.